हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 22.01.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 178 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में इंफोसिस ग्लोबल के साथ टेक्नोलॉजी और एआई में सहयोग पर चर्चा

हेमन्त सोरेन के कार्य और विजन की इंफोसिस ग्लोबल ने की सराहना, राज्य के युवाओं के कौशल विकास को मिलेगी गति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ग्लोबल इन्फोसिस, कैलिफोर्निया से एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट आशीष कुमार दास ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान झारखंड के दीर्घकालिक विकास विजन और तकनीक आधारित विकास की दिशा में सहयोग की संभावनाओं पर व्यापक और उत्साहवर्धक चर्चा हुई।

इंफोसिस प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कार्यों और विजन की सराहना की। विशेष रूप से प्रतिभाओं के पुनः कौशल विकास (री-स्किलिंग), टेक्नोलॉजी टॉवर की परिकल्पना तथा उन्नत तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से खनन क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन को लेकर राज्य सरकार की सोच को अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। साथ ही, बैठक में झारखण्ड के युवाओं को डिजिटल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कौशलों से सशक्त बनाने पर सहमति बनी। इस दिशा में इंफोसिस के विंग्सपैन प्लेटफॉर्म की संभावित भूमिका पर आगे चर्चा किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही, खनन क्षेत्र में उत्पादकता, सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए इंफोसिस द्वारा विकसित एआई आधारित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समाधानों को प्रस्तुत करने पर भी सहमति बनी। इसे लेकर फरवरी में एक वर्चुअल सत्र आयोजित किए जाने पर भी सहमति बनी।

तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने की पहल

इंफोसिस की ओर से मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों को इंफोसिस हाउस भ्रमण का आमंत्रण दिया गया, जहां कंपनी द्वारा विकसित अत्याधुनिक एआई आधारित नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह बैठक झारखण्ड में डिजिटल परिवर्तन, कौशल विकास और तकनीक आधारित औद्योगिक प्रगति को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा रही है। आईटी, एआई और अन्य तकनीकों पर हेमन्त सोरेन की दावोस में हो रही बैठेकें युवा झारखण्ड को एक मजबूत दिशा देने का काम करेंगी।

वेलस्पन वर्ल्ड ने झारखंड में प्लास्टिक उद्योग क्षेत्र में ₹300 करोड़ के निवेश का दिया प्रस्ताव

दावोस/रांची : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस के दौरान झारखंड के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और वेलस्पन वर्ल्ड के संस्थापक एवं चेयरमैन बी.के. गोयनका के बीच उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई, जिसमें वेलस्पन वर्ल्ड द्वारा झारखंड में प्लास्टिक उद्योग के क्षेत्र में लगभग ₹300 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया गया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य प्रतिनिधिमंडल ने वेलस्पन के प्रतिनिधियों को देवघर स्थित प्रस्तावित प्लास्टिक पार्क की जानकारी दी तथा वहां निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वेलस्पन की टीम शीघ्र ही झारखंड का दौरा कर स्थल निरीक्षण और विस्तृत अध्ययन करेगी। वेलस्पन वर्ल्ड ने झारखंड में क्रिटिकल मिनरल्स तथा लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भी निवेश की संभावनाओं में रुचि व्यक्त की। राज्य प्रतिनिधिमंडल द्वारा धनबाद स्थित लॉजिस्टिक पार्क, राज्यभर में उपलब्ध वेयरहाउसिंग एवं स्टोरेज सुविधाओं की जानकारी साझा की गई। दोनों पक्षों के बीच निरंतर संवाद बनाए रखते हुए इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने को लेकर सहमति बनी। यह बैठक झारखंड को औद्योगिक निवेश का एक उभरता हुआ केंद्र बनाने तथा राज्य में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कल्पना सोरेन ने दावोस में झारखंड के 'महिला-केंद्रित विकास विजन' को किया साझा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान, झारखंड सरकार ने ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महिला अधिकारिता वर्टिकल के सहयोग से झारखंड पवेलियन में एक उच्च स्तरीय पैनल चर्चा का आयोजन किया। "महिला उद्यमिताः विकास को गति देना और एक सतत अर्थव्यवस्था का निर्माण" विषय पर आधारित इस सत्र में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को समावेशी विकास और सतत भविष्य के लिए अनिवार्य बताया गया।

स्थानीय मूल्यों पर आधारित विकास

बैठक को संबोधित करते हुए कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि झारखंड का विकास मॉडल राज्य के आदिवासी और स्वदेशी लोकाचार पर आधारित है। उन्होंने जोर दिया कि यहाँ जल, जंगल और जमीन के साथ हमारा संबंध केवल दोहन का नहीं, बल्कि संरक्षण और जिम्मेदारी का है। श्रीमती सोरेन ने रेखांकित किया कि आदिवासी और ग्रामीण महिलाएं ऐतिहासिक रूप से परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को संभालती आई हैं। उनके 'अदृश्य' देखभाल और सामुदायिक श्रम को समाज और अर्थव्यवस्था की नींव के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए।

कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि झारखंड का दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की गरिमा, एजेंसी और अवसरों को बहाल करने पर केंद्रित है। राज्य की नीतियां विशेष रूप से उन महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई हैं जो अक्सर मुख्यधारा की नजरों से ओझल रहती हैं। सशक्त जड़ें, सशक्त भविष्यः 'जड़ों को सींचने' के रूपक का उपयोग करते हुए उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को देखभाल, संसाधन और विश्वास का सहयोग मिलता है, तो विकास अधिक गहरा, स्थिर और न्यायसंगत होता है। श्रीमती सोरेन ने झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के माध्यम से संचालित महिला स्वयं सहायता समूहों की सफलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे ये समूह स्थानीय उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमों के माध्यम से महिलाओं में नेतृत्व और आत्मनिर्भरता पैदा कर रहे हैं। उन्होने कहा कि हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखंड का शासन ढांचा संसाधनों से ऊपर 'लोगों' को और संकीर्ण आर्थिक उत्पादन से ऊपर 'जीवन की गुणवत्ता' को प्राथमिकता देता है।

सर्वोच्च सम्मान 'व्हाइट बैज' से नवाजी गई विधायक कल्पना सोरेन

रांची : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 झारखंड के लिए खास और गौरवपूर्ण साबित हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत के किसी राज्य से दो चुने हुए आदिवासी जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर शामिल हुए हैं। इतना ही नहीं, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ओर से दोनों नेताओं को सर्वोच्च सम्मान 'व्हाइट बैज' से सम्मानित किया गया है। पहले यह सम्मान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को दिया गया था और अब कल्पना सोरेन को भी यह सम्मान मिला है। यह सम्मान न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे आदिवासी समाज के लिए गर्व की बात है। इससे आदिवासी पहचान, नेतृत्व और आवाज को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिली है। यह दिखाता है कि झारखंड ना सिर्फ प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है, बल्कि दुनिया के समक्ष भी यह अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

दावोस में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ग्लोबल रिटेल आउटलेट कंपनी लूलू ग्रुप के फाउंडर ने की मुलाकात

दावोस/रांची : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से दुनिया भर में रिटेल आउटलेट के कार्य से जुड़ी कंपनी लूलू ग्रुप के फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर यूसुफ अली ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात और संवाद के क्रम में उन्होंने झारखण्ड के कृषि आधारित उत्पाद, वनोत्पाद आदि से जुड़े उत्पादों को आउट सोर्स करने का प्रस्ताव दिया। जिससे झारखण्ड का उत्पाद देश एवं दुनिया भर के बाजार तक पहुंचाया जा सके और यहाँ के किसानों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और वनोत्पाद के कार्य से जुड़े राज्य के लोगों को लाभ मिले। लूलू ग्रुप झारखण्ड में उत्पादित उन उत्पादों और वस्तुओं के प्रति रुचि दिखाई है जो उनके वैल्यू चेन में आते हैं। ग्रुप द्वारा झारखण्ड में इसके लिए कैपेसिटी बिल्डिंग के क्षेत्र में भी कार्य करने के प्रति इच्छा जताई है। इस मुलाकात और संवाद को आगे बढ़ाने तथा यहाँ के उत्पादों का अध्ययन के लिए लूलू ग्रुप का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द झारखण्ड का दौरा करेगा। झारखण्ड का प्रयास है कि वह लूलू ग्रुप का प्राइमरी सप्लायर बने। मालूम हो कि देश भर के 21 राज्यों और दुनिया के कई देशों में लूलू ग्रुप के रिटेल आउटलेट हैं।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के चेयरमैन ने झारखंड के विजन 2050 की सराहना की

दावोस/रांची : वर्ल्ड एकोनॉमिक फोरम, दावोस में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेत्रत्व में झारखंड द्वारा युवा झारखंड 'प्रकृति के साथ सामंजस्य में विकास' की सोच के साथ भाग ले रहा है। इस अवसर पर विप्रो लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और वर्तमान में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के चेयरमैन अजीम प्रेमजी ने झारखंड राज्य के इस कदम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि झारखंड राज्य अपने विकास के लिए गंभीर और संगठित प्रयास कर रहा है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन झारखंड राज्य में एक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल और विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहा है, जो एक बहुत बड़ा निवेश है। झारखंड सरकार से हमें निरंतर सहयोग और एक सक्रिय व सकारात्मक दृष्टिकोण का अनुभव हुआ है। हमारा अनुभव बहुत अनुकूल रहा है। मैं भारत और दुनिया भर के निवेशकों का स्वागत करता हूँ कि वे झारखंड में निवेश करने पर विचार करें। मैं राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा रांची के इटकी में एक विश्वविद्यालय, 1300 बेड का अस्पताल, एक मेडिकल कॉलेज तथा एक स्कूल की स्थापना की जा रही है।

एक नजर

चैनपुर थाना प्रभारी को एसीबी ने 30 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा

गुमला : गुमला जिले के चैनपुर थाना प्रभारी शैलेश कुमार को पदभार संभालने के महज 96 घंटे के भीतर एसीबी की टीम ने 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने रविवार को ही चैनपुर के 22वें थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण किया था, लेकिन बुधवार दोपहर उनका भ्रष्टाचार सामने आ गया। आरोप है कि थाना प्रभारी शैलेश कुमार और पूर्व प्रभारी अशोक कुमार ने पीड़ित जयपाल नायक पर निजी घर के लिए ईंट पकाने के एवज में अवैध वसूली का दबाव बनाया। जयपाल नायक के अनुसार वह एक गरीब व्यक्ति है, लेकिन पुलिस की ओर से लगातार उसे परेशान किया जा रहा था।

आईसीसी की बैठक में बांग्लादेश को 'भारत में खेलो या बाहर होने' का अल्टीमेटम, 24 घंटे की मिली मोहलत

एजेंसी

नयी दिल्ली : टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से पहले हुए विवाद पर आज हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश को अल्टीमेटम दे दिया गया। उन्हें बहुमत के आधार पर भारत में खेलो या बाहर होने का निर्देश मिला है। इस पर बांग्लादेश को 24 घंटे में फैसला लेना होगा। दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा का हवाला देते हुए आईसीसी से उनके मुकाबले भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी को ग्रुप बदलने का भी विकल्प दिया था। हालांकि, अब आईसीसी ने बुधवार को हुई बैठक में उनकी सभी मांगों को खारिज करते हुए एक दिन में फैसला लेने का अल्टीमेटम दे दिया है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक में सभी फुल मेंबर देशों के डायरेक्टर ने हिस्सा लिया। ले रहे हैं। इसमें आईसीसी चेयरमैन जय शाह के अलावा, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड, जिम्बाब्वे क्रिकेट अध्यक्ष तवेंगा मुकुहलानी, क्रिकेट वेस्टइंडीज अध्यक्ष किशोर शैलो, क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ब्रायन मैकनीस, क्रिकेट न्यूजीलैंड के प्रतिनिधि रोजर ट्वास, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन, क्रिकेट साउथ अफ्रीका के प्रतिनिधि मोहम्मद मूसाजी और मीरवाइस अशरफ, क्रिकेट अफगानिस्तान के चेयरमैन शामिल रहे। इसके अलावा बैठक में आईसीसी प्रबंधन के शीर्ष अधिकारी और एंटी-करप्शन के हेड एंड्रयू एफग्रेव ने भी हिस्सा लिया।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, 'आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बांग्लादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा है कि अगर बांग्लादेश 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से मना करता रहता है, तो उसकी जगह टूर्नामेंट में दूसरी टीम को शामिल किया जाएगा। यह फैसला वोटिंग के बाद लिया गया, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे। बीसीबी को भारत में खेलने के अपने रुख पर आईसीसी को जवाब देने के लिए एक और दिन का समय दिया गया है।' इस विवाद की शुरूआत मुंबई इंडियंस द्वारा बांग्लादेश के स्टार पेसर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज करने के बाद हुई। इसके बाद सुरक्षा और टीम माहौल को लेकर बांग्लादेश में नए स्वर उभरे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत यात्रा पर सुरक्षा आशंका जताते हुए कहा कि टीम को श्रीलंका में खेलना चाहिए।

सेना का ट्रेनी विमान तालाब में गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित

एजेंसी

प्रयागराज : प्रयागराज जिले के जार्जटाउन थाना क्षेत्र में सेना का एक ट्रेनी विमान नगर में स्थित केपी ग्राउंड के पीछे एक तालाब में गिर गया है। विमान के दोनों पायलटों को सुरक्षित हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। सेना की रेस्क्यू टीम भी पहुंच गई है और तालाब से विमान निकालने की कवायद चल रही है।

मौके पर पहुंचे एयरफोर्स के अधिकारी एसके सिंह ने बताया कि तालाब में दल-दल होने की वजह से विमान को निकालने में देरी हो रही है। उन्होंने बताया कि ट्रेनी विमान एयरपोर्ट बमरौली से उड़ा था और उड़ान भरने के बाद ही दोनों पायलटों को विमान में कमीआने की जानकारी हो गई थी। इस संबंध में तत्काल सूचना एयरफोर्स के अधिकारियों को सूचना दी गई।

पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि बमरौली से फाफामऊ क्षेत्र के लिए उड़ान भरने वाला एक ट्रेनी विमान केपी कालेज के पीछे स्थित तालाब में गिर गया है। इस सूचना पर तत्काल एसीपी कर्नलगंज, जार्जटाउन थाने की पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीमें के साथ पहुंच गई। उन्होंने बताया कि इससे पहले ही स्थानीय लोगों ने दोनों पायलटों को विमान से सुरक्षित बाहर निकला लिया था। दोनों पायलट सुरक्षित हैं। घटना के बाद कुछ ही देर में एयरफोर्स और सेना की रेसक्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी दमकल गाड़ी के साथ पहुंचे।

सरकारी धान खरीद बंद होने से किसान परेशान, विधायक ने डीसी से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही विधायक मनोज यादव ने बुधवार को हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की और जिले में धान खरीद की प्रक्रिया ठप होने पर गहरी चिंता जताई। विधायक ने उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर बरही विधानसभा क्षेत्र समेत पूरे जिले में बंद पड़े धान अधिप्राप्ति केंद्रों को अविलंब सक्रिय करने की मांग की। विधायक ने उपायुक्त को बताया कि राज्य सरकार की घोषणा के अनुसार प्रत्येक प्रखंड में धान खरीद केंद्र तो खोले गए लेकिन कुछ दिनों तक सीमित खरीद के बाद अचानक प्रक्रिया बंद कर दी गई। इससे चौपारण, बरही और पदमा प्रखंडों के किसानों के बीच असमंजस और निराशा का माहौल है। उन्होंने कहा कि किसानों की साल भर की मेहनत और आर्थिक आधार उनकी फसल ही है। विधायक ने जोर देकर कहा कि इस वर्ष धान की पैदावार अच्छी हुई है। केंद्र खुलने से किसानों को उम्मीद जगी थी कि उन्हें उपज का उचित मूल्य मिलेगा और वे बिचौलियों के शोषण से बच सकेंगे। लेकिन सरकारी खरीद बंद होने से किसान एक बार फिर औने-पौने दामों पर बिचौलियों को धान बेचने को मजबूर हो रहे हैं। बिना किसी स्पष्ट जानकारी के धान की खरीद बंद करना किसानों के साथ अन्याय है। प्रशासन को जल्द से जल्द केंद्रों को फिर से क्रियाशील बनाना चाहिए। विधायक की बातों को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जनहित के इस मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को इस बाबत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे ताकि धान खरीद की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके और किसानों को आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े।

बरही में स्ट्रीट लाइट मरम्मत को लेकर मनोज यादव ने की उपायुक्त से मुलाकात

बरही : बरही विधायक मनोज यादव ने हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से शिष्टाचार मुलाकात कर क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने बरही शहरी क्षेत्र में सीएसआर मद से लगाए गए स्ट्रीट लाइटों की जर्जर स्थिति से उपायुक्त को अवगत कराया। विधायक ने बताया कि एनटीपीसी द्वारा पूर्व में सीएसआर मद से लगाए गए स्ट्रीट लाइट अब काफी पुराने हो चुके हैं और अधिकांश लाइटें खराब पड़ी हैं। इसके कारण बरही शहरी इलाके में रात्रि के समय अंधकार छाया रहता है, जिससे आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही अंधेरे की वजह से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी रहती है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इस समस्या को गंभीर बताते हुए सभी खराब स्ट्रीट लाइटों की शीघ्र मरम्मत सीएसआर मद से कराने की मांग की। विधायक मनोज यादव ने कहा कि स्ट्रीट लाइटों के दुरुस्त होने से न केवल आमजन को राहत मिलेगी, बल्कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। इसके अलावा विधायक ने हाल के दिनों में बरही क्षेत्र के मजदूरों को रेस्क्यू किए जाने में प्रशासन द्वारा किए गए सार्थक प्रयासों के लिए उपायुक्त का आभार भी व्यक्त किया। इस पर उपायुक्त हजारीबाग शशि प्रकाश सिंह ने विधायक द्वारा उठाए गए दोनों ही जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही।

एक नजर

संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाने को लेकर कमेटी हुआ गठन

बड़कागांव : बड़कागांव चेपाकला पंचायत के जूगरा अंबेडकर आश्रम में संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाने को लेकर बैठक की गई बैठक की अध्यक्षता टीभर राम एवं संचालन राजेश राम ने किया। सर्वसमिति से प्रत्येक वर्ष कि भाति इस वर्ष भी बड़े धूम धाम से संत शिरोमणि रविदास जयंती 01 फरवरी 2026 को मनाने का निर्णय लिया गया। जिसमें पूजा समिति की गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष बाजो राम सचिव नागो राम कोषाध्यक्ष प्रकाश कुमार उपाध्यक्ष रुपु राम उपसचिव प्रकाश राम उपकोषाध्यक्ष दीपक कुमार संयोजक जुगेश्वर राम टीभर राम उमेश राम बासुदेव राम सुरेश राम संरक्षक :विजय राम दिलीप राम राजेश राम प्रदीप राम संगठन सुखदेव राम दिनेश राम खिरोधर राम मीडिया प्रभारी अरुण रंजन संचालन सुरेंद्र राम मनोरंजन मंत्री विकाश कुमार बादल रंजन चलीतर कुमार सिकेंद्र कुमार राजेंद्र राम किशोर रंजन संजय राम पूजा प्रभारी जानकी राम खेटा राम टेकन रविदास कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार, राहुल कुमार, मनोज राम, सोनू कुमार, प्रमोद कुमार, हीरामन कुमार, करण कुमार, विकाश कुमार, संजीत कुमार इत्यादि लोगों को बनाया गया।

क्षत्रिय गौरव एकता मंच की पुनाई में हुई बैठक

हजारीबाग : क्षत्रिय गौरव एकता मंच की बैठक पुनाई गांव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में अधिवक्ता रमेश सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज के उत्थान और आगामी लक्ष्यों पर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। संयोजक डॉ. सुनील कुमार सिंह ने आगामी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए घोषणा की कि 22 फरवरी को रांची के हरमू मैदान में विशाल क्षत्रिय महासम्मेलन का आयोजन होना है। इस महासम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में समाज के लोग रांची पहुंचे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनसंपर्क एवं सहयोग समिति का गठन किया गया। जिसमें मुन्ना सिंह, आनंद देव, शिवकुमार सिंह, शत्रुघ्न सिंह, दिगंबर सिंह, बृजेश सिंह, सीडी सिंह, विकास सिंह, गिरेंद्र सिंह, प्रेम सिंह, शशि मोहन सिंह, टुनटुन सिंह का नाम शामिल है। वही सर्वसम्मति से ग्राम वासियों को अपनी ग्राम सभा समिति बनाने का पूर्ण अधिकार दिया गया।

माता वैष्णो देवी मंदिर के 35 वें वार्षिकोत्सव पर निकलेगी कलश यात्रा

रामगढ़ : शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर का 35 वां वार्षिकोत्सव शुक्रवार को धूमधाम से मनाया जाएगा।

इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। वार्षिकोत्सव के सभी धार्मिक अनुष्ठानों के मुख्य यजमान हर्ष आनंद और उनकी पत्नी निशु आनंद होंगी। कलश यात्रा प्रात: 09 बजे मंदिर परिसर से निकाली जाएगी, जो शहर के झंडा चौक, गांधी चौक, मेन रोड, सुभाष चौक, शिवाजी रोड, लोहार टोला होते हुए चट्टी बाजार स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर पहुंचेगी, जहां कलश में जल भरकर वापस माता वैष्णों देवी मंदिर पहुंचेगी। माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के सचिव महेश मारवाह ने बताया कि कलश यात्रा की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। महेश मारवाह ने बताया कि मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। 24 जनवरी को गणेश पूजन, मंडप प्रवेश, अग्नि प्रवेश कराया जाएगा। 25 से 28 जनवरी तक प्रतिदिन पूजन, शतचंडी पाठ, हवन का आयोजन होगा। वहीं 27 जनवरी को दोपहर 03 बजे से मंदिर परिसर में माता की चौकी और 28 जनवरी की रात्रि 09 बजे से माता की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया जायेगा। वहीं 29 जनवरी को पूणाहुति के बाद माता का विशाल भंडारा का आयोजन किया जायेगा।

खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण: मैन्युफैक्चरर्स को दी गई आवश्यक जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर टेक्निकल टीचर के संयुक्त तत्वावधान में रामगढ़ जिले के खाद्य उत्पादनकर्ताओं के लिए एडवांस मैन्युफैक्चरर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण रामगढ़ स्थित अशोका होटल में आयोजित किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मैन्युफैक्चर यूनिट्स के संचालक और संबंधित लोग उपस्थित हुए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह ने प्रशिक्षण में संबोधित करते हुए सभी खाद्य व्यवसाइयों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी खाद्य व्यवसाइयों को खाद्य सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना आवश्यक है, ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य उत्पाद मिल सकें। पेन इंडिया कोऑर्डिनेटर विकास कुमार ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया और खाद्य सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा के नियमों का पालन करना न केवल उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह खाद्य व्यवसाइयों के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इससे उनकी प्रतिष्ठा बढ़ती है और वे अपने उत्पादों को बाजार में बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं।

ड्रोन से खुलासा, चौपारण के दुर्गम वन क्षेत्र में 70 एकड़ अवैध अफीम खेती नष्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बिहार सीमा से सटे फल्गु नदी के किनारे स्थित दुर्गम वन क्षेत्र में वर्षों से संचालित अवैध अफीम की बड़े पैमाने पर खेती का खुलासा हुआ है। गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को चौपारण थाना क्षेत्र के सिकदा गांव में पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने व्यापक अभियान चलाया। ड्रोन सर्विलांस की मदद से लगभग 70 एकड़ क्षेत्र में फैली अफीम की खेती को चिन्हित कर पूरी तरह नष्ट करने का दावा किया गया। अभियान के दौरान खेतों से 15 डिलीवरी पाइप सहित सिंचाई एवं खेती में प्रयुक्त कई उपकरण बरामद कर नष्ट किए गए। पुलिस के अनुसार अवैध खेती में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है तथा सत्यापन उपरांत दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संयुक्त अभियान में बरही एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल, बरही अंचल के पु.अनि. चंद्रशेखर, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, एसआई सुबिन्दर राम, एसआई रतन टुडू, एएसआई बदल महतो, सशस्त्र बल के जवान एवं वन विभाग के बनपाल सहित अन्य कर्मी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम इलाके तक पहुंचने और फसल के वास्तविक फैलाव का सटीक आकलन करने में ड्रोन सर्विलांस ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि कार्रवाई के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर अफीम की खेती, स्थायी सिंचाई व्यवस्था, पाइपलाइन और फसल की निरंतर देखभाल बिना विभागीय लापरवाही या किसी स्तर की सांठगांठ के संभव नहीं है। उन्होंने गश्ती व्यवस्था को कमजोर बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों ने वन कर्मियों की जवाबदेही तय करने, गश्ती प्रणाली की समीक्षा करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

मैट्रिक के बाद लक्ष्य स्पष्ट रखें सफलता निश्चित : संजय यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : डॉ. ललन बाबू कस्तूरबा गांधी उच्च विद्यालय, सिंहपुर में बुधवार को वर्ग दशम के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चौपारण अंचलाधिकारी संजय यादव एवं अंचल निरीक्षक शशिकांत कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत से हुई। विद्यालय के संस्थापक सदस्य महेश्वरी मेहता, अरबिंद सिन्हा, विकास यादव, मनोज कुमार, डब्लू अंसारी, मो फहद सहित अन्य सदस्यों ने मुख्य अतिथियों को शॉल एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंचलाधिकारी संजय यादव ने दशम वर्ग के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और मैट्रिक के बाद की आगे की रणनीति को लेकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मैट्रिक परीक्षा के बाद सभी विद्यार्थियों का मार्ग अलग-अलग होगा, लेकिन लक्ष्य स्पष्ट रखकर मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलेगी। विद्यालय के संस्थापक सदस्य अरबिंद सिन्हा ने विद्यार्थियों को अनुशासन और निरंतर परिश्रम का महत्व बताते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। वहीं पूर्व शिक्षक सह समाजसेवी विकास यादव ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक अखिलेश दांगी द्वारा किया गया। विदाई समारोह में वर्ग नवम एवं अष्टम के सभी विद्यार्थियों के साथ-साथ विद्यालय के सभी शिक्षकों का सराहनीय सहयोग रहा, जिससे कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य ममता कुमारी ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार सदैव विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है ।

सरजू बारी के श्राद्ध कार्यक्रम में पहुंचे विधायक प्रतिनिधि, पितरों को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : पदमा प्रखंड के ग्राम पदमा में बुधवार को सरजू बारी के श्राद्ध कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बरही विधायक प्रतिनिधि नारायण यादव विशेष रूप से उपस्थित हुए और दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पितृपक्ष के पावन अवसर पर आयोजित इस श्राद्ध कर्म में ब्राह्मणों के मार्गदर्शन में संपूर्ण विधि-विधान के साथ तर्पण एवं पिंडदान की प्रक्रिया पूरी की गई। परिवार के सदस्यों ने काले तिल, कुशा और गंगाजल से पितरों को तृप्त किया। शास्त्रों के अनुसार किए गए इस पूजन का मुख्य उद्देश्य पूर्वजों का स्मरण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना था, ताकि परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात ब्राह्मण भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने अपनी श्रद्धा व्यक्त की। विधायक प्रतिनिधि नारायण यादव ने इस मौके पर कहा कि पूर्वजों के प्रति सम्मान व्यक्त करना हमारी सनातन संस्कृति का अहम हिस्सा है और उनके आशीर्वाद से ही परिवार व समाज का कल्याण संभव है। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि नारायण यादव के साथ रमेश ठाकुर, प्रदीप बारी, पप्पू बारी, सुरेंद्र भुइयां, पूर्व मुखिया एवं अन्य गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत सरजू बारी के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण मानने को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : आगामी सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर चौपारण थाना परिसर में प्रखंड एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी संजय यादव एवं इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन शिक्षाविद शम्भु नारायण सिंह ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरस्वती पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा पूजा व विसर्जन को समयबद्ध और सुनियोजित ढंग से संपन्न कराना रहा। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं बुद्धिजीवियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित कराने एवं विसर्जन सुनिश्चित कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में मनाए जाने वाले सभी पर्व आपसी भाईचारे, आनंद, उत्साह एवं सौहार्द के साथ मनाए जाने चाहिए। प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सरस्वती पूजा के दौरान डीजे साउंड पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही जुलूस केवल निर्धारित मार्ग से ही निकाले जाएंगे एवं रात्रि 10 बजे तक विसर्जन अनिवार्य रूप से संपन्न करना होगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, अशांति या उपद्रवी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया प्रतिनिधि,पसंस प्रतिनिधि सहित प्रखंड के कई ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बरही में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

बरही : बरही थाना परिसर में बुधवार को सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति का बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सीओ चंद्रशेखर कुणाल जबकि संचालन थाना प्रभारी सह पु०नि० विनोद कुमार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, बीडीओ जयपाल महतो, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र रजक शामिल हुए। शांति समिति को संबोधित करते हुए जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि पूरे संसार को ज्ञान और बुद्धि देने वाली मां सरस्वती अपने साधकों को अखंड भक्ति का वरदान देती है, देवी सरस्वती मन से मोह रूपी अंधकार को हर लेती है, जिसे उन्होंने शांति और सद्भाव से मनाने का अपील किया है। इस दौरान थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि सरस्वती पूजा के दौरान डीजे बजाने पर प्रशासन की ओर से पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। पूजा पंडालों में केवल चोंगा का उपयोग किया जा सकता है, वहीं उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि अश्लील, भड़काऊ व जाति सूचक गीत बजाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीलर संघ अध्यक्ष डोमन पांडेय, मौके पर मुखिया मोतीलाल चौधरी, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र रजक, पंसस मो तैयब एवं कांग्रेस नेता मो तौकीर समेत कई डीजे संचालक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

आयुष्मान आरोग्य मंदिर पंचमाधव का नेशनल एसेसमेंट टीम ने किया निरीक्षण

बरही : बरही के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पंचमाधव का एक्सटर्नल एसेसमेंट टीम ने निरीक्षण किया। जांच टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की वास्तविक स्थिति, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम से जुड़े कार्यक्रमों से होने वाले लाभ की जानकारी ली गई। निरीक्षण टीम में डॉ तरन्नुम सिद्दीकी, डॉ राठी बालाचंद्रन, सिविल सर्जन अशोक कुमार सिंह, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ कपिल मुनि प्रसाद, बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी समेत स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल थे। जांच टीम ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम, दवा वितरण व्यवस्था, उपलब्ध जांच सुविधा, रिकॉर्ड संधारण और जन-जागरूकता गतिविधियों का जायजा लिया। जांच टीम ने चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों को मलेरिया एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए सतत निगरानी रखने, समयबद्ध जांच करने और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करने की सलाह दी। डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया। जांच दल के निरीक्षण के दौरान डॉ मेराजुल इस्लाम, डॉ मो एजाज हुसैन, एचएम सुधांशु शेखर सिन्हा, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, पंचायत समिति प्रतिनिधि कामेश्वर रविदास, मलेरिया पर्यवेक्षक इरशाद आलम, सीएचओ प्रियंका कुमारी, शिवशंकर, आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

सरस्वती पूजा को लेकर डाडीकला थाना परिसर में शांति समिति बैठक संपन्न

बड़कागांव : बड़कागांव-डाडीकला थाना क्षेत्र अंतर्गत सरस्वती पूजा को लेकर डाडीकला थाना परिसर में शांति समिति की अहम बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी सागेन मुर्मू ने किया। बैठक में पूजा एवं जुलूस को लेकर निर्धारित नियम कानून को गंभीरता से बतलाया तथा पालन करने को कहा गया। जूलूस में माहौल खराब करने वाले लोगों को बख्सा नहीं जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से डांडी कला थाना प्रभारी सुगुन मुर्मू, एसआई संजय सिंह,सतीश उरांव, डांडी कला मुखिया इलियास अंसारी, चेपाकला मुखिया अनिकेत नायक, डांडी कला पंचायत समिति सदस्य फयुम अंसारी, राजेश रजक, शंकर भूईयां, रंजीत महतो, बालदेव महतो, मोहन महतो, अजीम अंसारी, नेशाद अंसारी, बसारत अंसारी,सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

बरही विधानसभा के नवमनोनित सांसद प्रतिनिधियों की हुई बैठक

बरही : बरही विधानसभा क्षेत्र के नवमनोनित सांसद प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक बरही सार्वजनिक पुस्तकालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने की, जबकि संचालन बरही विधानसभा सह-प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद प्रतिनिधि अजय साहू मौजूद थे। बैठक में सांसद प्रतिनिधि अजय साहू ने आगामी 08 फरवरी को रामगढ़ में आयोजित होने वाले सांसद विवाह महोत्सव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी मनोनीत प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि इस आयोजन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद परिवारों को इसका लाभ मिल सके। साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया गया। इसके अलावा बैठक में आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से सुनने, उन्हें संबंधित विभागों तक पहुंचाने और त्वरित समाधान के लिए समन्वय बनाकर कार्य करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक के दौरान नवमनोनित प्रतिनिधियों ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए हजारीबाग सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया और भरोसा दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मौके पर बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, बरही विधानसभा सह-प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, मणिलाल यादव, रामस्वरूप पासवान, पदमा प्रखंड प्रतिनिधि अजय मेहता, बरही पूर्वी मंडल प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, बरही पश्चिमी मंडल प्रतिनिधि भगवान केशरी, चौपारण पूर्वी मंडल प्रतिनिधि सहदेव यादव, चौपारण मध्य मंडल प्रतिनिधि रितेश कुमार बर्णवाल, चौपारण पश्चिमी मंडल प्रतिनिधि आशीष सिंह, चंदवारा मंडल प्रतिनिधि सुखदेव साव आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत रैली और पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को लेकर जिले में बुधवार को आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रैली और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान सुरक्षित यातायात नियमों के पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा का सम्मान तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने जैसे संदेशों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया गया। शहर के बाजार टांड़ स्थित सिद्धो-कान्हो मैदान से चट्टी बाजार तक आयोजित रैली में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, हेलमेट पहनें, सुरक्षित रहें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें जैसे नारों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों पर जागरूकता पैदा की गई। रैली के माध्यम से लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति सजग रहने का आह्वान किया गया। इसी क्रम में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों को कागज पर उकेरा। प्रतियोगिता में बच्चों ने ट्रैफिक सिग्नल का महत्व, पैदल यात्रियों की सुरक्षा, स्कूल जोन में सावधानी, दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट के उपयोग जैसे संदेशों को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित मोटर वाहन निरीक्षक मोनू मृणाल और विपुल उरांव सहित पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर बच्चों की जागरूकता ही भविष्य में सुरक्षित समाज के निर्माण की नींव है। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

झारखंड की मेगालिथिक विरासत को यूनेस्को मान्यता दिलाने पर मंत्री सुदिव्य का जोर, यूके में अंतरराष्ट्रीय विमर्श

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों संग बैठकों में वैज्ञानिक संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और दीर्घकालिक रोडमैप पर सहमति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन कला संस्कृति, खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार के नेतृत्व में झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने यूनाइटेड किंगडम के दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों और विशेषज्ञ समूहों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लिया। इन सभी बैठकों का केंद्रबिंदु झारखंड की प्राचीन मेगालिथ/मोनोलिथिक विरासत का संरक्षण, पुनर्स्थापन, वैज्ञानिक प्रबंधन और इसे वैश्विक पहचान दिलाने की रणनीति रहा।

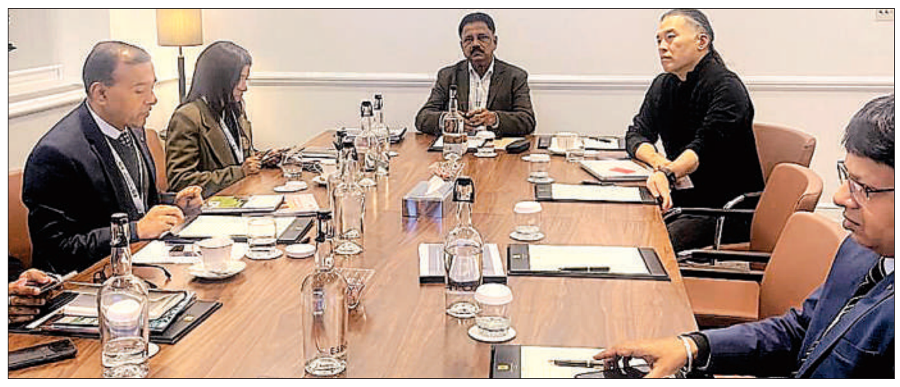

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से बुधवार को जारी जानकारी के अनुसार, बैठकों में मेगालिथिक स्थलों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, संरचनात्मक संरक्षण, परिदृश्य प्रबंधन, जोखिम आकलन तथा अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने संरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग और चरणबद्ध कार्ययोजना पर बल दिया।

बैठकों में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि झारखंड की यह विरासत केवल पुरातात्विक संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि आदिवासी समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसलिए संरक्षण की किसी भी पहल में स्थानीय समुदायों की सार्थक और निरंतर भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि सांस्कृतिक संवेदनशीलता बनी रहे और संरक्षण टिकाऊ हो।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ संवाद के दौरान यह भी चर्चा हुई कि झारखंड की मेगालिथिक विरासत को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए एक ठोस, तथ्यपरक और विश्वसनीय प्रस्तुति कैसे तैयार की जाए। इसके लिए मानचित्रण, ऐतिहासिक प्रमाण, संरक्षण की स्थिति और प्रबंधन ढांचे को वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रस्तुत करने पर सहमति बनी।

इन बैठकों के माध्यम से पुरातत्व, विरासत संरक्षण, इंजीनियरिंग और परामर्श के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ उठाने तथा संस्थागत क्षमता निर्माण के संभावित क्षेत्रों की पहचान की गई। राज्य सरकार विशेषज्ञ सुझावों के आधार पर एक स्पष्ट और व्यावहारिक रोडमैप तैयार करेगी। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य की अमूल्य मेगालिथिक/मोनोलिथिक विरासत के संरक्षण, पुनर्स्थापन और सतत प्रबंधन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार इस धरोहर को केवल अतीत की निशानी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने योग्य सांस्कृतिक धरोहर मानती है और इसके लिए वैज्ञानिक पद्धतियों, सामुदायिक सहभागिता तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से दीर्घकालिक प्रयास किए जाएंगे।

राज्यपाल को सरयू राय ने झारखंड भू-विरासत (जीवाश्म) विधेयक का सौंपा प्रारूप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय विधानसभा के आगामी बजट सत्र-2026 में एक गैर-सरकारी विधेयक के रूप में "झारखंड भू-विरासत (जीवाश्म) विधेयक" प्रस्तुत करने जा रहे हैं। यह विधेयक धन विधेयक के रूप में लाया जाएगा।

सरयू राय ने बुधवार को बताया कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, किसी भी धन विधेयक को विधानसभा में पेश करने से पहले राज्यपाल की अनुमति आवश्यक होती है। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को विधेयक का प्रारूप झारखंड के राज्यपाल को सौंपते हुए इसे विधानसभा में प्रस्तुत करने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

सरयू राय के अनुसार, राज्यपाल ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वे इस विधेयक के प्रारूप को अनुशंसा के साथ राज्य सरकार को अग्रसारित करेंगे। राज्य सरकार और विधानसभा की ओर से उचित माध्यम से संचिका उनके पास आने पर वे इसे शीघ्र प्रस्तुत करने की मंजूरी प्रदान कर देंगे।

सरयू राय ने इससे पूर्व मंगलवार को इस विधेयक का प्रारूप विधानसभा अध्यक्ष को भी सौंप दिया था और उन्हें आगामी बजट सत्र-2026 के दौरान इसे गैर-सरकारी विधेयक के रूप में सदन के समक्ष प्रस्तुत करने की सूचना दी थी।

सरयू राय ने बताया कि झारखंड के राजमहल की पहाड़ियों, विशेषकर साहेबगंज और पाकुड़ जिलों में बड़ी संख्या में काष्ठ जीवाश्म (फॉसिल) खुले में बिखरे हुए हैं। खनन और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण ये बहुमूल्य जीवाश्म तेजी से नष्ट हो रहे हैं, जबकि ये राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण भू-विरासत हैं।

उन्होंने कहा कि इन जीवाश्मों के संरक्षण, संरक्षण-प्रबंधन और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक स्पष्ट कानूनी ढांचा आवश्यक है। इसी उद्देश्य से इस विधेयक के माध्यम से अधिनियम और नियमावली बनाने का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि झारखंड की भू-विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

मौसम में उतार-चढ़ाव जारी

रांची : राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। किसी जिले में बादल छाए हुए हैं तो कहीं गर्मी का अनुभव हो रहा है। यही वजह है कि चाईबासा में अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री (31.2) अधिक रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार रांची में सामान्य से 2.4 डिग्री, जमशेदपुर 30.5, डालटेनगंज में सामान्य से 3.6 डिग्री और बोकारो में सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक तापमान दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में राजधानी रांची सहित राज्य भर में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग में बुधवार को बताया कि निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना हुआ है। साथ ही एक नया पश्चिमी विक्षोभ का असर 26 जनवरी से देश के उत्तर पश्चिम हिस्सों में बनने की संभावना है।

राज्य के सभी विधान सभा क्षेत्रों में 203 करोड़ की लागत से 245 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट खुलेंगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम उठाया है। अब झारखंड के सभी जिलों के सभी विधान सभा क्षेत्रों में कुल 203 करोड़ 35 लाख की लागत से 245 इढलव ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना की जाएगी ।

झारखंड की स्वास्थ्य प्रणाली आधुनिक, संवेदनशील और जन-केंद्रित बनेगी

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने कहा कि ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। हमारा उद्देश्य है कि हर ब्लॉक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, समय पर जांच, सटीक डाटा और त्वरित स्वास्थ्य प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी बीमारी या महामारी से पहले ही प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। विशेष रूप से आदिवासी, दूरदराज और वंचित क्षेत्रों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मेरी प्राथमिकता है कि झारखंड की स्वास्थ्य प्रणाली आधुनिक, संवेदनशील और जन-केंद्रित बने, और इसके लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना से झारखंड के स्वास्थ्य तंत्र में दिखेंगे व्यापक, संरचनात्मक और सकारात्मक बदलाव

ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना और संचालन से झारखंड के स्वास्थ्य तंत्र में व्यापक, संरचनात्मक और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट को ब्लॉक स्तर पर एक विकेन्द्रीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सेवा वितरण मंच के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य क्लिनिकल सेवाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। यह इकाई निगरानी, योजना निर्माण, आपातकालीन तैयारी और समन्वित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के लिए ब्लॉक स्तर की प्रमुख संस्थागत इकाई के रूप में कार्य करेगी। प्रत्येक BPHU में एक मौजूदा सेवा प्रदाय संस्थान (जैसे - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/अनुमंडलीय अस्पताल/ ब्लॉक PHC), एक ब्लॉक पब्लिक हेल्थ प्रयोगशाला, एक ब्लॉक हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम सेल शामिल होंगे।

BPHU की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ब्लॉक क्षेत्र की जनसंख्या के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं उन्नयन करना है, विशेषकर दूरस्थ, दुर्गम, आदिवासी एवं वंचित समुदायों पर विशेष फोकस के साथ। इससे ब्लॉक स्तर पर विकेन्द्रीकृत योजना, स्वास्थ्य जोखिमों की समय पर पहचान और प्रमाण-आधारित त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

प्रणामी मंदिर में कई मरीजों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज

रांची : प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में बुधवार को साई बालाजी धन्वंतरि पंचकर्म आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मोराबादी के सौजन्य से आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ ऋषि कुमार ने कई मरीजों का इलाज कर निशुल्क परामर्श दिया। चिकि?त्सकों ने शिविर में पहुंचे लोगों के विभिन्न रोगों जैसे जोड़ों का दर्द, गैस, अपच, मधुमेह, रक्तचाप, त्वचा रोग, मोटापा, सिरदर्द और मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच की। साथ ही मरीजों को आयुर्वेदिक उपचार और उचित परामर्श दिया।

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत 18 मरीजों को मिली सहायता स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने 'मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना' के तहत गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत देते हुए राज्य के 18 मरीजों के इलाज की स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय झारखंड स्टेट आरोग्य सोसायटी (जसास) के कार्यकारी निदेशक छवि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय समिति की बैठक में लिया गया।

बैठक के बाद छवि रंजन ने बताया कि स्वीकृत लाभार्थियों की सूची में गंभीर रूप से कैंसर, किडनी रोग और रक्त कैंसर से पीड़ित मरीज शामिल हैं। कैंसर रोगियों में सरिता देवी (कोलन कैंसर पुनरावर्ती), शाहिना परवीन (सर्विक्स कैंसर), परेश कुमार शर्मा (मेटास्टेटिक एडेनोकार्सिनोमा), लक्ष्मी नाथ साहू (कैंसर सीए आरएमटी - दाहिनी ओर), लैलुन खातून (फेफड़े का कैंसर), उषा शर्मा (गॉलब्लैडर का एडेनो स्क्वैमस कार्सिनोमा), जब्साना कैबर्त्ता (रेक्टोवैजाइनल फिस्टुला सहित सर्विक्स कैंसर), मो. हारून रशीद (मेटास्टेटिक कोलन कैंसर), अफसाना खातून (मेटास्टेटिक पेट का कैंसर), मास्टर दिव्यांशु कुमार (मल्टीसिस्टम लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस), अजमुल अंसारी (मेटास्टेटिक

फेफड़े का कैंसर), उर्मिला करुआ (स्टेजझफोर सर्विक्स कैंसर), सलमा परवीन (बाएं स्तन का कैंसर) और नर्गिस आरा (एडेनोकार्सिनोमा जीई जंक्शन) शामिल हैं।

इसके अलावा किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित मरीजों में मंडीप कुमार, जीतबहन मछवा और आदित्य कुमार को योजना का लाभ दिया गया है। वहीं रक्त कैंसर से पीड़ित मरीजों की सूची में मिस राजनंदिनी कुमारी का नाम शामिल है।

बैठक में जिला स्तरीय समिति द्वारा पांच लाख रुपये से अधिक और 20 लाख रुपये तक की अनुशंसा से जुड़े मामलों पर भी विचार किया गया। एक मरीज के इलाज के लिए 16 लाख रुपये की आवश्यकता को देखते हुए संबंधित प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के लिए भेजने का निर्णय लिया गया।

आवेदन प्रक्रिया की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि कुछ मामलों में मरीजों की वर्तमान चिकित्सीय स्थिति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। इस पर जसास के कार्यकारी निदेशक छवि रंजन ने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि वे मरीजों का भौतिक सत्यापन अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुष्टि सुनिश्चित करें। साथ ही, उपचार लागत के आकलन की जांच के बाद ही प्रस्ताव राज्य स्तरीय समिति को भेजने पर जोर दिया।

बैठक में निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, अपर कार्यकारी निदेशक सीमा सिंह, जसास के महाप्रबंधक प्रवीण चंद्र मिश्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

रांची के बिल्डर से राहुल दुबे गैंग ने मांगी पांच करोड़ की रंगदारी

रांची : रांची के बिल्डर राफे कमाल से रंगदारी मांगने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। बिल्डर से राहुल दुबे गिरोह ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। रंगदारी की रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है। बिल्डर राफे कमाल ने इस संबंध में अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज होने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार राफे कमाल ने आरोप लगाया है कि पंडरा में उनकी एक जमीन है। उस जमीन को लेकर पिछले कुछ दिनों से धमकी मिल रही है उन्हें धमकी देने वालों में तौसिफ, नईम, बादशाह और आसिफ का नाम शामिल है। दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, गत छह जनवरी को जब वह जमीन पर गए थे, तब उनसे कहा गया कि राहुल दुबे गैंग और अमन साहु गैंग से बात कर लो। आपराधिक गिरोह के नाम लेकर उन्हें वहां से भगा दिया गया था। जब वह घर लौटे तो शाम में एक नंबर से उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने खुद को राहुल दुबे गिरोह का प्रकाश शुक्ला बताया और पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। इसके बाद 17 जनवरी को उनके भाई की रेकी का वीडियो भेजा। इसके बाद उन्होंने थाना में लिखित सूचना दी। पुलिस फोन करने वाले नंबर के सहयोग आरोपित की तलाश में जुट गई है।

बिना अनुमति लगे केबल तार हटाए जाएंगे

रांची : रांची नगर निगम क्षेत्र में कई जगहों पर बिजली के खंभों पर केबल एजेंसियों द्वारा बिना अनुमति के केबल तार और ऑप्टिकल फाइबर केबल लगाए गए हैं। इन झूलते तारों की वजह से आवागमन में परेशानी हो रही है और सड़क दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। इसी को देखते हुए रांची नगर निगम ने सभी केबल ऑपरेटरों और केबल एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे बिजली के खंभों पर लगाए गए अपने तारों से संबंधित सक्षम प्राधिकार से प्राप्त अनुमति के सभी वैध दस्तावेज 7 दिनों के भीतर निगम कार्यालय में जमा करें। नगर निगम ने साफ कहा है कि यदि तय समय के अंदर वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, तो निगम द्वारा बिजली के खंभों पर लगे तार और केबल हटाकर जब्त कर लिए जाएंगे। इस कार्रवाई की पूरी जिम्मेदारी संबंधित केबल एजेंसी के मालिकों की होगी। नगर निगम ने सभी केबल एजेंसियों से अपील की है कि वे समय रहते नियमों का पालन करें, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रांची क्लब ने करीब तीन दशक बाद किया आयकर का भुगतान

रांची : रांची क्लब ने करीब तीन दशक बाद आयकर का भुगतान किया है। पटना हाईकोर्ट द्वारा वर्ष 1991 में दिये गये फैसले के आलोक में रांची क्लब द्वारा आयकर का भुगतान नहीं किया जाता था। न्यायालय ने उसे रांची क्लब mutuality के दायरे में रखते हुए उसे आयकर से छूट दे दी थी। न्यायालय के फैसले के आलोक में क्लब द्वारा आयकर का भुगतान नहीं किया जाता था। सूत्रों के अनुसार रांची क्लब ने पिछले वित्तीय वर्ष के लिए करीब एक करोड़ रुपये की आमदनी से संबंधित आयकर रिटर्न दाखिल किया है। साथ ही इस आमदनी पर टैक्स की रकम अदा की है। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने रांची क्लब से टैक्स जमा कराने के लिए NUDGE का सहारा लिया। इस प्रक्रिया के तहत बिना किसी कठोर कार्रवाई के तथ्यों और नियमों के आधार पर क्लब को अपनी आमदनी पर आयकर देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही कानूनी प्रावधानों का हलावा देकर यह बताया गया कि क्लब के सदस्यों द्वारा दी जाने वाली राशि के अलावा क्लब को होने वाली दूसरी आमदीन पर आयकर देय है।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र द्वारा नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर द्वारा बुधवार को को रांची स्थित गागी बस्ती में नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कुल 204 लोगों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। स्वास्थ्य शिविर के दौरान विशेष रूप से हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन सहित अन्य सामान्य एवं गंभीर बीमारियों की नि:शुल्क जांच की गई। साथ ही जांच के उपरांत सभी लाभार्थियों को नि:शुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. भरत सिंह (सीएमओ इंचार्ज, गांधीनगर), डॉ. प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज), डॉ. अनिता होरो, डॉ. दीपाली, डॉ. रजनी कुजूर, डॉ. अम्बरीश, डॉ. वीणा, श्री मुन्ना कुमार सिंह एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। स्थानीय लोगों ने सीसीएल की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को राज्यकर्मी का दर्जा दिए बिना समृद्ध झारखंड की कल्पना अधूरी : जेपी पांडेय

रांची : झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश (जेपी) पांडेय ने कहा है कि आंगनवाड़ी सेविका–सहायिकाओं को राज्यकर्मी का दर्जा दिए बिना झारखंड को विकसित और समृद्ध राज्य बनाना केवल कल्पना है। उन्होंने यह टिप्पणी बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से की। जेपी पांडेय ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें झारखंड को वर्ष 2050 तक समृद्ध बनाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में आज भी कुपोषण एक गंभीर समस्या बना हुआ है और गांव-गांव में बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं की देखभाल करने वाली आंगनवाड़ी सेविका–सहायिकाएं स्वयं अल्प मानदेय और अनियमित भुगतान के कारण आर्थिक संकट से जूझ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई आंगनवाड़ी केंद्रों में महीनों से राशन और पोषाहार की आपूर्ति बाधित है, जिससे योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसके साथ ही सेविका–सहायिकाओं का मानदेय, भत्ता और अन्य बकाया भुगतान भी लंबे समय से लंबित है। जेपी पांडेय ने कहा कि मजबूत मानव संसाधन के बिना किसी भी राज्य का सतत विकास संभव नहीं है। यदि सरकार वास्तव में कुपोषण मुक्त और विकसित झारखंड बनाना चाहती है, तो आंगनबाड़ी कर्मियों की स्थिति में सुधार अनिवार्य है। उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी बकाया भुगतान तत्काल किए जाएं, आंगनबाड़ी सेविका–सहायिकाओं को राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए तथा उन्हें सम्मानजनक पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएं।

सरला बिरला विश्वविद्यालय ने जीता वृधी फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय ने एनआईटी राउरकेला द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वृधी फुटबॉल टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट के मुकाबलों में विश्वविद्यालय की टीम ने निरंतर बेहतरीन खेल का परिचय दिया। प्रतियोगिता के पहले मैच में अरका जैन विश्वविद्यालय को विवि की टीम ने दो गोल से हराया था, जबकि दूसरे मुकाबले में सीवी रमन विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और तीसरे मैच में ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के विरुद्ध मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। सेमीफाइनल में एसबीयू की टीम ने जीआईईटी विश्वविद्यालय को दो गोल से परास्त कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में टीम ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए सीवी रमन विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर को दो गोल से पराजित करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। विवि टीम की इस उपलब्धि पर एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान,महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने टीम के कोच गौरव दास, वरिष्ठ प्रशिक्षकों सुभाष शाहदेव और राहुल रंजन तथा समस्त टीम को बधाई संदेश प्रेषित किया है।

सरना चौक पर विधायक ने किया घेराबंदी कार्य का शिलान्यास

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार के दिन संध्या में कल्याण विभाग, झारखंड सरकार द्वारा प्रदत्त पिस्का में सरना स्थल की घेराबंदी का शिलान्यास सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो की उपस्थिति में रोहिणी देवी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिल्ली विधायक ने उपस्थित लोगों से कहा कि सरना स्थल की घेराबंदी की मांग काफी दिनों से की जा रही थी जिसको आज पूरा किया गया। पूरे विधानसभा में विकास की गति में तेजी लाया जाएगा जिससे ग्रामीण लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि कार्य की पारदर्शिता को देखते रहें और सहयोग करें। उन्होंने मौके पर संवेदक को गुणवत्तापूर्वक कार्य करने और समय सीमा के अंदर कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य (पूर्वी) लक्ष्मी देवी,पिस्का पंचायत मुखिया सोमरा माझी, डॉ अखिल महतो, समीर ठाकुर, रामाकांत बेदिया एवं जनार्दन बेदिया समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

केंद्र सरकार मनरेगा को कमजोर करने की साजिश कर रही है : राजीव रंजन प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी कि राजनीतिक मामलों की समिति की प्रथम बैठक कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक की अध्यक्षता में झुमरी तिलैया स्थित साहू धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक का संचालन नगर अध्यक्ष संजय सेठ ने किया। बैठक में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर व्यापक चर्चा हुई और पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को मजबूती से चुनाव में सहयोग करने पर सहमति बनी। साथ ही राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक प्रत्येक माह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मनरेगा बचाओ संग्राम को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए यह तय किया गया कि केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ

सभी प्रखंडों, पंचायतों और मंडलों में धरना-प्रदर्शन एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मनरेगा मजदूरों के हक, मजदूरी भुगतान, काम के दिनों में कटौती और बजट में कमी जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस सड़क से लेकर पंचायत तक आंदोलन करेगी। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं कोडरमा कांग्रेस प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा को कमजोर करने की साजिश कर रही है। मजदूरों की मजदूरी समय पर नहीं मिल रही, काम के दिन घटाए जा रहे हैं और बजट में कटौती कर गरीबों की आजीविका पर हमला किया जा रहा है। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करेगी। वहीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने केंद्र सरकार पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां गरीब, किसान और मजदूर विरोधी हैं। मनरेगा देश के करोड़ों मजदूरों के लिए जीवनरेखा है, लेकिन केंद्र सरकार इसे खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। कांग्रेस पार्टी मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए निर्णायक आंदोलन छेड़ेगी और हर प्रखंड में धरना देकर सरकार को जवाब देगी। बैठक को पूर्व जिला अध्यक्ष निर्मल कुमार ओझा, प्रदेश सचिव ईश्वर आनंद, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद यादव, जिप सदस्य लक्ष्मण यादव, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय सिंह यादव, मनोज सहाय उर्फ पिंकू, पूर्व जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, फैयाज अब्बू, केसर, संजय दास, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष बेबी सिन्हा, अनुसूचित विभाग जिला अध्यक्ष दशरथ पासवान, संजय शर्मा सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। बैठक में विभिन्न प्रखंडों से आए कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष संजय सेठ ने किया।

मनरेगा बचाओ संग्राम एक दिवसीय धरना कार्यक्रम

सतगावां 27 जनवरी, मरकच्चो 28 जनवरी, डोमचांच 29 जनवरी, चंदवारा 31 जनवरी, कोडरमा 2 फरवरी, जयनगर 3 फरवरी निर्धारित है, कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक मनरेगा मजदूरों को उनका अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

एक नजर

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी बैठक आहूत

कोडरमा : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आगमन तैयारी को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति कोडरमा के तत्वाधान में आगामी दिनांक- 22.01.2026 गुरुवार को समय 12:00 बजे लख्खीबागी सरना स्थल में बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें मुख्य रूप से केंद्रीय समिति सदस्य, पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य, जिला के सभी पदाधिकारी गण, पूर्व जिला पदाधिकारी गण, प्रखंड अध्यक्ष, सचिव, वर्ग संगठन के सभी युवा मोर्चा, छात्र मोर्चा महिला मोर्चा, बुद्धिजीवी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, व्यवसाय मोर्चा, खेल मोर्चा के सभी अध्यक्ष, सचिव बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे। यह जानकारी झामुमो कोडरमा जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने दी।

आरओबी निर्माण के लिए दूसरे दिन भी हुई मापी

साहिबगंज: रेलवे रैक लोडिंग आंदोलन का साफ असर देखने को मिल रहा है। पूर्वी रेलवे फाटक, पश्चिम रेलवे फाटक समीप ओवरब्रिज निर्माण को लेकर दूसरे दिन रेलवे और जिला प्रशासन नगर परिषद की टीम ने शहर के सब्जी मंडी स्थित आदित्य विजन मॉल समीप से मापी कार्य शुरू किया। रेलवे अपना दिवाल से बीच रोड तक छोड़कर उसके बाद मापी कर रही है। बीच रोड से मापी हो रहा है। जिससे आगे वाला घर के साथ साथ पीछे वाला गली के घर तक मापी हो रहा है। आज बादशाह चौक ओर गोराबाड़ी हटिया तरफ मापी कार्य किया गया।

नवनिर्मित गोपनीय कार्यालय भवन का हुआ उद्घाटन

सिमडेगा : झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्मित पुलिस अधीक्षक के नवनिर्मित गोपनीय कार्यालय भवन का भव्य उद्घाटन आज की शाम पुलिस अधीक्षक आवास परिसर में किया गया। उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार सिन्हा, उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. राव खोटरे ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण एवं फीता काटकर किया। उद्घाटन के पश्चात अतिथियों ने भवन का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने भवन को पुलिस प्रशासन की कार्यक्षमता, गोपनीयता एवं सुचारू संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरीय पुलिस पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह 2026 अंतर्गत सड़क सुरक्षा प्रभात फेरी का हुआ आयोजन

सिमडेगा : दिनांक 21 जनवरी 2026 को सिमडेगा में सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना और सुरक्षित वाहन चलाने की आदतों को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर स्लोगन जैसे: नशे में गाड़ी चलाओगे, जेल का हवा खाओगे आज यातायात नियम अपनाओगे, कल सुरक्षित भविष्य पाओगे कदम बढ़ाएं, हाथ मिलाएं, झारखंड को सुरक्षित राज्य बनाएं का प्रयोग कर जनता को संदेश दिया गया। प्रभात फेरी अल्बर्ट एक्का खेल मैदान से शुरू होकर झूलन सिंह चौक, नीचे बाजार, पेट्रोल पंप होते हुए वापस अल्बर्ट एक्का खेल मैदान तक आयोजित की गई। इस प्रभात फेरी को जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि सतर्कता ही सड़क सुरक्षा है, और इसे जन-जन तक पहुंचाना परिवहन विभाग का प्रमुख लक्ष्य है।

सरस्वती पूजा को लेकर डोमचांच थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक डोमचांच अंचल निरीक्षक के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से मौजूद जिला बीस सूत्री अध्यक्ष लीलावती मेहता समेत प्रखंड के सभी समाजसेवी गणमान्य के साथ सरस्वती पूजा समिति व डीजे संचालक एवं सदस्य के साथ अल्पसंख्यक समाज के लोग मौजूद थे। शांति समिति बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी थाना प्रभारी अभिमन्यु पडीहारी ने पूजा समिति के सदस्यों को कहा कि पूजा में किसी भी तरह का भड़काऊ गाना किसी हाल में नहीं बजेगा, जिससे किसी धर्म के लोग के आस्था पर चोट पहुंचे व क्षेत्र में बाधा उत्पन्न हो, साथ ही पंडाल के सामने सीसी, टीवी कैमरा लगाने का निर्देश लगाने का निर्देश दिया गया। वही सरस्वती पूजा के विभिन्न समिति से आए हुए लोगो से भी

कहा कि आप सभी शांति पूर्वक तरीके से पूजा को मनाएं तथा आसपास के लोगों का विशेष रूप से ध्यान रखें ताकि अधिक ध्वनि के साथ गाना ना बजे तथा प्रखण्ड के जितने भी डीजे समिति है सभी एक दूसरे का सहयोग करें ताकि त्यौहार को शांति पूर्वक उत्सव के साथ मिल जुल कर मनाया जाए। अगर किसी तरह की कोई परेशानी आती है तो जरूर पुलिस प्रशासन को सूचना करे। मौके पर भारत नारायण मेहता, राम सुरेश यादव, अशोक यादव, बसंत मेहता, सुजीत मेहता, सलीम अंसारी, हाजी मुस्लिम, बलराम भारती, रामदेव पासवान, शकील मियां, अमरदीप कुमार,आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की उपायुक्त ने की विस्तृत समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने स्टेडियम पहुंचकर परेड रिहर्सल का निरीक्षण किया, जिसमें परेड में तालमेल, सुव्यवस्था तथा कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय बनाने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त महोदया ने 26 जनवरी के मुख्य समारोह को लेकर स्टेडियम के समग्र सौंदर्यीकरण, रंग-रोगन, बैरिकेडिंग एवं साउंड सिस्टम, राष्ट्रगान एवं आवश्यक साज-सज्जा कार्य समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम जनता के लिए पर्याप्त एवं सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था, पार्किंग सुविधा, वीआईपी

अतिथियों के लिए अलग एवं सुरक्षित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था, अतिरिक्त पानी टैंकर की उपलब्धता तथा स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को सतर्क रहने तथा समन्वय के साथ कार्य करने को कहा, ताकि समारोह शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को सुरक्षा के आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीकांत सुरेश राव खोटरे, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी, नजारत उप समाहर्ता-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल मुकेश कुमार, डीएसपी रनवीर सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजू उरांव, अंचलाधिकारी सदर मो. इम्तियाज सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

बच्चों के अपहरण-हत्या और बढ़ते अपराध के खिलाफ भाजपा का विरोध प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

कोडरमा : जिला भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के नेतृत्व में कोडरमा नगर बजरंगबली मंदिर चौक से एसपी कार्यालय तक जोरदार विरोध मार्च निकाला गया। यह मार्च चंदवारा निवासी दर्शिल, झुमरी तिलैया के कर्ण कुमार, मार्कच्चो के बीरहोर कॉलोनीएवं मरकच्चो और जयनगर क्षेत्र में मासूम बच्चे की हत्या समेत जिले में लगातार बढ़ रहे चोरी की घटना और अपराधों के विरोध में किया गया। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने झारखंड सरकार हाय हाय, झारखंड सरकार मुदार्बाद, पुलिस प्रशासन मुदार्बाद जैसे नारों से सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। एसपी कार्यालय पहुंचकर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्यालय का घेराव किया। सभा को संबोधित

करते हुए जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि कोडरमा जिला में अपराध बेलगाम हो चुके हैं। मासूम बच्चों की अपहरण और हत्या, चोरी जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। अगर जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो भाजपा आंदोलन को और तेज करेगी। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि मोदी ने कहा कि झारखंड सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। आम जनता की सुरक्षा करने में सरकार नाकाम है। राज्य में अपराध, भ्रष्टाचार और अराजकता चरम पर है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितीश चंद्रवंशी ने कहा कि पुलिस प्रशासन राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, जिससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की। पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि भाजपा हमेशा जनता की आवाज उठाती रही है और आगे भी अन्याय के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम को जिला परिषद सदस्य केदार यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, देवनारायण मोदी, जिला महामंत्री विजय यादव, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष मोदी, महेंद्र वर्मा, पंकज वर्णवाल, सुषमा सुमन, सुजीत मेहता, उमेश वर्मा आदि ने भी सम्बोधित किया।

डीसी की अध्यक्षता में समन्वय समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति (विकास) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आपसी समन्वय के माध्यम से उनके प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना रहा। बैठक में उपायुक्त महोदया ने कहा कि जनहित से जुड़ी सभी योजनाओं और कार्यक्रमों को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय, पारदर्शिता और नियमित संवाद से ही योजनाओं का वास्तविक लाभ आम जनता तक पहुंच सकता है। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास योजनाओं, जनसुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं और विशेष अभियानों की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए समय-समय पर अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। बैठक में वन प्रमंडल, भवन निर्माण, पेयजल एवं स्वच्छता, आपूर्ति, कृषि, सहकारिता, राजस्व, पशुपालन, जल छाजन, ग्रामीण विकास, कल्याण विभाग, परियोजना निदेशक आईटीडीए, पंचायती राज, आरईओ सहित अन्य विभागों से संबंधित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि विभागीय समन्वय के अभाव में योजनाओं में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी विभागीय पदाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजनाएं समय पर धरातल पर उतरें ताकि लक्षित वर्ग को ससमय लाभ मिल सके। वन प्रमंडल विभाग की समीक्षा के दौरान पथ निर्माण विभाग एवं आरईओ विभाग अंतर्गत लंबित फॉरेस्ट क्लीयरेंस से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

मारवाड़ी बैडमिंटन प्रीमियर लीग का भव्य समापन, 42वां स्थापना दिवस भी मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित मारवाड़ी बैडमिंटन प्रीमियर लीग का आयोजन 18 से 20 जनवरी तक अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। तीन दिनों तक चले इस भव्य टूर्नामेंट में कुल 75 रोमांचक मुकाबले खेले गए तथा प्रतियोगिता 12 विभिन्न श्रेणियों में आयोजित की गई। 20 जनवरी को फाइनल मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में दिगंबर जैन समाज, श्वेतांबर जैन

समाज, माहेश्वरी समाज, ब्राह्मण समाज, अग्रवाल समाज, मारवाड़ी युवा मंच एवं प्रेरणा शाखा के अनेक पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जैन समाज के उपमंत्री नरेंद्र झांझरी, सह मंत्री राज छाबड़ा, अग्रवाल समाज के मंत्री संजीव खेतान, श्वेतांबर जैन समाज के मंत्री रितेश दुग्गड़, ब्राह्मण समाज के मंत्री धीरज जोशी, माहेश्वरी समाज के मंत्री राकेश सोमानी, मारवाड़ी युवा मंच मंडल-1 की सहायक मंत्री श्रेया केडिया, युवा भवन संयोजक राज पचिसिया, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष राहुल छाबड़ा, मंत्री अंकित केडिया, कोषाध्यक्ष राहुल चौधरी, पूर्व अध्यक्ष रितेश दुग्गड़, सीए प्रदीप हिसारिया, प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंच के सदस्य विकाश जैन, चंद्रशेखर जोशी, अरविंद चौधरी, संजय ठोलिया, अभिषेक सिंघल, अतुल खेतान, नमन जैन, सिद्धार्थ झांझरी, प्रतीक संघई, महावीर खेतान के साथ समाज के विकी जैन, दीपक सिंघानिया, प्रदीप जैन, रश्मि छाबड़ा, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। टूर्नामेंट के टाइटल स्पॉन्सर फिटनेस स्कूल एक्सप्रेस परिवार रहे, जिनका सहयोग मूलचंद जैन, सुशील कुमार जैन, सुमित कुमार जैन (छाबड़ा परिवार) द्वारा प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन ऋषभ पहाड़िया द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स के रूप में रौनक काशलीवाल, आकाश गंगवाल, अंकित खेतान, अक्षय गंगवाल, प्रतीक पंड्या, कुशल अग्रवाल, ऋषभ पहाड़िया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

विधायक भुषण बाड़ा ने शीर्ष नेताओं से मिलकर संगठन व विकास पर की अहम चर्चा

सिमडेगा : नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में सिमडेगा जिले के विधायक भुषण बाड़ा एवं कोलेबीरा के माननीय विधायक विकसल कोंगाड़ी ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर झारखंड में संगठन की मजबूती, विकास कार्यों की प्रगति तथा बूथ स्तर पर पार्टी को और सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रही। बैठक के दौरान सिमडेगा जिले में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संगठनात्मक ढांचे को जमीनी स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। विधायक भुषण बाड़ा ने सिमडेगा की जनता की समस्याओं, आकांक्षाओं और विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं को मजबूती से नेताओं के समक्ष रखा। उनके स्पष्ट दृष्टिकोण, जमीनी पकड़ और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता की बैठक में मौजूद नेताओं ने सराहना की। भुषण बाड़ा लगातार सिमडेगा की आवाज को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली तरीके से उठाते रहे हैं। चाहे स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार या ग्रामीण विकास का मुद्दा हो उनकी सक्रियता और संवेदनशील नेतृत्व ने सिमडेगा को एक नई पहचान दिलाई है। दिल्ली में हुई यह बैठक सिमडेगा सहित पूरे झारखंड में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा देने वाली साबित होगी। संगठनात्मक मजबूती और विकास के समन्वय से आने वाले समय में सिमडेगा जिले को और अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

गंभीर मरीजों को समय पर मिला बेहतर इलाज समाजसेवियों व जनप्रतिनिधियों की पहल से बची जान

कुरडेग : प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ईलाज के लिए पहुंचे टीवी सीरियस मरीजों की हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल बेहतर उपचार के लिए कुरडेग से रेफर कर सदर अस्पताल, सिमडेगा भेजा गया। मरीजों की नाजुक स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई, जिससे समय पर उचित इलाज संभव हो

सका। इस मानवीय कार्य में कुरडेग अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष जिशान फिरदोश, इंडियन यूथ कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष तौफीक अख्तर, कुरडेग मीडिया प्रभारी शमीम अंसारी एवं उनके साथियों की अहम भूमिका रही। सभी ने मिलकर मरीजों को सुरक्षित रूप से अस्पताल तक पहुंचाने और इलाज की व्यवस्था कराने में सक्रिय सहयोग किया। वहीं इस मामले में क्षेत्रीय विधायक भूषण बड़ा द्वारा भी त्वरित संज्ञान लिया गया। विधायक भूषण बड़ा जी के हस्तक्षेप से सदर अस्पताल, सिमडेगा में मरीजों के बेहतर इलाज के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई, जिससे मरीजों को समय पर समुचित चिकित्सा सुविधा मिल सकी।

राजकीय पॉलिटेक्निक में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा के प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में सरकार द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान परिसर में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें संस्थान के छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा के व्याख्याता सह एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट संतोष कुमार द्वारा स्वागत भाषण से हुई। इसके पश्चात जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात अनुशासन तथा वाहन चलाते समय जीवन सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य समाज में, विशेषकर युवाओं के बीच, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। इसके बाद संस्थान के प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार एवं मोटरयान निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। समापन भाषण में प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने सड़क सुरक्षा से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्थान प्रशासन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम को और अधिक रोचक एवं प्रेरणादायक बनाने हेतु प्रशासनिक अधिकारियों एवं राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा के छात्रों के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच का शुभारंभ जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी द्वारा टॉस कराकर किया गया। छात्र टीम की कप्तानी शिवम कुमार तथा प्रशासनिक टीम की कप्तानी प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने की। दोनों टीमों के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा की छात्र टीम विजेता रही, जबकि प्रशासनिक टीम उपविजेता बनी।

स्टार एल्यूमिनी प्रोग्राम का हुआ आयोजन

कोडरमा : मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, जे० आई० टी० एम० स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड मेगा स्किल सेंटर, कोडरमा में स्टार एल्यूमिनी प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्टार एल्यूमिनी शिवानी कुमारी उपस्थित थे, इनके द्वारा झारखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जीवन में बदलाव आने व उसके संबंध में संस्था के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राओं को स्टार एल्यूमिनी द्वारा रोजगार के लिए प्रेरित किया गया, इनके द्वारा बताया गया कि हम लोग कैसे यहां से पढ़ाई करके निकले और अपने जीवन में सफल हुए स्टार एल्यूमिनी कल्पना ने बताया कि मैं अभी Home Healthcare, Ranchi supervisor के पद पर कार्यरत हूं। इसके एवज में संस्था की ओर से मेरी सैलरी 15000/- है इससे मैं अपने परिवार की मदद कर पा रही हूं और अपने परिवार के सपने को पूरा कर पा रही हूं। इस आयोजन को सफल बनाने में जे० आई० टी० एम० स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड के केंद्र प्रबंधक रविन्द्र कुमार , शहबाज, ट्रेनर कौशर परवीन, लीली वायलेट दस, अरुण कुमार एवम सभी स्टाफ और मैनेजमेंट टीम ने अपना योगदान दिया. इस तरह का आयोजन करने के लिए झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा प्रेरित किया जा रहा है जिससे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं छात्राओं का प्लेसमेंट और बेहतर हो सके।

साइबर अपराधियों ने महिलाओं के नाम पर खाता खोलकर ठगे 46 लाख, दो गिरफ्तार

अपने ही ससुराल की महिलाओं को बनाया साइबर फ्रॉड का माध्यम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : इन दिनों रामगढ़ जिले में साइबर अपराध के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। जिले में साइबर अपराधी अपने ही रिश्तेदारों के नाम का इस्तेमाल कर लाखों रुपये का फ्रॉड कर रहे हैं। रामगढ़ एसपी अजय कुमार और साइबर सेल की सक्रियता से ऐसे ही एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। रामगढ़ शहर के नईसराय बस्ती निवासी मो सरफराज उर्फ सोनू और रजरप्पा थाने के जरियो गांव निवासी अबू तालिब उर्फ अबू कलाम को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को इस मामले की जानकारी देते हुए एसपी अजय कुमार ने बताया कि

दोनों ही साइबर अपराधी 30 साल से कम उम्र के हैं। दोनों ने अपने ही ससुराल की चार महिलाओं (रिश्ते में सरहज) के नाम पर बैंक खाता खुलवाया और मात्र एक महीने में 46 लाख रुपए साइबर फ्रॉड किया। एसपी ने बताया कि अबू तालिब का ससुराल कुजू ओपी क्षेत्र के करमा जमुआ गांव में है। उसकी पत्नी की चार भाभी गांव में रहती हैं। अबू तालिब ने अपनी सभी सरहजों (रिश्ते में भाभी) को सरकारी योजना का लाभ दिलाने का झांसा दिया। उन लोगों से उसने आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज लिए। उस आधार पर उसने इंडियन ओवरसीज बैंक की मरार शाखा में खाता खुलवाया। उन लोगों के नाम से उसने सिम कार्ड भी निकलवाए और उस नंबर का इस्तेमाल खुद ही करता था। 9 दिसंबर 2025 को खाता खोलने के बाद ही उसमें अनजान जगह से फ्रॉड किए गए पैसे का ट्रांजैक्शन शुरू हो गया। एसपी ने बताया कि चारों महिलाओं के नाम से खुले खाते में असम और कर्नाटक राज्य से साइबर ठगी कर 46 लाख 23 हजार 901 रुपए मंगाए गए। मामले का भंडाफोड़ तब हुआ जब कर्नाटक और असम में ठगे गए लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जब खाताधारकों के बारे में बैंक से पूछा, तो उन महिलाओं को अपने नंदोई की ओर से ही ठगे जाने की खबर मिली। कुजू ओपी के जमुआ गांव से पुलिस के पास पहुंची रूबी खातून ने ठगी की शिकायत भी दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि अबू तालिब और सरफराज ने उसके और उसके तीन गोतनी के नाम से इंडियन ओवरसीज बैंक में खाता खुलवाया। जिओ कंपनी का सिम लेकर अबू तालिब और सरफराज उर्फ सोनू गिरोह बनाकर लोगों से ठगी कर रहे हैं।

एक नजर

बीईईओ स्थानांतरण पर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

पटमदा : पटमदा-बोड़ाम के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रभाकर कुमार के राँची जिले में स्थानांतरण होने के कारण आज पटमदा के नए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के रूप में कुमारी अनिता सिन्हा ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा परिवार पटमदा-बोड़ाम ने दोनों ही पदाधिकारियों के सम्मान में एक भव्य विदाई सह- अभिनंदन समारोह आयोजित की। समारोह के प्रारंभ में मध्य विद्यालय पटमदा के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरबिन्द कुमार कुईला ने अपने स्वागत सम्बोधन में निवर्तमान प्र.शि.प्र.प. प्रभाकर कुमार जी के कार्यकुशलता की प्रसंशा करते हुए उनका हार्दिक आभार प्रकट करते हुए नव-पदस्थापित प्र.शि.प्र.प. कुमारी अनिता सिन्हा का अभिनंदन किया।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

कुजू : सरस्वती पूजा को लेकर कुजू ओपी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गस्त की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक में मौजूद सदस्यों ने ओपी प्रभारी को शांति व्यवस्था में सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में पुलिस अनि अरविंद कुमार सिंह, अमर सिंह, इंद्र प्रसाद गुप्ता, शिवकुमार प्रसाद, प्रेम प्रसाद, प्रदीप गुप्ता, सुनीता देवी, हाजी अफजल हुसैन, इंद्र मोहन शर्मा, दिवाकर गिरी, अब्दुल अजीज, गणेश सोनी, किशन कुमार ठाकुर, अजमत हुसैन, मो हैदर अली, मो. शमशाद, गुलाम नबी, राम सहाय बेदिया सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत ईचागढ़ प्रखंड के विक्रमादित्य प्लस टू उच्च विद्यालय ईचागढ़ में विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के अंत में शैक्षणिक सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। बच्चों को सड़क सुरक्षा को लेकर सपथ दिलाई गई। वहीं गौरांगकोचा मोड़ पर सवारी वाहनों ,दो पहिया वाहनों की सघन जांच की गई। वहीं बिना हेलमेट वाहन चला रहे व्यक्तियों को रोककर उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर नियमानुसार जुमार्ना अधिरोपित करते हुए उन्हें हेलमेट भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों एवं विद्यार्थियों को जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो एवं बीडीओ एकता वर्मा ने यह संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि यह जीवन रक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम भी है। मौके पर प्राचार्य रामचन्द्र प्रधान, टिंकू रजक, शिक्षक, जिला परिवहन विभाग के पदाधिकारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सरस्वती पूजा को लेकर सरिया थाना में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : आगामी सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को सरिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी ललितनारायण तिवारी व संचालन इंस्पेक्टर अजय कुमार ने की। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न पूजा समितियों के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पंडालों की निगरानी, प्रतिमा विसर्जन तथा डीजे पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ ललितनारायण तिवारी ने स्पष्ट किया कि अश्लील गानों और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग या अशांति फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।पूजा पंडाल सुरक्षा,

अग्निशमन व्यवस्था, बिजली के सुरक्षित उपयोग तथा स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन की ओर से संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और गश्त बढ़ाने की बात कही गई। शांति समिति के सदस्यों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए आपसी भाईचारे के साथ सरस्वती पूजा मनाने की अपील की। बैठक में एस आई योगेश महतो, सबिता महतो, बबलू मंडल, मुरलीमनोहर मंडल, कृष्णमुरारी पाण्डेय, गयासुद्दीन अंसारी, रफीक अंसारी, अशोक मंडल, हेमलाल महतो, महादेव सिंह, पीर मोहम्मद समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

काश्मार पंचायत में पशुपालन विभाग की बछिया प्रदर्शनी

पटमदा : कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के निर्देश पर जिला पशुपालन पदाधिकारी पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर द्वारा पटमदा प्रखंड के काशमार पंचायत भवन परिसर में बछिया प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बछिया प्रदर्शनी में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पशुपालकों के द्वारा पशुपालन विभाग द्वारा

संचालित महत्वकांक्षी योजना कृत्रिम गभार्धान से उत्पन्न उन्नत नस्ल की बछिया को निर्णायक मंडली के द्वारा चयनित किया किया। मेला में दर्जनों पशुपालकों के द्वारा पंजीयन करवाया गया था। जिसमें से सात किसानों को संस्वना पुरस्कार दिया गया। वही तीन पशुपालक प्रथम विधान कुंभकार साजदा, द्वितीय चंचल कुंभकार साजदा ,तृतीय स्वपन तिवारी काशमार को प्रशस्ति पत्र,मोमेंटो ओर गाय को घुंघरू पहनाकर पुरस्कृत किया गया। वही अन्य किसानों को टॉनिक और मिनरल पाउडर दिया गया। प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कश्मार पंचायत की मुखिया लक्ष्मी सिंह ने कहा कि पशुपालन विभाग का ये बड़ा पहल है। पंचायत वासियों को भी की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

भानसिंह पूजा उपलक्ष्य में हुडुम्बिल में हुआ पूजा अर्चना

पटमदा : पटमदा प्रखंड के बनकुचिया के हुड़ुम्बिल गांव ऊपर पाड़ा में गांव की सुख शांति और समृद्धि के लिए भानसिंह पूजा किया गया।इस दौरान कमिटी के द्वारा मेला का आयोजन किया गया। गांव के आनंद महतो ने बताया कि इस वर्ष भी मेला का आयोजन कर सांस्कृतिक की रक्षा के साथ परम्परा को कायम रखने का प्रयास है। मेला कमिटी में मुख्य रूप से आनंदमय महतो,रंजीत महतो, निर्मल सिंह, फटीक, निर्मल प्रामाणिक, सुनील कर्मकार, पवन प्रामाणिक, बहादुर महतो सहित सभी ग्रामीण ओर दर्शक उपस्थित थे। वही दूसरी तरफ पटमदा के हुड़ुम्बिल भानसिंह मेला कमिटी नामोपाड़ा द्वारा एक दिवसीय टुसू मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान टुसू में प्रथम पुरस्कार सबर समिति मोहनपुर द्वितीय बारीकुल बाँकुड़ा,तृतीय माँझ भालू को पुरस्कृत किया गया। कमेटी में मुख्य रूप से प्रदीप महतो, परीक्षित, सुधीर साहेबराम गोप, महादेव, सुकदेव, प्रभाकर, स्वपन, बृहस्पति सहित काफी में ग्रामीण उपस्थित थे।

सरायकेला-खरसावां जिले में सीज बालू की ऑनलाइन नीलामी से ऐतिहासिक पहल

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले में प्रशासनिक पारदर्शिता, तकनीक आधारित शासन एवं राजस्व संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में झारखंड राज्य में पहली बार सीज (जप्त) बालू की ऑनलाइन नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। उक्त नीलामी सरायकेलाझ्खरसावां जिला प्रशासन द्वारा विधिसम्मत एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत कुल लगभग 12 लाख घन फीट सीज बालू की ऑनलाइन नीलामी की गई। नीलामी हेतु आधार मूल्य ?1.72 करोड़ निर्धारित किया गया था, जबकि प्रतिस्पर्धात्मक ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अंतिम नीलामी मूल्य ?2.30 करोड़ प्राप्त हुआ। इस प्रकार, जिला प्रशासन के प्रयासों से राज्य को अपेक्षा से अधिक राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित हुई, जो जिले एवं राज्य दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय उपलब्धि है। इस संबंध में उपायुक्त, सरायकेलाझ्खरसावां नितिश कुमार सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जब्त खनिज संसाधनों के निपटान हेतु ऑनलाइन नीलामी जैसी पारदर्शी एवं तकनीक आधारित प्रणाली को अपनाया जाना सुशासन की दिशा में एक प्रभावी कदम है। उन्होंने कहा कि इससे एक ओर अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित होता है, वहीं दूसरी ओर राज्य के लिए अतिरिक्त एवं वैध राजस्व स्रोत भी सृजित होता है।

अवैध शराब के विरुद्ध चांडिल क्षेत्र में चलाया गया सघन छापेमारी अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : उपायुक्त, सरायकेला खरसावां नितीश कुमार सिंह द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु दिए गए स्पष्ट एवं सख्त निदेशों के आलोक में आज दिनांक 21 जनवरी, 2026 को अधीक्षक उत्पाद क्षितिज मिंज के नेतृत्व में चांडिल अनुमंडल अंतर्गत विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया। अभियान के क्रम में चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत भाडूडीह के समीप हमसदा, जड़ियाडीह एवं खोखरोडीह ग्राम में संचालित कुल चार अवैध महुआ शराब भट्टियों (अड्डों) पर औचक छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान लगभग 1100 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही विधिसम्मत रूप से विनष्ट किया गया, जबकि भट्टियों से कुल 50 लीटर तैयार चुलाई शराब जब्त की गई। इस संबंध में संबंधित अवैध शराब अड्डा संचालकों के विरुद्ध

झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला प्रशासन अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिचालन के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति के तहत कार्य कर रहा है तथा इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध किसी भी स्थिति में रियायत नहीं दी जाएगी। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को संवेदनशील एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखते हुए नियमित एवं औचक छापेमारी अभियान जारी रखने के निर्देश दिए, ताकि अवैध शराब के संपूर्ण नेटवर्क को प्रभावी रूप से समाप्त किया जा सके।

भुरकुंडा सब्जी मंडी व सार्वजनिक शौचालय का होगा कायाकल्प, विधायक की पहल रंग लाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा, 21 जनवरी 2026 - बड़का-सयाल क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रोशन लाल चौधरी की जन-सरोकारी पहल पर भुरकुंडा बाजार स्थित सब्जी मंडी और सार्वजनिक शौचालय की सूरत बदलने की कवायद शुरू हो गई है। विधायक की अनुशंसा पर संज्ञान लेते हुए बड़का-सयाल क्षेत्र के जीएम अजय कुमार सिंह के आदेशानुसार विभाग के इंजीनियरों की एक टीम ने आज बाजार क्षेत्र का व्यापक दौरा किया। विदित हो कि भुरकुंडा बाजार की सब्जी मंडी में लंबे समय से गंदगी और जलजमाव की समस्या बनी हुई थी। साथ ही सार्वजनिक शौचालय की बदहाली के कारण स्थानीय दुकानदारों और दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। विधायक रोशन लाल चौधरी ने

इस गंभीर समस्या को देखते हुए जीएम से त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया था। निरीक्षण के दौरान इंजीनियरों ने सब्जी मंडी की सफाई व्यवस्था और शौचालय की मरम्मत की योजना तैयार की। विभागीय अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि विधायक की मंशा के अनुरूप बहुत जल्द सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य धरातल पर शुरू कर दिया जाएगा, ताकि आम जनता को स्वच्छ वातावरण मिल सके। इस पहल पर स्थानीय व्यवसायियों और ग्रामीणों ने माननीय विधायक रोशन लाल चौधरी और जीएम अजय कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि विधायक की इस सक्रियता से क्षेत्र की पुरानी समस्याओं का समाधान हो रहा है। मौके पर भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अशोक सोनी, सांसद प्रतिनिधि राकेश सिन्हा, भाजपा नेता ऋषि कुमार, सीसीएल के एसओसी सिविल अभिरूप जी और संदीप लकड़ा मौजूद रहे। विधायक रोशन लाल चौधरी की इस पहल से भुरकुंडा बाजार की सूरत जल्द ही बदल जाएगी, जिससे स्थानीय लोगों को स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–16 वर्ष 2025-2026
दिनांक–20.01.2026

1.	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का नाम	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल हजारीबाग।
3.	परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	:–	दिनांक– 02.02.2026 अपराह्न 05:00 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि	:–	दिनांक– 03.02.2026 अपराह्न 03:00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	दिनांक– 03.02.2026 अपराह्न 04:30 बजे।
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
7.	निविदा प्राप्ति का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
8.	निविदा खोलने का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
9.	कार्य की विस्तृत विवरणी	:–	

क्र.	कार्य का नाम	योजना की संख्या	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की तिथि
1	2	3	4	5	6	7
A	Construction of Drinking Water and Facilities at Anganwari Center of different Blocks of District Hazaribagh under Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribagh for the year 2025 -26 on "TURN KEY BASIS". [Head-SOCIAL WELLFARE Fund]					
1	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-05	41 Nos.	8,50,381/-	17,500/-	1,250/-	One Month
2	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-06	41 Nos.	8,50,381/-	17,500/-	1,250/-	One Month
3	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-07	41 Nos.	8,50,381/-	17,500/-	1,250/-	One Month
4	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-08	41 Nos.	8,50,381/-	17,500/-	1,250/-	One Month
5	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-09	41 Nos.	8,50,381/-	17,500/-	1,250/-	One Month
6	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-10	40 Nos.	8,29,640/-	17,500/-	1,250/-	One Month
7	Group No.- HZB/Anganwari/WSS-11	40 Nos.	8,29,640/-	17,500/-	1,250/-	One Month

निविदा की शर्ते विभागीय वेबसाईट www.daa.jharkhand.gov.in एवं इस कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। इच्छुक एजेंसी परिमाण विपत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर निविदा में भाग ले सकते हैं, परन्तु निविदा जमा करते समय परिमाण विपत्र का निर्धारित मूल्य का बैंक ड्राफ्ट तकनीकी बीड के साथ अनुलग्नित करेंगे, जो कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग के पदनाम से भुगतेय होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,हजारीबाग।

PR 371286 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा
पाण्डेय गणपत राय भवन प्रथम तल्ला, समाहरणालय,
लोहरदगा पिन –835302
E-mail :- ssaloh@rediffmail.com / lohardagassa@gmail.com

आम – सूचना

जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SoE) में नामांकन से संबंधित सूचना :–

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची का पत्रांक ME/01/1183/2023/37 दिनांक 05.01.2026 के आलोक में जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SoE) में शैक्षणिक सत्र 2026–27 में विद्यालवार नामांकन के लिए सुयोग्य छात्र/छात्राओं में निम्नवत् रूप से आवेदन आमंत्रित किया जाता है :–

SL	NAME OF SoE SCHOOL	U-DISE CODE	CLASS WISE STATUS	"AVAILABLE SEATS IN SCHOOL (NEW SESSION)"	Website Address
1	KASTURBA CM SoE GIRLS LOHARDAGA	20150105905	CLASS 6	40	https://kasturbagirlslohardaga.com
			CLASS 7	01	
			CLASS 8	00	
			CLASS 9	00	
			CLASS 10	00	
			CLASS 11	156	
			CLASS 12	00	
2	KGBV CM SoE LOHARDAGA	20150102504	CLASS 6	25	https://www.kgbvlohardaga.com
3	DISTRICT CM SoE NADIA HINDU LOHARDAGA	20150105007	CLASS 6	40	https://govtnadiahinduschool.com
			CLASS 7	00	
			CLASS 8	00	
			CLASS 9	80	
			CLASS 10	00	
			CLASS 11	271	
			CLASS 12	00	

इच्छुक छात्र/छात्राओं तथा उनके अभिभावकों से अनुरोध है कि वे दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 16.02.2026 तक अपना आवेदन ऑनलाईन अथवा ऑफलाईन मोड में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा निर्गत दिशा– निर्देश के अनुरूप कर सकते है। नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के अधिकारिक बेबसाईट – **https:// evidyavahini.jharkhand.gov.in/studentAdmission** के पोर्टल पर वांछित अभिलेखों के साथ किया जा सकेगा। आवेदन संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों से नामांकन प्रपत्र प्राप्त कर ऑफलाईन मोड में भी संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में जमा किया जा सकता है। विस्तृत सूचना एवं आवेदन पत्र प्रारूप जिले के अधिकारिक बेबसाईट **lohardaga.nic.in** पर भी उपलब्ध है। नामांकन हेतु अभिभावकों के जानकारी के लिए सभी विद्यालयों में तथा झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी –सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा।

PR.NO.371330 Lohardaga(25-26):D

श्वेता कुमारी की दर्दनाक मौत: दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के गर्ल हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : साहा बिल्डिंग नियर फॉरेस्ट कॉलोनी झंडा चौक रामगढ़ दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र अत्रिया पावर स्किल सेंटर गर्ल हॉस्टल रामगढ़ में एक छात्रा ने सल्फास नामक जहरीला पदार्थ सेवन कर जान देने की कोशिश की। श्वेता कुमारी नामक छात्रा, जो उरिमारि थाना अंतर्गत चान्हो गांव की रहने वाली थी, 19 जनवरी 2026 को अपने गर्ल हॉस्टल में सल्फास सेवन कर ली थी। श्वेता कुमारी की स्थिति चिंताजनक थी और वह रिम्स में इलाजरत थी, लेकिन बीते रात करीबन आठ बजे रांची रिम्स में श्वेता कुमारी ने आखिरी सांस ली। इस घटना के बाद से सेंटर गर्ल हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई है। बीते हुए दिनांक 19 जनवरी 2026 को दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र अत्रिया पावर स्किल सेंटर गर्ल हॉस्टल रामगढ़ के द्वारा श्वेता कुमारी को सदर अस्पताल ले जाया गया था, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए राँची रिम्स रेफर किया गया था। वहां बीते रात करीबन आठ बजे श्वेता कुमारी ने आखिरी सांस ली। दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र अत्रिया पावर स्किल सेंटर गर्ल हॉस्टल रामगढ़, जो मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत है, वहां सल्फास नामक जहरीला पदार्थ कहां से आया? क्या सेंटर गर्ल हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था में चूक हुई है? दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र अत्रिया पावर स्किल सेंटर गर्ल हॉस्टल रामगढ़ के सिस्टम पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर कैसे एक छात्रा गर्ल हॉस्टल में सल्फास नामक जहरीला पदार्थ ले जा सकती है? क्या गर्ल हॉस्टल में चेकिंग नहीं होती है? क्या सुरक्षा व्यवस्था इतनी अपर्याप्त है? इन सवालों का जवाब अभी तक नहीं मिला है, लेकिन एक बात साफ है कि श्वेता कुमारी के साथ जो हुआ, वह किसी भी छात्रा के साथ नहीं होना चाहिए। श्वेता कुमारी की मौत का जिम्मेवार दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र अत्रिया पावर स्किल सेंटर गर्ल हॉस्टल है। इस घटना ने एक बार फिर से छात्रावासों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर कैसे एक छात्रा गर्ल हॉस्टल में जहरीला पदार्थ ले जा सकती है? क्या गर्ल हॉस्टल में सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है? इस घटना के बाद से श्वेता कुमारी के परिवार वाले सदमे में हैं और वे सरकार और प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र अत्रिया पावर स्किल सेंटर गर्ल हॉस्टल रामगढ़ के अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या इससे श्वेता कुमारी की जान वापस आ जाएगी?

आर्थिक मोर्चे पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ता भारत

दुनिया की अर्थव्यवस्था जब अनिश्चितताओं, राजनीतिक तनावों और सुस्त मांग के दौर से गुजर रही हो, तब भारत की तस्वीर निश्चित ही उत्साह से भर देती है। मजबूत घरेलू मांग, निवेश के प्रति सकारात्मक माहौल, बढ़ता औद्योगिक भरोसा जिसमें कि सुधारों की निरंतरता भी लगातार बनी हुई है, ये सभी कारण आज भारत को आर्थिक मोर्चे पर एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित करते हैं। वस्तुतः भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई का ताजा बिजनेस आउटलुक सर्वे इसी सशक्त और आशाजनक परिदृश्य की पुष्टि कर रहा है। दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल और गतिशील घरेलू बाजार है। देखा जाए तो इस वक्त वैश्विक स्तर पर निर्यात आधारित अर्थव्यवस्थाएं दबाव महसूस कर रही हैं, दूसरी ओर भारत है जहां आंतरिक मांग विकास का मजबूत आधार तैयार करती है। यही कारण है कि भारत में उद्योग जगत का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और कंपनियां भविष्य को लेकर आशावादी नजर आती हैं। इसीलिए ही इस वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में सीआईआई का बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स बढ़कर 66.5 पर जा पहुंचा है। यह पिछले पांच तिमाहियों का उच्चतम स्तर है।

यहां उल्लेखित कर दें कि किसी भी सूचकांक में 50 से ऊपर का आंकड़ा इस दिशा में सकारात्मकता का संकेत है। ऐसे में 66.5 का स्तर इतना बताने के लिए पर्याप्त है कि भारतीय उद्योग सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके सामने आए आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में लगभग दो तिहाई कंपनियों ने मजबूत मांग दर्ज की। वहीं चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 72 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि आने वाले समय में मांग और बढ़ेगी। वहीं, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में निवेश बढ़ना इस बात का प्रमाण है कि अर्थव्यवस्था में विश्वास का माहौल है।

वस्तुतः सीआईआई सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि कंपनियां अपनी हायरिंग और निवेश योजनाओं को आगे बढ़ाना इसलिए भी चाह रही हैं क?योंकि जहां एक ओर विश्व के कई देशों में आज ऊंची ब्याज दरों, महंगाई के दबाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाओं का सामना देखा जा रहा है। वहीं, भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत स्थिर और मजबूत दिखाई देती है। यदि इसके पीछे के कारणों को देखें तो इसका प्रमुख कारण मजबूत घरेलू सुधार, नीतिगत स्थिरता और सरकार तथा उद्योग के बीच निरंतर संवाद का सतत प्रक्रिया के रूप में चलते रहना है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भी भारत की विकास दर को लेकर सकारात्मक हैं और आने वाले वर्षों में भारत के 6 से 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

अभी इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने बोला भी कि भारत आज दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन की तरह काम कर रहा है। आईएमएफ के कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट की डायरेक्टर जूली कोजैक का कहना है कि भारत की तीसरी तिमाही की आर्थिक ग्रोथ उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत रही है। जब कई बड़े देश स्लो ग्रोथ या मंदी के खतरे से जूझ रहे हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। आईएमएफकी आर्टिकल आईवी स्टाफ रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.6 प्रतिशत रह सकती है। इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण बताया गया है- मजबूत घरेलू खपत। सरल शब्दों में कहें तो भारत के लोग खर्च कर रहे हैं, बाजार चल रहे हैं, उद्योग सक्रिय हैं और यही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है।

आईएमएफ अगले हफ्ते अपना विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) अपडेट जारी करने वाला है। इस रिपोर्ट में भारत की नई ग्रोथ दर, अन्य प्रमुख देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की ताजा तस्वीर शामिल होगी। आईएमएफ का कहना है कि इस रिपोर्ट के बाद यह और साफ हो जाएगा कि हाल के आर्थिक आंकड़ों ने भारत और दुनिया की अर्थव्यवस्था को किस तरह प्रभावित किया है।

जीवन को ईश्वर का अनुपम उपहार मानकर जीना चाहिए

विजय केसरी

यह जीवन ईश्वर का अनुपम उपहार है। इस जीवन के महत्व को समझ कर जीवन जीने की जरूरत है। ईश्वर के इस महत्वपूर्ण व उपहार रूपी जीवन के महत्व को जो समझ लेता है, वह बहुत ही आनंद के साथ इस जीवन को जीता है। हमारा जीवन तभी सार्थक है, जब हम अपने जीवन की चुनौतियां, झंझावातों और परेशानियां का मुकाबला कर आगे बढ़ते चले जाते हैं, एक न एक दिन इन पर विजय प्राप्त कर लेते हैं। मनुष्य के जीवन का लक्ष्य यही होना चाहिए। व्यक्ति को जीवन में कभी भी नकारात्मक विचार उत्पन्न नहीं होने देना चाहिए। यह जीवन है, तभी खुशी है, गम है। यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि खुशी और गम दोनों के मिलन का नाम ही जीवन है। जिस तरह दिन के बाद रात का होना तय है और रात के बाद दिन का होना तय है। जब ईश्वर ने यह निर्धारित कर दिया है कि दिन के बाद रात और रात के बाद दिन का होनानिश्चित है। तब जीवन में मिले दुःख से घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि दुःख की इस घड़ी में बहुत ही धैर्य और हिम्मत से जीवन जीने की जरूरत है।

जीवन में सुख और दुख दोनों का मौजूद रहना, जीवन की महता को बतलाता है। जो मनुष्य जीवन के इस गुढ़ रहस्य को समझ लेता है, वह जब घोर संकट में भी होता है, तो उसे कभी घबराते नहीं है बल्कि उससे मुकाबला कर आगे बढ़ता है। वह इस बात को जानता है कि यह संकट कुछ दिनों का है और कुछ ही दिनों में ही चला जाएगा। बहुत लोग थोड़ी सी परेशानी होने पर इस जीवन को ही बोझ समझ लेते हैं। ऐसे लोग इस जीवन को ही व्यर्थ मानते हैं। यह सोच व्यक्ति के नकारात्मक चिंतन का अग्रसर कर देता है। मनुष्य को कभी भी नकारात्मक चिंतन को अपने मन मस्तिष्क में जगह नहीं देना चाहिए बल्कि मनुष्य को ईश्वर के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए कि ईश्वर तुमने मुझे इस धरा पर जन्म देकर कुछ विशेष कार्य के लिए भेजा है। जैसे ही ये विचार मन में आते हैं, जीवन में उत्साह की वृद्धि हो जाती है। फिर कुछ नया करने के लिए अग्रसर हो जाते हैं।

हम सबों को इतिहास से यह सबक लेना चाहिए कि इस धरा पर जो भी महापुरुष आए, सभी एक साधारण मनुष्य की ही तरह जन्म लिए थे। लेकिन ये साधारण मनुष्य कुछ असाधारण काम कर महापुरुष बन गए थे। ऐसा नहीं कि इन महापुरुषों के जीवन में कोई संकट नहीं आया था बल्कि अगर उनके जीवन का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि उनका संपूर्ण जीवन झंझावातों, परेशानियों और चुनौतियों से भरा पड़ा था। लेकिन उन्होंने इन चुनौतियों, झंझावातों और परेशानियों का मुकाबला पूरी शक्ति और धैर्य के साथ किया था। उन्होंने इन परेशानियों को परास्त कर अपने जीवन को सफल बना दिया था। महापुरुषों ने इस धरा पर आकर जो काम किया, उनके कार्य सदा याद किए जाते रहेंगे। विचारणीय यह कि अगर ईश्वर उन्हें इस धरा पर नहीं पैदा करते, तब शायद वे इतने महत्वपूर्ण कार्य नहीं कर पातें। और न ही इतिहास के पन्नों पर अमिट हो पाते। इसलिए हर व्यक्ति कभी भी कमतर नहीं समझना चाहिए। एक साधारण मनुष्य भी अपने असाधारण कामों से अपनेजीवन को सफल बना सकता है। जीवन को ईश्वर का अनुपम उपहार मानकर बहुत ही आनंद के साथ परिवार के बीच जीवन जीना चाहिए। हर व्यक्ति को परिवार के बीच सुख-दुख बांट कर एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। समाज के हर व्यक्ति को समाज के बीच रहकर मैत्री भाव को बढ़ाते रहना चाहिए। साथ ही अगल-बगल के लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहना चाहिए।यही जीवन सार्थक जीवन कहा जाएगा

जीवन का हर दिन एक उत्सव के समान है। यह मानकर परिवार के बीच जीवन जीना चाहिए। परिवार के सदस्यों के मनोभावों को समझना चाहिए। उनकी तकलीफों को समझना चाहिए। उनकी खुशी में अपनी खुशी जोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। 22 जनवरी को मनाया जाने वाला यह जीवन दिवस के हम सबों को यह सीख देता है कि जीवन कितना महत्वपूर्ण है? आप अपने परिवार के लिए कितने महत्वपूर्ण है? आप अपने परिवार के बच्चों को कितना समझ पाए हैं उन बच्चों और नाती-पोतों को समझने की जरूरत है जो आपके क्ष जीवन में खुशियाँ भरते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि प्रत्येक बच्चे और प्रत्येक जीवन को सर्वोच्च सम्मान और गरिमा के साथ एक अनमोल उपहार के रूप में संजोकर रखना चाहिए। इसके साथ ही हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि कभी हम भी बच्चे थे। फिर युवा हुए। फिर वृद्ध हुए। यह रूपांतरण जीवन का सच है। इसी रूपांतरण के बीच ही हमारा जन्म होता है। अंत में मृत्यु को प्राप्त करते हैं। यह जीवन का सच है। हमें यह हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि बच्चे बहुत जल्दी बड़े हो जाते हैं। व्यस्त जीवन की दिनचर्या से समय निकालकर बच्चों के साथ बिताना चाहिए। कहीं अपनी व्यस्तता के कारण जब उनके साथ समय नहीं बिता पाते हैं, तो बच्चे कब युवा हो जाएंगे, पता ही नहीं चलेगा। चूंकि बच्चें लगातार नई चीजें सीखते रहते हैं और हर दिन बदलते रहते हैं। हर दिन वे अपनी सरल समझ और विचारों से हमें प्रसन्न करते हैं। बच्चों के साथ समय बिताकर और उन्हें वह स्नेह और देखभाल देकर जिसके वे हकदार हैं, हम उनके जीवन का जश्न मनाते हैं।

इसके साथ ही जीवन दिवस यह भी सीखना है कि इस जीवन को उत्सव में कैसे तब्दील करें? जीवन दिवस का उत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाना चाहिए। इस अवसर पर हम सबों को गोष्ठियाँ आयोजित करनी चाहिए आस - पास परिवारों को मिलजुल कर एक साथ भोजन करना चाहिए और समय बिताना चाहिए। साथ ही एक दूसरे के मनोभावों को भी समझना चाहिए। घर के बच्चें जो घर के सदस्यों के जीवन में उल्लास और उमंग पैदा करते हैं। अपने जीवन में मौजूद बच्चों का जश्न मनाएं। अपने बच्चे, पोते-पोती, भतीजे या भतीजी के साथ यह दिन साझा करें। हमने कई सुझाव दिए हैं। जीवन दिवस पर बच्चों के साथ किताबें पढ़ें।जमीन पर बैठ जाइए और एक पहेली को सुलझाइए। अपने बच्चे के साथ मिलकर कुछ बनाएं।सभी चचेरे भाई-बहनों को बोर्ड गेम खेलने के लिए आमंत्रित करें। कुकीज बेक करें और उन्हें सजाएं। इससे छोटे बच्चे को भी कुछ न कुछ सीखने को मिलेगा। पॉपकॉर्न बनाइए और फिल्म देखिए। उन्हें बताइए कि दादी और दादाजी कैसे मिले थे। उनके समक्ष कला सामग्री निकालें और कुछ रचनात्मक कार्य शुरू करें। इस दिन किसी संग्रहालय का भ्रमण करें। किसी किशोर को टायर बदलना सिखाएं। ड्राइविंग सिखाएं। अपने नाखूनों पर एक साथ नेल पॉलिश लगाएं।

ऐसा कर हम सब अपने अपने जीवन को खुशियों से भर देते हैं। हम सबों को यह भरसक प्रयास करना चाहिए कि कोई भी कार्य बहुत निष्ठा के साथ करना चाहिए। मन मार कर काम नहीं करना चाहिए। पूरे आनंद के साथ काम करना चाहिए। याह वैज्ञानिक शोधों में भी सिद्ध हो चुका है कि जो काम मन से किए जाते हैं, उसका रिजल्ट बहुत ही बेहतर होता है। और जो काम बेमन से किए जाते हैं, उसमें सफलता की बहुत कम गुंजाइश रह पाती है इसलिए किसी कार्य को बोझ मानकर नहीं करना चाहिए बल्कि एक दायित्व मानकर पूरी निष्ठा के करनी चाहिए। जो भी कार्य मिले मन लगाकर करना चाहिए। आप जहां भी हों, घर में हों, समाज में हों, व्यवसाय में हो, नौकरी पेशा में हो, अपने-अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करनी चाहिए। तभी यह जीवन सच्चे अर्थों में ईश्वर का अनुपम उपहार बन पाएगा।

ट्रम्प के टूटते सपने और बिगड़ती मनोदशा

ऋतुपर्ण दवे

कभी लगता है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, कभी लगता है कि तुनकमिजाज। शायद अमेरिका वासियों को भी अब ट्रम्प को समझ पाना मुश्किल हो रहा होगा। उन्हें चुनते वक्त ऐसा अंदाजा हरगिज नहीं रहा होगा। लेकिन, इतना तो समझ आ रहा है कि अपनी दूसरी पारी में ट्रम्प दुनिया में सबसे अलग करने की नीयत से हर वो काम करने पर आमादा हैं जिससे उनकी चर्चा और धमक बनी रहे। हो सकता है कि वो ऐसा कुछ करें भी जिससे वो हीरो या विलेन कुछ तो बन जाएं। लेकिन लगता नहीं कि वो कभी अमेरीका के आदर्श राष्ट्र प्रमुखों में गिने जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दर्द जब-तब उनके बयानों से झलकता है। शांति के नोबल पुरस्कार की होड़ में मात खाने के बाद ट्रम्प एकाएक अशांतिपूर्ण हरकतों पर उतारू हो गए। उनकी टीस इसी बात से समझ आती है कि इस पुरस्कार के लिए खुद अपनी पैरवी करने वाले ट्रम्प ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर को चिट्ठी लिख नोबेल नहीं मिलने की शिकायत तक कर दी। साथ ही यह भी लिखा कि 8 जंग रुकवाने के बावजूद उन्हें नोबेल नहीं मिला इसलिए उन्होंने अब शांति के बारे में सोचना छोड़ दिया है। शांति जरूरी है लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर जबरन कब्जा की उनकी नीयत और कोशिशों की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने की खीझ भी स्पष्ट समझ आती है।

रूस और चीन के खतरे की दुहाई देकर ट्रम्प नाटो सदस्य डेनमार्क के ग्रीनलैंड को हथियाने का जो दंभ भर रहे हैं, उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नाटो की एकता के साथ ही वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है। ट्रम्प की जिद कहें या दादागिरी यह उनका दुनिया का तानाशाह बनने जैसा ही कदम कहलाएगा। देर-सबेर इसका खामियाजा अमेरिका ही भुगतेगा क्योंकि वैश्विक मंच पर दुनिया का दारोगा कहलाने वाले मजबूत देश की विश्वसनीयता कमेगी।

ग्रीनलैंड की जिद को लेकर दुनिया भर में शांति के पक्षधर लोगों की समझाइश का भी ट्रम्प पर कोई असर न पड़ना मामले को गंभीर बनाता है। ग्रीनलैंड में साल 1979 से स्व-शासन है। उसकी विदेश और रक्षा नीति नाटो संगठन का सदस्य देश डेनमार्क देखता है। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त भाग है। ग्रीनलैंड और डेनमार्क सरकारों ने भी हमेशा कहा है कि ग्रीनलैंड न कभी पहले बिकाऊ था न आज है। नाटो देश भी कभी नहीं चाहेंगे कि कोई दादागिरी कर कब्जा कर ले। खुद यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, डेनमार्क और इटली ने भी ट्रम्प के बयान की आलोचना की है। इतना ही नहीं बल्कि सामूहिक तौर पर जवाब देने की बात भी कह कर ट्रम्प को चेताया तक है। इससे ट्रांसअटलांटिक संबंध भी कमजोर होंगे। ट्रम्प की नीयत उनके पहले कार्यकाल में ही ग्रीनलैंड को खरीदने की थी जो तब भी पूरी नहीं हो पाई।

आठ यूरोपीय देशों डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड पर टैरिफ की धमकी को ये देश ट्रम्प का ब्लैकमेल, समझ से परे और अनुचित बता रहे हैं। ट्रम्प की हरकतों से यूरोप और अमेरिका के सुरक्षा सहयोग संगठन नाटो के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह दिख रहा है। खुद 80 प्रतिशत अमरीकी भी नहीं चाहते कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बने क्योंकि इससे नाटो में दो फाड़ होगी जिसका फायदा चीन और रूस जैसे अमेरिका विरोधियों को मिलेगा।

ऐसा भी नहीं है कि यूरोपीय संघ यानी ईयू ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ का जवाब देने में पीछे है। ईयू 27 यूरोपीय देशों का राजनीतिक और आर्थिक संगठन है। इसमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं। इन सभी देशों का रुख अमेरिका पर ट्रेड पाबंदियां लगाने का है जिस पर वो गंभीरता से विचार कर रहे हैं। जबकि इनका लक्ष्य सदस्य देशों के बीच शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देना है। ऐसी स्थिति में नाटो देश भी अमेरिका की मुखालफत करेंगे।

हालांकि ईयू एक खास कानूनी हथियार के इस्तेमाल की सोच रहा है, जिसे 'ट्रेड बाजूका' कहते हैं। इसका मकसद उन देशों के खिलाफ कड़ा कदम उठाना है, जो यूरोपीय देशों पर जबरदस्ती आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ईयू सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में भी हैं। जाहिर है इससे दो पक्षीय नहीं बल्कि बहुपक्षीय तनाव बढ़ना ही है जिसमें अमेरिका के विरोध में कई होंगे। इन सबके लिए जिम्मेदार ट्रम्प ही होंगे।

ट्रम्प की मौजूदा सनक की वजह ग्रीनलैंड है जो सैन्य रणनीतिक लिहाज से बेहद खास है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के मध्य अटलांटिक महासागर के बीचों-बीच होने से मिड-अटलांटिक क्षेत्र में है। यहां से यूरोप और रूस के बीच सैन्य और मिसाइल निगरानी आसान है। हालांकि यहां अमेरिका का थुले एयर बेस पहले से है, जो मिसाइल चेतावनी और रूसी-चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जरूरी है। आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की गतिविधियां बढ़ने से चिंतित अमेरिका ग्रीनलैंड पर वर्चस्व पाकर भू-राजनीतिक पकड़ मजबूत करना चाहता है। दूसरी ओर ग्रीनलैंड में दुर्लभ खनिज, तेल, गैस और रेयर अर्थ एलिमेंट्स के बड़े भंडार हैं। ये भविष्य की विशाल आर्थिक और तकनीकी सम्पदा है। अभी चीन का इन उत्पादों पर 70 से 90 प्रतिशत नियंत्रण है। यह निर्भरता अमेरिका कम करना चाहता है। वहीं, भूमंडलीय ऊष्मीकरण यानी ग्लोबल वार्मिंग के चलते आर्कटिक की बर्फ पिघल रही है, जिससे नए जलपोत मार्ग खुल रहे हैं। जब ग्रीनलैंड अमेरिका का होगा तो निश्चित तौर पर वह रूस-चीन की बढ़त रोकने में मददगार होगा। इसीलिए ट्रम्प ग्रीनलैंड को अमरीकी सुरक्षा का फ्रन्ट लाइन मानते हैं। अब ट्रम्प की नीयत चाहे जो हो लेकिन क्या नोबल का शांति पुरुस्कार मिलता तो भी ट्रम्प ऐसा करते? यह ट्रम्प का बाल हठ है या राज हठ, वही जानें- फिलाहाल ट्रम्प दुनिया में खुद को तमाशा जरूर बना रहे हैं। देखना उनका खेल कब तक चलेगा?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7682

✱ ✩ ✩ ✩ ✩ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7681 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

भोजशाला विवाद और माँ वाग्देवी का प्रश्नः आस्था, इतिहास और समाधान की तलाश

सचिन दवे

मध्य प्रदेश के धार जिला स्थित भोजशाला केवल पत्थरों से बनी प्राचीन इमारत भारत की उस जीवंत सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जहाँ इतिहास, आस्था, विद्या और राजनीति एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई दिखाई देती हैं। पिछले कई दशकों से भोजशाला विवाद भारतीय समाज के सामने एक ऐसे प्रश्न के रूप में खड़ा है, जो किसी धार्मिक स्थल के अधिकार तक सीमित नहीं होकर हमारी ऐतिहासिक समझ, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की भी गंभीर परीक्षा लेता है। विडंबना यह है कि जहाँ कभी विद्या और ज्ञान की साधना होती थी, वहीं आज हर वर्ष कानून-व्यवस्था, निषेधाज्ञा और पुलिस बल की तैनाती चर्चा का विषय बन जाती है। भोजशाला विवाद यह स्पष्ट करता है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी भारत अपने इतिहास को लेकर कितनी दुविधा और संकोच में जी रहा है।

भोजशाला का नाम 11वीं शताब्दी के परमार शासक राजा भोज से जुड़ा माना है। राजा भोज भारतीय इतिहास में विद्या, साहित्य, विज्ञान और कला के महान संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनके शासनकाल में मालवा क्षेत्र शिक्षा और संस्कृत अध्ययन का प्रमुख केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार भोजशाला उसी बौद्धिक परंपरा का प्रतीक थी, जहाँ विद्या की देवी माँ वाग्देवी अर्थात सरस्वती की उपासना होती थी और जहाँ अध्ययन-अध्यापन की समृद्ध परंपरा विकसित हुई। शिलालेख, स्थापत्य शैली और साहित्यिक संदर्भ इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि भोजशाला केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि एक विद्या केंद्र भी रहा है। इस दृष्टि से इसका महत्व किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं रहकर भारतीय सभ्यता की सामूहिक बौद्धिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करता है।

इसके विपरीत मुस्लिम समुदाय द्वारा इसे कमाल मौला की मस्जिद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। किंतु इस दावे के समर्थन में ठोस ऐतिहासिक प्रमाणों का अभाव दिखाई देता है। न तो स्थापत्य शैली मस्जिद की पारंपरिक संरचना से मेल खाती है और न ही उपलब्ध ऐतिहासिक स्त्रोत इस दावे की पुष्टि करते हैं। इसी दोहरी पहचान ने भोजशाला विवाद को जन्म दिया, जो समय के साथ धार्मिक न रहकर सामाजिक और राजनीतिक विवाद में परिवर्तित हो गया।

भोजशाला विवाद का एक अत्यंत महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष माँ वाग्देवी की प्राचीन मूर्ति से जुड़ा है। मान्यता है कि राजा भोज ने 1034 ईस्वी में इस मूर्ति की स्थापना कराई थी। यह मूर्ति धार्मिक आस्था का प्रतीक होने के साथ ही मध्ययुगीन मालवा की उत्कृष्ट शिल्पकला की अद्वितीय मिसाल भी थी। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों की जो व्यापक लूट हुई, भोजशाला भी उससे अछूती न रह सकी। 1902 में तत्कालीन वायसराय लार्ड कर्जन के मालवा दौरे के दौरान भोजशाला में स्थापित माँ वाग्देवी की मूर्ति ने उनका ध्यान आकर्षित किया। इसके पश्चात प्रशासनिक आदेश के तहत इस मूर्ति को धार से गुजरात की खंभात खाड़ी के माध्यम से समुद्री मार्ग द्वारा इंग्लैंड भेज दिया गया, जहाँ आज यह लंदन के एक संग्रहालय में सुरक्षित है।

स्वतंत्र भारत में इस मूर्ति की वापसी की मांग समय-समय पर उठती रही है। 1950 और 60 के दशकों में स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों ने केंद्र सरकार और ब्रिटिश अधिकारियों से पत्राचार किया। 1962 में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर स्वयं लंदन गए और देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री से माँ वाग्देवी की मूर्ति की वापसी का आग्रह किया। 2011 में डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने भी इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा की। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी यह घोषणा की थी कि सरकार इस मूर्ति को वापस लाने का प्रयास करेगी, किंतु राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस कूटनीतिक प्रयासों के अभाव में अब तक कोई परिणाम सामने नहीं आ सका।

यह उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में भारत कई प्राचीन मूर्तियाँ और कलाकृतियाँ विदेशों से वापस लाने में सफल रहा है। भगवान बुद्ध और भगवान शिव की कुछ दुर्लभ प्रतिमाएँ भारत लौट चुकी हैं। इससे स्पष्ट होता है कि यदि सरकार ठान ले और अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रियाओं को गंभीरता से आगे बढ़ाए तो माँ वाग्देवी की मूर्ति की वापसी भी असंभव नहीं है।

भोजशाला विवाद कई बार न्यायालयों तक भी पहुँच चुका है। प्रशासन ने दशकों से कानून-व्यवस्था के नाम पर पूजा और सीमित नमाज की व्यवस्था लागू कर रखी है। यह व्यवस्था तात्कालिक शांति तो बनाए रखती है किंतु स्थायी समाधान प्रदान नहीं करती। वास्तविक समस्या यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें अब तक इस विषय पर कोई स्पष्ट और अंतिम निर्णय लेने से बचती रही हैं। इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, कानूनी जटिलताएँ और राजनीतिक समीकरणों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

वर्ष 2016 की तरह वर्ष 2026 में भी जब बसंत पंचमी और शुक्रवार एक साथ पड़ रहे हैं तो आम नागरिक के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या भारत अपनी सनातन सांस्कृतिक विरासत की रक्षा कर पाएगा? क्या विद्या की देवी की उपासना को हर वर्ष प्रशासनिक आदेशों और अस्थायी व्यवस्थाओं में बाँध दिया जाएगा या फिर इतिहास और आस्था के साथ न्याय किया जाएगा?

ऐतिहासिक तथ्यों और सांस्कृतिक साक्ष्यों के आधार पर यह स्वीकार करना होगा कि भोजशाला का मूल स्वरूप एक हिंदू शैक्षणिक और धार्मिक स्थल का रहा है। स्थायी शांति तभी संभव है जब भोजशाला को पूर्ण रूप से हिंदुओं को सौंपा जाए और माँ वाग्देवी की मूर्ति को भारत वापस लाने के लिए गंभीर और ठोस प्रयास किए जाएँ।

दैनिक पंचांग

22 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.04 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	09.37 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	11.07 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.45 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.59 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.27 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.38 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृश्चिक	01.52 ब.से
		धनु	04.08 बजे से
		मकर	06.13 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 22 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 14.27 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 17.38 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 14.41 बजे तदनन्तर विष्टि 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 3.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 43' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872597 **जूलियन दिन** 2461062.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी, गणेश जयंती, रामलला प्रतिष्ठा दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पलामू में अलग-अलग घटनाओं में तीन युवकों की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के छतरपुर, हुसैनाबाद और डालटनगंज में पिछले 24 घंटों के दौरान तीन अलग अलग हादसे हुए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गयी। पहली घटना शक्तिपुंज एक्सप्रेस से हुई। तीनों शवों का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। छतरपुर थाना क्षेत्र के भव फैक्ट्री के समीप सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार रात में हुआ। मृतक की पहचान छतरपुर के दीपक कुमार (30) के रूप में हुई है। जख्मी बाइक सवार विराट कुमार (28) और कार चालक गढवा के रमना निवासी सुनील सोनी (60) हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक विराट कुमार एक ही बाइक से छतरपुर की ओर जा रहे थे। भव फैक्ट्री के पास उनकी बाइक की एक कार से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कार चालक सुनील सोनी को भी गंभीर चोटें आईं। ूचना पर पुलिस गश्ती दल ने तीनों घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर लाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी की गंभीर स्थिति को देखते हुए एमएमसीएच, मेदिनीनगर रेफर कर दिया। एमएमसीएच ले जाने के क्रम में दीपक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दीपक बिजली विभाग ग्रिड में कार्यरत थे। वहीं विराट और कार चालक सुनील का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र दंगवार गांव में बुधवार सुबह में बाइक से अनियंत्रित होकर गिरने से दंगवार गांव निवासी चंदन कुमार (25) की मौत हो गई है। सूचना पर मेदिनीनगर एमएमसीएच पुलिस चौकी के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे एवं शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस चौकी प्रभारी सुशीला तियू ने बताया कि मृतक के पिता बबन सिंह की ओर से दिए गए फर्द बया्यान के अनुसार चंदन सुबह में घर से निकला था। जैसे ही मुख्य सड़क पर पहुंचा, वैसे ही बाइक से नियंत्रित होकर गिरने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से उससे हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेदिनीनगर एमएमसीएच में रेफर कर दिया गया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के दो नंबर टाउन रामनगर के समीप बुधवार को शक्तिपुंज ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत हो गई है। सूचना मिलने के बाद शहर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लिया एवं एमएमसीएच में पोस्टमार्टम कराया। टीओपी टू प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि युवक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पहचान करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। घटनास्थल पर उपस्थित लोगों के अनुसार युवक घूम रहा था। शक्तिपुंज ट्रेन के सामने एकाएक कूद गया जिसे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

एक नजर

पुलिस ने दो गैर जमानतीय वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय का जी आर नंबर - 526/2022 का गैर जमानतीय वारंटी के आधार पर पकड़ा गया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी जतन साहा, पिता अनंत साहा, पता ग्राम सुरियारपाड़ा, थाना तीनपहाड़ जिला साहिबगंज, दूसरा आरोपी अनंत साहा, पिता स्वर्गीय जगमोहन साहा, पता ग्राम सुरियारपाड़ा, थाना तीनपहाड़, जिला साहिबगंज का निवासी है। दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में उपस्थापन उपरांत न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

जंगल में मिला बैंक कर्मी का शव, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र अंतर्गत भदुआ पंचायत के पुनगोड़ा गांव स्थित कासुगोड़ा जंगल में बुधवार को एक अज्ञात शव मिला। बकरी चराने गए ग्रामीणों ने जंगल में जमीन पर औंधे मुंह पड़े शव को देखा, इसके बाद देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। वहीं जंगल में शव मिलने की खबर से पूरे इलाके में भय और आशंका का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर घाटशिला थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव की पहचान हुलूंग चौक निवासी शुक्रा मानकी के रूप में की गई, जो हुलूंग चौक स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में कार्यरत थे। प्रारंभिक तौर पर शव की स्थिति को देखकर आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत दो से तीन दिन पहले हुई होगी। मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शुक्रा मानकी सोमवार की सुबह बकरी के लिए पत्ता लाने घर से निकले थे। लेकिन वह अपने घर से लगभग तीन से चार किलोमीटर दूर घने जंगल में क्यों गए, यह समझ से परे है। इतना ही नहीं, जब शव मिला तो उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे और पैरों में चप्पल भी नहीं थी। इससे रहस्य और गहरा गया है। इन सवालों पर परिजन भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

टुसू हमारे पुरखों की परंपरा, इसे बचाकर रखना जरूरी : नीलकंठ

खूंटी : प्रखंड के लॉनदुप गांव में बुधवार को आयोजित टुसू मेला और फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा शामिल हुए। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और खेल भावना को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बना। टुसू मेला आदिवासी समाज की प्राचीन परंपराओं से जुड़ा हुआ है, हर वर्ष लोगों को एकजुट करने और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का कार्य करता है। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि फुटबॉल टूर्नामेंट के माध्यम से युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ता है। खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं दर्शकों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि फुटबॉल खेल और टुसू मेला जैसे आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये हमारे पुरखों की परंपरा और जरूरत इन्हें संजोने और आगे बढ़ाने की है।

राजमहल जेल में कैदी ने की आत्महत्या की कोशिश, इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हत्या के एक मामले में सजा काट रहे कैदी ने राजमहल जेल में आत्महत्या का प्रयास किया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान मंसूर शेख के रूप में हुई है, जो पिछले पांच वर्षों से जेल में बंद था। बुधवार को मंसूर शेख ने जेल के भीतर फांसी लगाकर अपनी जान देने की कोशिश की। घटना की भनक लगते ही वार्ड में बंद अन्य कैदियों ने जेल प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे इलाज के लिए राजमहल सब-डिवीजनल अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर उपचार के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंसूर शेख राधानगर थाना क्षेत्र के चामा सत्तारटोला का निवासी था। वर्ष 2020 में उसने अपने ही भाई अख्तर शेख की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। इस मामले में राधानगर थाना में कांड संख्या 167/20 दर्ज है। आरोप है कि इस वारदात में अन्य लोगों को भी घायल किया गया था। मृतक की भाभी जहांनूर बेबा की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। जांच में यह बात सामने आई थी कि दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। आपसी रंजिश के चलते ही मंसूर शेख ने अपने भाई की हत्या की थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। घटना को लेकर राजमहल सब-डिवीजनल अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने बताया कि कैदी की हालत अत्यंत नाजुक थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। जेल में हुई इस घटना ने एक बार फिर बंदियों की मानसिक स्थिति और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिल्ली थाना में सरस्वती पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली थाना के प्रांगण में बुधवार के दिन सिल्ली थाना एवं मुरी ओ पी पुलिस की संयुक्त रूप से आगामी सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवियों ने भाग लिया।बैठक की अध्यक्षता सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार ने की एवं संचालन मोहम्मद फारूक ने किया। सिल्ली प्रभारी ने डीजे के उपयोग और सामाजिक सुरक्षा पर सरकार द्वारा जारी सूचना पर जोर दिया एवं उपस्थित लोगों से पूजा को पूरे उत्साह एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील भी की।वहीं मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर कई बिंदुओं पर उपस्थित सदस्यों के बीच चर्चा की। इसी क्रम में प्रशासन द्वारा डीजे पर प्रतिबंध तथा किसी भी गलत अफवाहों पर ध्यान न देने का भी अपील किया। बैठक में संभावित भीड़ पर नियंत्रण,पूजा पंडालों की व्यवस्था, जुलूस एवं विसर्जन मार्ग, यातायात प्रबंधन, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग, असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी की विस्तृत समीक्षा की गई।इस मौके पर राधेश्याम साहू,नागेंद्र नाथ गोस्वामी, कार्तिक चंद्र महतो, अरविंद कुमार, राजेश साहू, राधिका महतो, महताब अंसारी एवं अरविंद कुशवाहा समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला उद्यान कार्यालय, साहिबगंज द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत जेएसएलपीएस के अभिसरण से चयनित किसान दीदियों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बरहरवा प्रखंड के बड़ागरग्राम में दीप प्रज्वलन कर बरहरवा के बीपीएम फैज आलम एवं उद्यान विभाग के प्रेम पासवान द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में बरहरवा प्रखंड की 60 तथा तालझारी प्रखंड की 40 किसान दीदियाँ सहभागिता कर रही हैं। प्रशिक्षण में बीपीएम फैज आलम ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से दीदियों को फल, सब्जी, फूल, मसाले एवं औषधीय पौधों की उन्नत खेती से संबंधित आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही पौधारोपण तकनीक, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई, नर्सरी विकास, शेडनेट एवं पॉलीहाउस जैसी गतिविधियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस के माध्यम से महिला समूहों को तकनीकी ज्ञान, क्षमता संवर्धन एवं बाजार से जोड़कर उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के दौरान किसान दीदियों से अपील की गई कि वे इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाकर बागवानी आधारित आजीविका गतिविधियों को अपनाएँ। मौके पर जेएसएलपीएस बरहरवा के सीसी अंशुमन कुमार, आईएफसी एंकर सुनीता मरांडी सहित अन्य किसान दीदियाँ एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विस्थापित व प्रभावित महिलाओं के बीच सीएसआर योजना के तहत साड़ी सेट का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संथाली समाज का महापर्व सोहराय को लेकर स्थानीय डीबीएल सेंट्रल कॉल कंपनी द्वारा अपने कॉल उत्खनन क्षेत्र से विस्थापित व प्रभावित पांच गांव की महिलाओं व बच्चियों के बीच सी एस आर योजना के तहत साड़ी सेट का वितरण किया गया। ज्ञात हो कि विगत बुधवार को आलू बेड़ा कैंप कार्यालय के समीप एक शिविर का आयोजन कर कंपनी के प्रोजेक्ट हेड बर्जेश कुमार के द्वारा स्वयं अपने हाथों से महिलाओं के बीच साड़ी सेट का वितरण किया गया। वहीं बीते मंगलवार को डीबीएल कॉल कंपनी द्वारा न्यू कथाल्डीह गांव में एक शिविर का आयोजन कर वहां के महिलाओं के बीच कंपनी के प्रोजेक्ट हेड के निदेर्शानुसार साड़ी सेट का वितरण किया गया था। बुधवार को वितरण कार्यक्रम में डीबीएल कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक समन्वयक संजीव कुमार सिंह, सीनियर जनरल मैनेजर मनोज कुमार सिन्हा, माइंस मैनेजर भावेश कुमार, लाइजनिंग मैनेजर संजय दास, जेपी राय सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे। इस अवसर पर डीबीएल कॉल कंपनी के स्थानीय प्रोजेक्ट हेड स एबीपी बर्जेश कुमार ने कहा कि वर्तमान में पूरे संताल परगना सहित संपूर्ण झारखण्ड में काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा। संताली समाज का महा पर्व सोहरय को लेकर कंपनी अपने परियोजना क्षेत्र के विस्थापित व प्रभावित गांव कथालडीह, आमझरी, तालझारी, सिंहडेहरी और आलू बेड़ा गांव के महिलाओं के बीच सी एस आर योजना के तहत साड़ी सेट का वितरण और गांव के सजावट के लिए आर्थिक सहयोग भी गांव के ग्राम प्रधानों के माध्यम से किया जा रहा है। इस साल करीब 1000 से ज्यादा साडी सेट का वितरण किया जाएगा साड़ी पाकर ग्रामीण महिलाएं काफी खुश नजर आई और कंपनी के कार्य की काफी सरहाना करते हुए कहा कि कंपनी प्रति बर्ष सोहराई पर्व के अवसर पर हम लोगों के बीच साडी सेट का वितरण करती है।

फूलों झानो राजा राज विद्यालय गंभीर वित्तीय संकट में, पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य भी अधर में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : स्थानीय डकैता स्थित फूलों झानो राजा राज विद्यालय गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा है। कभी पहाड़िया एवं आदिवासी समुदाय के लगभग 300 बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा का उजास फैलाने वाला यह विद्यालय अब संसाधनों के अभाव में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। इस संकट ने न केवल विद्यालय को चिंता में डाला है, बल्कि यहां पढ़ने वाले मासूम बच्चों का भविष्य भी अधर में लटक गया है। इस विद्यालय की स्थापना दिवंगत स्थानीय नेता सूर्यनारायण हांसदा ने इस उद्देश्य के साथ की थी कि आर्थिक रूप से कमजोर, अनाथ और वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। उनके असामयिक निधन के बाद विद्यालय की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती चली गई। आज स्थिति यह है कि बच्चों के भोजन, शिक्षण सामग्री और शिक्षकों के मानदेय की व्यवस्था भी चुनौती बन चुकी है। बुधवार को विद्यालय परिसर में बच्चों को संबोधित करते हुए स्व. हांसदा की माता नीलमणि मुर्मू भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उनके पुत्र के निधन के बाद कई नेताओं और सामाजिक प्रतिनिधियों ने बच्चों की शिक्षा को लेकर सहयोग का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन मासूम बच्चों की उम्मीदें धीरे-धीरे टूटती जा रही हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील टुडू ने भी वर्तमान परिस्थितियों को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन अब अभिभावकों के साथ बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय करने जा रहा है। साथ ही उन्होंने शिक्षकों के भुगतान में आ रही कठिनाइयों की भी पुष्टि की, जिससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। ग्राम प्रधान निमार्णी मुर्मू ने विद्यालय को अपने पुत्र के सपनों की विरासत बताते हुए कहा कि वे इसे पुनर्जीवित करने के लिए समाज और प्रशासन से पुनः सहयोग की अपील करेंगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि उनके पुत्र से जुड़े न्यायिक मामले में शीघ्र न्याय मिलेगा, जिससे विद्यालय को नई ऊर्जा और समर्थन प्राप्त हो सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

सीनियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने सात रन से हासिल की जीत

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत बुधवार को नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब बनाम नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 28.2 ओवर में 201 रन बना कर ऑल आउट हो गई। अमूल कुमार ने 34, अजय कुमार ने 51 व केशव ने 36 रन की पारी खेली। नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के गेंदबाज सोनू कुमार साह ने 4 व अमित रविदास ने 3 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब 29.5 ओवर में 194 रन बना कर ऑल आउट हो गई। अमित रविदास ने 59 व आदित्य यादव ने 42 रन की पारी खेली। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के गेंदबाज केशव ने 5 विकेट लिए। नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने 7 रन से जीत हासिल की। नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी केशव कुमार को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि चतुरानंद पांडेय ने केशव को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। वहीं सभी खिलाड़ियों को पेन देकर सम्मानित किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह ने किया। जबकि स्कोरिंग अनाउल्लाह अंसारी ने किया। मौके पर जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम सहित अन्य मौजूद थे।

दो दिवसीय वार्षिक खेल का हुआ समापन

साहिबगंज: उधवा प्रखंड स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में दो दिवसीय वार्षिक खेल बुधवार को संपन्न हो गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। वहीं विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेल भी जरूरी है। इससे न केवल शारीरिक स्वस्थ होती है बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत होती है। साथ ही इस प्रकार की खेल होने से बच्चों का प्रतिभा देखने मिलता है। जानकारी के अनुसार वार्षिक खेल में प्रखंड के फ्लोरा पब्लिक स्कूल एवं प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगियों में लॉन्ग जंप, हाई जंप, दौड़ सहित अन्य प्रकार की प्रतियोगिता हुआ। इसमें प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा की छात्रा राधिका कुमारी ऑल ओवर चैंपियन बनी साथ ही लुतेंजरा खातून भी ऑल ओवर चैंपियन रही। इसके अलावा छात्र में बेनजीमन किस्कू प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर राहुल शेख रहा,16 सौ मीटर दौड़ में अजय कुमार साहा प्रथम स्थान प्राप्त किया। म्यूजिक चेयर प्रतियोगिता में इशरत खातून प्रथम स्थान प्राप्त किया।इसके अलावा अन्य विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के हाथों विजेताओं को कप व मेडल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के प्रधानाध्यापिका नुसरत जहां, शिक्षक मनु शेख, मो अफलातून, नईम अख्तर सहित अन्य मौजूद थे।

आईआरएडी/ईडीएआर प्रणाली के तहत लाइव डाटा अपलोडिंग कार्य का आयोजन

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत चिन्हित एक्सीडेंट स्पॉट पर आईआरएडी/ईडीएआर प्रणाली के तहत लाइव डाटा अपलोडिंग की गई। इस अवसर पर संबंधित दुर्घटना मामले के अनुसंधान पदाधिकारी (आईओ) देव नारायण साहु, थाना प्रभारी रोहित कुमार एवं आईआरएडी/ईडीएआर मैनेजर मनोज कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सटीक एवं त्वरित डिजिटल डेटा संकलन कर प्रभावी अनुसंधान, पारदर्शिता एवं त्वरित न्याय सुनिश्चित करना रहा। आईआरएडी/ईडीएआर प्रणाली के सफल क्रियान्वयन से सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

भेलवा टुंगड़ी सह स्वर्गीय काशीनाथ महतो स्मृति मेला का हुआ आयोजन

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड के बांसारूली पंचायत अंतर्गत भेलवा टुंगड़ी सह स्वर्गीय काशीनाथ महतो स्मृति मेला का आयोजन बुधवार को किया गया। मेला में मुख्य आकर्षण टुसू प्रदर्शनी, मुर्गा लड़ाई, नर्तकी नाच एवं बाउल संगीत रहा। मेला का शुभारंभ से पूर्व स्वर्गीय काशीनाथ महतो के परिजन भवानी देवी, डॉ अमित कुमार महतो एवं प्रभावती देवी द्वारा उनके तस्वीर पर पुष्प समर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बिना चौधरी,प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक, पूर्व जिप सदस्य गौतम कुमार साहू, सुशील महतो,आजसू के केंद्रीय सचिव जयपाल सिंह एवं समाजसेवी श्यामसुंदर महतो उपस्थित रहे। मेला का संचालन मो फारुख ने किया। मेले में पुरुष फुटबॉल, महिला फुटबॉल एवं क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मेले में आए लोगों ने नर्तकी नाच और बाउल संगीत का भरपूर आनंद उठाया। वहीं भेलवा टुंगरी मेला कमेटी के सदस्यों ने मेला का सफल आयोजन को लेकर काफी सक्रिय दिखे। स्थानीय लोगों ने मेले के आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं सराहनीय सहयोग किया। मेला में विभिन्न गांवों से महिलाएं गीत गाते हुए टुसू लेकर पहुंची,जहां मेला कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया। मेले के आयोजन में विकास महतो, सुभाष चन्द्र महतो, विशाल महतो, मो चांद एवं लक्ष्मण महतो समेत मेला समिति के अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

वीबी जी-राम-जी अधिनियम 2025 पर भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला 22 को

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्वावधान में 22 जनवरी को दोपहर 12 बजे से भाजपा कार्यालय सभागार में वीबी जी-राम-जी अधिनियम 2025 को लेकर विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों को अधिनियम की प्रमुख धाराओं, उद्देश्यों एवं प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देना है। बताया गया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लागू किए गए वीबी जी-राम-जी अधिनियम 2025 का उद्देश्य श्रमिकों को सशक्त एवं सुदृढ़ बनाना है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मुनाफे में 26 प्रतिशत का उछाल, 668 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

तीसरी तिमाही में मार्जिन और एसेट क्वालिटी में दिखा मजबूत सुधार; रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना बने नए ब्रांड एंबेसडर

मुंबई ।

देश के प्रमुख एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के शानदार नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक का शुद्ध लाभ (पीएटी) वार्षिक आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 668 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 528 करोड़ रुपये था। बैंक ने न केवल मुनाफे में बल्कि जमा राशि और ऋण वितरण में भी दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है। जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने बैंक के प्रदर्शन को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य के लिहाज से यह तिमाही काफी महत्वपूर्ण रही। नेट इंटरेस्ट मार्जिन पिछली तिमाही के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गया है। सबसे उत्साहजनक पहलू बैंक की एसेट क्वालिटी रही है, जहां सकल एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत पर आ गया है। साथ ही बैंक की ऋण लागत में 34 प्रतिशत की बड़ी कमी देखी गई है, जो बेहतर जोखिम प्रबंधन और अनुशासित अंडरराइटिंग का प्रमाण है। जमा पुस्तक में भी 23.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कुल जमा राशि 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

बोर्ड ने बैंक के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नेतृत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। उत्तम टिब्रेवाल अप्रैल 2026 के बाद भी डिप्टी सीईओ के रूप में कार्यभार संभालते रहेंगे, जबकि विवेक त्रिपाठी को होल टाइम डायरेक्टर (कार्यकारी निदेशक) के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया गया है। बैंक ने अपने गवर्नेंस ढांचे को और मजबूत करने के लिए तीन नए स्वतंत्र निदेशकों की भी नियुक्ति की है। तकनीकी मोर्चे पर बैंक अपनी प्रक्रियाओं को एआई-नेटिव आर्किटेक्चर में बदलने पर काम कर रहा है ताकि ग्राहकों को अधिक सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके।

बैंक ने अपनी भौगोलिक उपस्थिति बढ़ाते हुए इस तिमाही में 100 नए टचपॉइंट जोड़े हैं, जिससे अब कुल नेटवर्क 2,726 केंद्रों तक पहुंच गया है।

चीन को लेकर भारत के रुख में नरमी के संकेत

नई दिल्ली।

करीब पांच वर्ष पहले गलवान घाटी की घटना के बाद भारत सरकार ने चीन के प्रति सख्त रुख दिखाया था। चीनी कंपनियों के निवेश, सरकारी खरीद और उत्पादों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए, साथ ही देशभर में चीनी सामान के बहिष्कार किया गया। लेकिन बदलते वैश्विक राजनीतिक समीकरणों के बाद मोदी सरकार चीन को लेकर अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करती नजर आ रही है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 के बाद चीनी कंपनियों की भारत में निवेश और सरकारी टेंडरों में भागीदारी पर कई स्तरों पर रोक लगी थी। अब यह समझ बन रही है कि यदि कोई निवेश देश में रोजगार सृजन करता है और घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करता है, तब उस निवेश को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार राष्ट्रवादी भावनाओं के बजाय अब आर्थिक लाभ और व्यावहारिक जरूरतों को महत्व दे रही है। हालांकि टेलीकॉम, रक्षा और रणनीतिक बुनियादी ढांचे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध फिलहाल जारी रहेगा।

मोदी सरकार इसतरह के निवेश पर फोकस कर सकती है जो तकनीक हस्तांतरण के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराएं। नीति-निर्माताओं का मानना है कि निवेश को निवेशक की राष्ट्रीयता के बजाय उसकी गुणवत्ता और परियोजना की उपयोगिता के आधार पर आंका चाहिए। इसी दिशा में गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में चीनी कंपनियों को सरकारी खरीद में सीमित अनुमति देने पर भी विचार हो रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़े नियमों में भी आंशिक ढील की संभावना है। कड़ी जांच प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों, जैसे रिन्यूएबल एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग, में आसान किया जा सकता है। केंद्र सरकार का तर्क है कि यदि वस्तुओं का निर्माण देश में संभव है, तब विदेशी पूंजी और तकनीक के जरिए रोजगार बढ़ाया जाना चाहिए।

जनवरी में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई

-कंपनी के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा

नई दिल्ली।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए साल 2026 की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जनवरी में ही कंपनी के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले जनवरी में इतनी बड़ी गिरावट आखिरी बार 2011 में आई थी। करीब 19.12 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली रिलायंस के शेयरों में आई इस गिरावट का असर सीधे निफ्टी 50 पर भी पड़ा, जो अब तक करीब 2 फीसदी फिसल चुका है। कंपनी के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों के बाद शेयरों में एक ही दिन में 3 फीसदी की गिरावट आई।

विशेषज्ञों के मुताबिक रिलायंस के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा है। रूस से कच्चे तेल की सप्लाई घटने और फेट कॉस्ट बढ़ने से कंपनी के ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस पर दबाव बढ़ा है। ब्रोकरेज के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते रिलायंस ने दिसंबर में रूस से तेल आयात में 32.4 फीसदी की कटौती की, जो फरवरी 2024 के बाद सबसे निचला स्तर है। जनवरी में भी रूसी तेल आयात कम रहने की संभावना है। हालांकि कंपनी वेनेजुएला से तेल आयात दोबारा शुरू करने पर अमेरिका से बातचीत कर रही है, जिससे रूसी तेल की कमी की भरपाई हो सकती है।

रिफाइनिंग और फ्यूल बिजनेस में वॉल्यूम ग्रोथ और बेहतर फ्यूल क्रैक्स से कुछ राहत मिली है, वहीं रिलायंस का रिटेल कारोबार कंपनी की कमजोर कड़ी बनकर उभरा है। रिलायंस रिटेल की नेट रेवेन्यू ग्रोथ सिर्फ 9 फीसदी रही, जबकि उसकी प्रतिद्वंद्वी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की। कंपनी ने इसके लिए त्योहारों की तारीखों में बदलाव और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के डिमर्जर को जिम्मेदार ठहराया। त्योहारी सीजन में भारी छूट और क्विक कॉमर्स में किए गए निवेश के चलते मार्जिन पर भी दबाव पड़ा है। भारत में तेजी से बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बीच अब ध्यान पारंपरिक दुकानों से ऑनलाइन और फिर क्विक कॉमर्स की ओर शिफ्ट हो रहा है। 10 मिनट में डिलीवरी वाले इस मॉडल में जहां बड़े मौके हैं, वहीं जोखिम भी कम नहीं हैं। हाल ही में जोमैटो, स्विगी और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की तेज डिलीवरी मॉडल को लेकर आलोचना भी हुई है। हालांकि रिलायंस का दावा है कि उसका क्विक कॉमर्स बिजनेस पहले से ही मुनाफे में है।

नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी, बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी कर दिया है, इसके अंतर्गत देश के बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और सुधारों की योजना तैयार की गई है। पॉलिसी के अनुसार, 2032 तक 50 लाख करोड़ रुपये और 2047 तक 200 लाख करोड़ रुपये का निवेश पावर प्रोडक्शन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर्स में होगा। इस नई पॉलिसी का मकसद पावर सेक्टर को वित्तीय रूप से मजबूत बनाना, इस कारोबारी रूप से सस्टेनेबल करना और 2047 तक प्रति व्यक्ति बिजली खपत को 4,000 यूनिट (किलोवॉट प्रतिघंटा) तक पहुंचाना है। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाने पर जोर है। ड्राफ्ट पॉलिसी में बताया गया है कि देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर वर्तमान में करीब 6.9 लाख करोड़ रुपये का घाटा है और उनका कुल बकाया कर्ज 7.18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पॉलिसी में माना गया है कि मौजूदा बिजली दरें लागत के अनुरूप नहीं हैं और क्रॉस-सब्सिडी के कारण उद्योगों को महंगी बिजली मिल रही है, जिससे भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा कमजोर हो रही है। नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी के तहत केंद्र सरकार ने पावर डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर में एकाधिकार को खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए एक ही इलाके में एक से ज्यादा बिजली सप्लायरों को अनुमति देने, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को बढ़ावा देने और स्ट्रिब्यूशन कंपनियों को शेयर बाजार में सूची करने की योजना है। ड्राफ्ट में बताया गया हैं कि हर वित्त वर्ष की शुरुआत से पहले टैरिफ ऑर्डर जारी होना अनिवार्य होगा। बीते साल के खर्चों का समायोजन उसी वित्त वर्ष में होगा और डिस्ट्रिब्यूशन व सप्लाई टैरिफ को अलग-अलग दिखाया जाएगा। नियामकीय प्रक्रिया को 120 दिनों के भीतर पूरा करने की व्यवस्था का भी प्रस्ताव है। पॉलिसी के मुताबिक, वित्तीय साल 27 से बिजली दरें पूरी तरह लागत आधारित होंगी और रेगुलेटरी एसेट बनाने से बचा जाएगा। अगर राज्य नियामक आयोग समय पर टैरिफ तय नहीं करता है, तब दरों में ऑटोमैटिक सालाना संशोधन लागू हो सकेगा। इसके अलावा, बिजली खरीद लागत में बढ़ोतरी को हर महीने सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और कीमतों में उतार-चढ़ाव को संभालने के लिए स्टेबलाइजेशन फंड बनाने का सुझाव दिया गया है।

कमजोर डॉलर और ग्रीनलैंड संकट ने आसमान पर पहुंचाए दाम

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

सोने-चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड!

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतें ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ग्रीनलैंड संकट पर बढ़ते तनाव के बीच मजबूत सेफ-हेवन मांग से दोनों महंगी धातुओं के दाम में जमकर इजाफा हुआ। जापानी सरकारी बांडों में मंदी से अतिरिक्त समर्थन मिला। बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 151,575 पर खुली जबकि पिछले सत्र में यह 150,565 थी। कीमती धातु आज 153,831 प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। बुधवार को एमसीएक्स पर 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 322,566 से शुरू हुई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 323,672 थी। सफेद धातु आज 1 किलोग्राम के लिए 326,487 की नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गई। अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 के मध्य तक 1,90,000 के स्तर को छू सकता है।

ग्लोबल टेंशन और ग्रीनलैंड विवाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी

भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत

में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का आरबीआई) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

निफ्टी का रुझान कमजोर, गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की दी सलाह जो मजबूत तेजी में है

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कमजोरी के संकेत और गहरे होते नजर आ रहे हैं। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी इंडेक्स ने 25,473 के अहम स्तर को मजबूती से तोड़ दिया, जिसे तकनीकी रूप से एक बड़ा सपोर्ट माना जा रहा था। अब निफ्टी 200 दिन के मूविंग एवरेज के बेहद करीब पहुंच गया है, जो करीब 25,160 से 25,113 के बीच है। यह स्तर फिलहाल आखिरी बड़ा तकनीकी सहारा माना जा रहा है। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज के सीनियर टेक्निकल और डेरिवेटिव एनालिस्ट के मुताबिक सभी टाइम फ्रेम पर निफ्टी का रुझान कमजोर बना हुआ है। अगर इंडेक्स 200डीएमए के नीचे चला जाता है, तो इसमें और बिकवाली देखने को मिल सकती है और निफ्टी 24,800 से 24,900 के स्तर तक जा सकता है। वहीं, अगर बाजार में थोड़ी रिकवरी आती है, तो 25,470 से 25,500 का दायरा अब रेजिस्टेंस के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा बाजार हालात में गोल्ड एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की सलाह दी है। यह ईटीएफ इस समय मजबूत तेजी में है और सभी अहम मूविंग एवरेज के ऊपर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही वॉल्यूम में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। उनका कहना है कि बीते डेढ़ साल से गोल्ड एसेट क्लास लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। गोल्ड ईटीएफ में 129.58 के आसपास खरीदारी की सलाह दी गई है। इसमें स्टॉप लॉस 125 रखा गया है, जबकि ऊपर की ओर 136 का लक्ष्य बताया गया है। फिन निफ्टी इंडेक्स को लेकर एक्सपर्ट ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। विनय रजानी के मुताबिक फिन निफ्टी ने डेली चार्ट पर एक बेयरिश हेड एंड शोल्डर पैटर्न से ब्रेकडाउन दिया है, जो कमजोरी का संकेत है। इसके साथ ही इंडेक्स ने 50 डीईएमए का सपोर्ट भी तोड़ दिया है और इस गिरावट के दौरान वॉल्यूम ज्यादा रहा है, जिससे कमजोरी की पुष्टि होती है। उन्होंने फिन निफ्टी जनवरी फ्यूचर्स में 27,200 के स्तर पर बिकवाली की सलाह दी है। इसमें 27,350 का स्टॉप लॉस रखने को कहा गया है, जबकि गिरावट में 27,000 का लक्ष्य दिया गया है।

जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा

-ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाया, मिल सकता है 30 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। तेल से लेकर रिटेल सेक्टर की कंपनी के शेयर बीएसई पर 1.4 फीसदी गिरकर 1391 रुपए पर बंद हुए। यह सेंसेक्स के सबसे ज्यादा गिरावट में रहने वाले शेयरों में शामिल रहा और इंडेक्स के सबसे बड़े नेगेटिव कंट्रीब्यूटर में से एक रहा। शेयर में जारी उतार-चढ़ाव के बीच ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर बुलिश आउटलुक दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा। सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज पर बाय' की रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1800 रुपए कर दिया है। इस तरह मौजूदा भाव से करीब 30 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 1393 रुपए पर बंद हुए थे। ब्रोकरेज ने रिपोर्ट में कहा है कि जियो की लिस्टिंग साल 2026 के मध्य तक हो सकती है और यह इस साल कंपनी के लिए एक अहम घटना साबित होगी। ब्रोकरेज के मुताबिक मार्च 2027 तक रिलायंस के दूरसंचार कारोबार जियो का एंटरप्राइज वैल्यू करीब 161 अरब डॉलर आंका गया है। वहीं मार्च 2028 तक यह बढ़कर 190 अरब डॉलर हो सकता है। यह वैल्यूएशन वैश्विक कंपनियों की तुलना में 15 फीसदी प्रीमियम पर किया गया है, जिसमें फ्री कैश फ्लो को मुख्य आधार माना गया है। हालांकि ब्रोकरेज ने नए एनर्जी बिजनेस के लिए अपने मल्टिपल घटा दिए हैं। साथ ही रिटेल कारोबार के वैल्यूएशन में भी कटौती की है, जिसे दो साल पहले हुई हिस्सेदारी बिक्री के इक्विटी मूल्य से करीब 10 फीसदी कम माना गया है। ब्रोकरेज का कहना है कि क्विक कॉमर्स, एफएमसीजी और मीडिया कारोबार में संभावित बढ़त से भी कंपनी को अतिरिक्त मूल्य मिल सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का अक्टूबर-दिसंबर अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 18,645 करोड़ रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 18,540 करोड़ था। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसका ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 2.43 लाख करोड़ रुपए था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम और डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स ने दिसंबर तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बताया था कि बीते साल की समान तिमाही के मुकाबले उसका कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11.3 फीसदी बढ़कर 7,629 करोड़ रुपए पहुंच गया।

भारत पर लगे 50 फीसदी टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई

-भारतीय निर्यातकों ने अमेरिका भेजे जाने वाले सामान की मात्रा घटाई

नई दिल्ली। अमेरिका ने जब भारत से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, तो माना जा रहा था कि भारतीय निर्यातक दबाव में कीमतें घटा देंगे, लेकिन यह गलत साबित हुआ। भारतीय निर्यातकों ने अपने दाम जस के तस रखे। घाटा उठाने के बजाय उन्होंने अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान की मात्रा ही कम कर दी। जर्मनी की नई रिसर्च बताती है कि अमेरिका जाने वाला भारतीय निर्यात 18 से 24 फीसदी तक घट गया। इसके उलट यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे दूसरे बाजारों में भारतीय निर्यात पर टैरिफ की मार नहीं पड़ी। इससे यह साफ हो गया कि टैरिफ का असर कीमतों पर नहीं बल्कि व्यापार की मात्रा पर पड़ा। रिसर्च में सबसे अहम सुराग कीमतों से मिला। अगर भारतीय निर्यातक टैरिफ का बोझ खुद उठा रहे होते, तो अमेरिका भेजे गए सामान के दाम दूसरे देशों के मुकाबले गिरते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और यूरोपीय संघ, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया को भेजे गए भारतीय सामान के दाम करीब एक जैसे रहे। इसका मतलब साफ है कि टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई। हालांकि यह तस्वीर भारत को राहत देने वाली नहीं है। दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात साल दर साल 1.83 फीसदी घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। इससे भी बड़ा झटका जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर को लगा, जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच निर्यात 44 फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कील इंस्टीट्यूट ने जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच दुनिया भर के 2.5 करोड़ से ज्यादा व्यापारिक सौदों और करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के कारोबार का विश्लेषण किया। अध्ययन में सामने आया कि वैश्विक स्तर पर लगाए गए टैरिफ का सिर्फ 4 फीसदी बोझ निर्यातकों ने झेला, जबकि पूरे 96 फीसदी की कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 270, निफ्टी 75 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी सरकार के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से टकराव की आशंका से भी आई है। इससे घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है क्योंकि निवेशकों ने दूरी बरतना जारी रखा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 270.84 अंक टूटकर 81,909.63 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 75 अंक नीचे आकर 25,157.50 पर बंद हुआ। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, डिफेंस, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स के शेयर नीचे आये। इन सभी में 1.66 फीसदी की गिरावट रहीं। वहीं दूसरी ओर धातु, ऑयलएंडगैस, इन्फ्रा, एनर्जी और कमोडिटीज के शेयरों में खरीददारी हावी रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 661.70 अंक नीचे आकर 57,423.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 149.85 अंक नीचे आकर 16,551.20 पर रहा। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे जबकि आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, मारुति सुजुकी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे। बाजार में बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में बढ़ने वाले शेयरों की संख्या 1,437 और गिरने वाले शेयरों की संख्या 2,831 और 137 शेयर बिना

किसी बदलाव के बंद हुए।।

इससे पहले आज सुबह गिरावट पर खुला। सुबह सेंसेक्स 81,794 अंक पर खुला। सुबह यह 92.99 अंक बढ़कर 82,273.46 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी 25,141 अंक पर खुला। शुरुआत में ये 4.20 अंक की गिरावट के साथ 25,228.30 पर था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में गिरावट में रहे। इसकी कारण ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका द्वारा यूरोपीय देशों को दी गई धमकी है। इससे जापान का निक्केई इंडेक्स 0.35 फीसदी टूटा। अमेरिका ने आठ यूरोपीय देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो 1 फरवरी से लागू होगा और अगर ये ग्रीनलैंड मामले में विरोध करते रहे तो ये जून में बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा। वॉल स्ट्रीट में भी गिरावट रही। बाजार में उतार-चढ़ाव नवंबर के बाद सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गया। एसएंडपी 500 और नैस्डैक दोनों इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा टूटकर बंद हुए। अब सभी की नजरे दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर है। यहां दुनिया भर के नेताओं ने अमेरिका का विरोध किया है।

रुपया डॉलर के मुकाबले फिर धड़ाम, 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

डॉलर के मुकाबले 91.73 पर पहुंचा रुपया

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में सतर्कता और डॉलर की मजबूत मांग के बीच बुधवार को भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तेज गिरावट के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 91.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों का कहना है कि रुपये ने 16 दिसंबर, 2025 को अपना अब तक का सबसे निचला स्तर 91.14 दर्ज किया था और इस महीने अब तक स्थानीय मुद्रा में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है।

फॉरेक्स कारोबारियों के अनुसार, बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और अमेरिका से मिल रहे विस्तारवादी संकेतों के चलते निवेशकों में जोखिम से बचने का रुख बढ़ा है। इसका दबाव उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर बना हुआ है, जिसमें भारतीय रुपया भी शामिल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दिन के निचले स्तर 91.74 तक गिर गया। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 90.97 पर बंद हुआ।

रुपया क्यों हो रहा कमजोर?

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पबारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा व्यापार युद्ध की बयानबाजी को फिर से शुरू करने और ग्रीनलैंड पर अपना दबाव बढ़ाने से बाजार पहले से ही अस्थिर थे।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि डॉलर लगातार दूसरे दिन कमजोर हुआ। यह इस बात का संकेत है कि निवेशक न केवल जोखिम बल्कि दिशा पर भी सवाल उठा रहे हैं। पबारी ने आगे कहा कि लगातार वैश्विक बेचैनी, साथ ही 91.07 से ऊपर लगातार गिरावट, धीरे-धीरे 91.70-92.00 क्षेत्र की ओर द्वार खोल सकती है, जब तक कि आरबीआई के सक्रिय हस्तक्षेप द्वारा इसे रोका न जाए। उन्होंने कहा कि नकारात्मक गिरावट की ओर देखें तो, किसी भी सुधारात्मक गिरावट को 90.30-90.50 के दायरे में पहला समर्थन मिलने की संभावना है। इस बीच, डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापता है, 0.02 प्रतिशत गिरकर 98.61 पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया फर्क

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल क्रूड की कीमतों में आये बदलाव से देश भर में पेट्रोल डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गयी हैं जिससे घरेल बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 14 पैसे बढीं हैं जिससे ये 94.88 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल की कीमतों में भी 17 पैसे की बढ़त रही जिससे ये 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 12 पैसे कम हुई हैं जिससे ये 94.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे सस्ता होने के बाद 87.67 रुपये लीटर आ गया जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमतें 20 पैसे बढ़ी जिससे ये 105.73 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर डीजल की कीमतें 19 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 91.96 रुपये लीटर आ गयी हैं कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में गिरावट रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 डॉलर गिरकर 64.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव करीब 0.90 डॉलर बढ़त के साथ 60.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर।

भाजपा अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन की ताजपोशी, पटना समेत पूरे बिहार में जश्न

राष्ट्र प्रथम के संकल्प से प्रेरित होकर निरंतर आगे बढ़ रही भाजपा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर आज बांकीपुर सीट से पांच बार के विधायक रहे नितिन नवीन के नाम की घोषणा की गई है। पीएम मोदी ने उनका माल्यापर्ण कर उन्हें बधाई दी। सोमवार को उन्होंने एकल नामांकन किया। आज उन्हें निर्विरोध भाजपा अध्यक्ष चुन लिया गया। उनकी ताजपोशी को लेकर पटना समेत बिहार के सभी भाजपा कार्यालयों जश्न का माहौल है। पटना में भाजपा की ओर से खास तैयारी की गई है। बिहार भाजपा की ओर से कहा गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम के अवसर पर पटना शहर में तीन प्रमुख स्थानों तीन टेलर रोड, मौर्या लोक एवं न्यू मार्केट (पिलर नंबर 7 के समीप) पर बड़े डिजिटल बोर्डों के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। पटना प्रदेश कार्यालय समेत पूरे बिहार के भाजपा कार्यकर्ता जश्न मनाते दिखे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि 15 जनवरी को जब घोषणा हुई, तब तक नितिन नवीन देश के नेता बन चुके थे, आज वह औपचारिक रूप से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। पहली बार बिहार से कोई व्यक्ति विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना है। यह अत्यंत प्रसन्नता का क्षण है और सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। हम बेहद खुश हैं क्योंकि आज वह व्यक्ति जिसके साथ हमने 20 वर्षों तक काम किया है, हमारी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना है।बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि व्यक्ति से बड़ा संगठन और संगठन से बड़ा देशह्व की राष्ट्रभावना को आत्मसात करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि वह केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा है, जिसकी नींव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान मनीषियों ने रखी। पार्टी के अनुसार भाजपा में राजनीति सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का पवित्र अनुष्ठान है, जहां नेतृत्व वंश परंपरा से नहीं बल्कि कार्यकताओं के निरंतर परिश्रम, त्याग और अटूट प्रतिबद्धता से उभरता है। इसी संगठनात्मक परंपरा और सामूहिक सोच का परिणाम है कि नितिन नवीन को राष्ट्रीय नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अध्यक्ष बनते ही नितिन नवीन के शब्दों में आया गजब का बदलाव

भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पदभार संभालते ही अपनी शैली और शब्दों में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत दिया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। पार्टी नेतृत्व में शामिल इस युवा चेहरे के आगमन के बाद बोलचाल की भाषा, संगठनात्मक रुख और रणनीतिक संवाद में बदलाव दिख रहा है, जिसने कार्यकताओं और विश्लेषकों दोनों का ध्यान खींचा है। नितिन नवीन को 20 जनवरी 2026 को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। वे पार्टी के सबसे युवा अध्यक्ष के रूप में इतिहास रचते हैं, जो पार्टी के नए युग का प्रतीक माने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर उन्हें ह्यमिलेनियल बॉसह्व कहा और स्पष्ट किया कि पार्टी के मामलों में अब नितिन नवीन की बात सर्वोपरि है। नवीन के भाषणों में भी आम राजनीतिक भाषणों की तुलना में अलग टोन दिखाई दे रहा है। उन्होंने तर्कोचित, स्पष्ट और काम-केंद्रित शब्दों का प्रयोग बढ़ाया है, जो संगठन के भीतर नई ऊर्जा और तेजी को दशार्ता है। यह परिवर्तन सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि उनकी

रणनीति और नजरिए में भी झलकता है, संगठन को चुनावी मोड में डालते हुए उन्होंने पहले ही दिन चुनावी तैयारियों की दिशा में कदम बढ़ा दिए। विशेषज्ञों का मानना है कि नितिन नवीन का यह बदलाव पार्टी को समीकरणों के बदलते परिदृश्य में नई पहचान देने की योजना का हिस्सा है। युवा कार्यकताओं के बीच उनकी लोकप्रियता और बिहार सहित अन्य राज्यों में उनके प्रभाव के कारण भी यह बदलाव रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, नितिन नवीन ने अपने अभिवादन, भाषण और संगठन के फैसलों में एक नई गंभीरता व स्पष्टता दिखाई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि पार्टी अब अधिक प्रेरित, अधिक संगठित और चुनावी मोर्चे पर अधिक आक्रामक होगी। इस बदलाव को भाजपा के नए नेतृत्व की ऊर्जा और बदलाव की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है।

निगरानी की बड़ी कार्रवाई

15 हजार रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

अररिया। जिले के नरपतगंज अंचल कार्यालय स्थित हल्का कचहरी में मंगलवार शाम भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष निगरानी इकाई, पटना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरही पंचायत में तैनात राजस्व कर्मचारी मोहम्मद इम्तियाज आलम को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी राजस्व कर्मचारी रामघाट वार्ड संख्या-14 निवासी किसान कमलेश्वरी यादव से जमीन परिमार्जन (नाम और रकबा सुधार) के नाम पर लगातार अवैध राशि की मांग कर रहा था। पीड़ित किसान ने बताया कि इससे पहले भी कर्मचारी को पैसे दिए गए थे, इसके बावजूद काम नहीं किया गया।किसान कमलेश्वरी यादव के अनुसार, रिश्वत देने के बाद भी जब काम नहीं हुआ तो आरोपी कर्मचारी ने फिर से 20 हजार रुपये की अतिरिक्त मांग कर दी। लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर किसान ने निगरानी विभाग का दरवाजा खटखटाया। पीड़ित किसान पटना पहुंचा और विशेष निगरानी इकाई, पटना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने योजना बनाकर जाल बिछाया और आरोपी को पकड़ने की कार्रवाई की। मंगलवार की शाम जैसे ही मोहम्मद इम्तियाज आलम ने 15 हजार रुपये रिश्वत की राशि ली, मौके पर मौजूद निगरानी टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे पटना ले जाया गया।इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व विशेष निगरानी इकाई पटना के डीएसपी संजय कुमार वर्मा कर रहे थे।

जमीनी विवाद में पति-पत्नी घायल

मुंगेर। जिले के असरगंज थाना क्षेत्र के सजुआ गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष के पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को असरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक डॉ. निधि कुमारी ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायल महिला की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर स्थित मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान सजुआ गांव निवासी 43 वर्षीय राजन यादव और उनकी 30 वर्षीय पत्नी अंशु कुमारी के रूप में हुई है।

संक्षिप्त डायरी

बक्सर सदर अस्पताल में महिला की मौत पर हंगामा

बक्सर। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान 27 वर्षीय महिला की मौत हो गई। परिजन ने डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सासाराम-बक्सर मुख्य मार्ग को 9 घंटे तक जाम रखा। बुधवार की सुबह दरोगा परीक्षा को लेकर जाम में फंसे अभ्यर्थियों के रिक्वेस्ट पर आक्रोशित लोगों ने सड़क से जाम हटाया। इसके बाद स्टेट हाइवे पर आवागमन बहाल किया गया। इस दौरान परीक्षार्थी से लेकर स्कूली बच्चे और कार्यालय जाने वाले लोग जाम में फंसे थे। मृतका की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव के निवासी राजेश कुमार सिंह की पत्नी हैवंती देवी के रूप में हुई है। उसके पति राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार रात करीब 11 बजे उनकी पत्नी को अचानक उल्टी और बार-बार दस्त होने लगा। गंभीर हालत में उन्हें बक्सर सदर अस्पताल लाया गया। इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर सरस्वती चंद्र मिश्रा ने प्राथमिक जांच के बाद पर्ची लिखी, जिसके आधार पर सहायक स्टाफ ने दो इंजेक्शन दिए। राजेश सिंह का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के बाद उनकी पत्नी की हालत और बिगड़ गई। इसके बाद डॉक्टर ने दोबारा ठीक से जांच नहीं की और मरीज को कहीं और ले जाने को कहा। इसी दौरान देवंती देवी की मौत हो गई। राजेश सिंह ने कहा कि उनके तीन छोटे बच्चे हैं और पत्नी की मौत डॉक्टरों की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने भावुक होकर बताया कि अगर समय पर सही इलाज मिलता तो उनकी पत्नी की जान बच सकती थी। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के सामने मुख्य सड़क को जाम कर दिया। आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर अस्पताल का स्ट्रेचर, पास की दुकानों के बेंच और अन्य सामान रखकर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया और धरने पर बैठ गए। वे दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और उनका कहना है कि जब तक कार्रवाई नहीं होती, वे सड़क से नहीं हटेंगे। वहीं, आक्रोश से बचने के लिए संबंधित डॉक्टर फिलहाल अस्पताल से निकल गए हैं।

समस्तीपुर में पूर्व भाजपा प्रवक्ता अरेस्ट

समस्तीपुर। हरियाणा एसटीएफ और बिहार STF की टीम ने कार्रवाई की है। भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता पंकज कुमार लाल के आवास पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। उनके आवास से जाली नोट भी मिला है। हालांकि, कितने रुपए का जाली नोट मिला है। ये अभी साफ नहीं है। डीएसपी ने बताया है कि ये 30 हजार रुपए लेकर एक लाख के जाली नोट देता था। बता दें कि कार्रवाई जाली नोट डबलिंग रैकेट से जुड़े एक मामले में की गई है। मामला दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र के अजनौल गांव का है। सूत्रों के अनुसार, हरियाणा में जाली नोट के जरिए रुपए दोगुना करने के नाम पर ठगी और बाद में लूट की एक घटना में शामिल था। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में पंकज कुमार लाल का नाम सामने आया है। चुनाव से पहले हरियाणा में ठगी हुई थी। एक व्यक्ति को 2 लाख रुपए के बदले 4 लाख रुपए देने का वादा किया गया था। लेनदेन के बाद रास्ते में लूट की वारदात हुई।पूर्व भाजपा प्रवक्ता ने 2 साल पहले 3 करोड़ की जमीन खरीदी थी। छापेमारी के दौरान हरियाणा एसटीएफ, बिहार एसटीएफ और स्थानीय थाना पुलिस की टीम सुबह से ही अजनौल में मौजूद रही।

गोपालगंज में नवविवाहिता की मौत: जहर खाने से गई जान

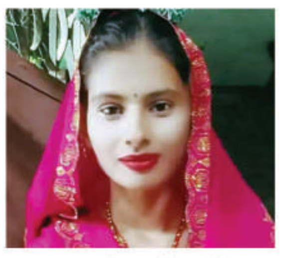

गोपालगंज। जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के गंगवा गांव में जहर खाने से एक नवविवाहिता की मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान गंगवा गांव निवासी शहीद आलम की 30 वर्षीय पत्नी नईमा खातून के रूप में हुई है। इस घटना के बाद नईमा के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, सिधवलिया थाना क्षेत्र के शाहपुर विशुनपुरा गांव निवासी मुबारक मियां ने अपनी बेटी नईमा खातून की शादी दो साल पहले गंगवा गांव निवासी शहीद आलम से की थी। शादी के बाद शुरूआती समय में सब कुछ सामान्य था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से नईमा का अपनी जेठानी और भसुर के साथ घरेलू विवाद चल रहा था। नईमा के पति विदेश में रहते हैं। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले नईमा खातून अपने मायके गई थी और सोमवार को ही ससुराल लौटी थी। घर पहुंचने पर आरोप है कि उसकी जेठानी ने उसके साथ मारपीट की। नईमा ने फोन पर अपनी मां नजमुन खातून को इस घटना की जानकारी दी थी। इसके कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई। नईमा की जेठानी के बेटे ने उसके मायके वालों को फोन कर बताया कि उसकी तबीयत खराब है। सूचना पाकर जब नईमा की मां और तीन मामी मौके पर पहुंचीं, तब तक ससुराल के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो चुके थे। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। सदर एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि गंगवा गांव में एक महिला की मृत्यु की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए वह थानाध्यक्ष सिधवलिया के साथ पुलिस बल लेकर घटनास्थल पर पहुंचे।

समृद्धि यात्रा: सीएम नीतीश ने रोजगार, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुधार की गिनाई उपलब्धियां

गोपालगंज। सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा मंगलवार को गोपालगंज पहुंची। इस दौरान उन्होंने जिलेवासियों को कुल 352 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। बरौली प्रखंड के हाईस्कूल मैदान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में उन्हें सुनने और देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे। समृद्धि यात्रा के तहत मुख्यमंत्री ने कुल 325.48 करोड़ रुपये की योजनाओं से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया। इनमें 131.44 करोड़ रुपये की लागत से तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जबकि 194.04 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का शिलान्यास किया गया।जनसंवाद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आगामी पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का जो वादा किया गया था, उसे पूरा किया गया है। उनके अनुसार अब तक नौकरी और रोजगार पाने वालों की संख्या 40 से 50 लाख तक पहुंच चुकी है।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए लालू यादव की सरकार पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले बिहार में शाम के बाद लोग घर से बाहर निकलने में डरते थे। उस समय हिंदू-मुस्लिम विवाद, शिक्षा व्यवस्था की कमी, इलाज के इंतजामों की कमी और सड़कों की खराब स्थिति जैसी समस्याएं थीं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने के बाद इन सभी क्षेत्रों में सुधार किया गया।नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों को गिनाते हुए बताया कि वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण, 2013 में पुलिस में 35 प्रतिशत और 2016 में सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि आज बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर ह्यजीविकाह्व समूह की शुरूआत की गई थी, जिनकी संख्या अब बढ़कर एक करोड़ 40 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में हर महीने औसतन 39 मरीज ही इलाज के लिए आते थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर लगभग 11 हजार 600 हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले बिहार में केवल छह मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या अब 12 हो गई है और शेष 27 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं।

प्यार की कीमत बनी जान? पेड़ से लटका मिला विवाहिता का शव

पूर्णिया। जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बायसी थाना क्षेत्र के चरैया पंचायत में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद पूरे इलाके में हड़-कंप मच गया है। महिला का शव घर से करीब दो किलोमीटर दूर तालबारी सठियारा कब्रिस्तान के पास एक बेर के पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।घटना की सूचना मिलते ही बायसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति आदेश शर्मा को हिरासत में ले लिया है। मृतका की पहचान मल्हाटोली निवासी आदेश शर्मा की पत्नी पार्वती देवी (35 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना बायसी थाना अंतर्गत चरैया पंचायत की बताई जा रही है।परिजनों ने बताया कि पार्वती देवी की शादी करीब 25 साल पहले आदेश शर्मा के साथ हुई थी। शुरूआती वर्षों में दांपत्य जीवन सामान्य रहा। दंपती के चार बच्चे हैं, दो पुत्र और दो पुत्रियां। हालांकि, बीते 10 वर्षों से आदेश शर्मा का चरैया पंचायत की ही एक महिला के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी अवैध संबंध को लेकर घर में आए दिन विवाद और कलह होती रहती थी। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार की रात भी पति-पत्नी के बीच प्रेम प्रसंग को लेकर जमकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद सुबह होते ही यह खबर गांव में आग की तरह फैल गई कि पार्वती देवी का शव गांव से काफी दूर कब्रिस्तान के पास एक पेड़ से लटका मिला है।मृतका के मायके वालों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पार्वती देवी की पहले गला दबाकर हत्या की गई और फिर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को घर से दूर ले जाकर पेड़ पर लटका दिया गया। मृतका के पिता और भाइयों ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है और आरोपी पति के साथ उसकी प्रेमिका पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस दर्दनाक घटना ने चार मासूम बच्चों के भविष्य पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

सनबाथ करते शेर-बाघ-भालू, जनवरी की ठंड में राजगीर जू सफारी बना पर्यटकों का हॉटस्पॉट

राजगीर। इन दिनों वाइल्ड लाइफ जू सफारी के विभिन्न जंगली जानवरों को जनवरी माह के सर्द गुलाबी ठंड में सनबाथ के साथ मखमली धूप सेंकते देखा जा सकता है। सनबाथ के दौरान शेर, बाघ, तेंदुआ, भालू और विभिन्न प्रजातियों के हिरणों के झूंडों का विहंगम दृश्य जू सफारी के आकर्षण में चार चांद लगा रहा है। प्रजनन, रेस्क्यू प्रक्रिया सह अनुकूल जलवायु से सफारी में जंगली जानवरों की संख्या में वृद्धि हो रही है तो वहीं शेर और दुर्लभ ब्लैक बक हिरणों के प्रजनन से वाइल्ड लाइफ जू सफारी जैव विविधता का सशक्त उदाहरण भी बन रहा है।गुनगुनी धूप में सनबाथ का आनन्द इन जानवरों को इतना बेफिक्र बना दिया है कि, आस पास से गुजरती पर्यटकों से भरी सफारी बस को नजरअंदाज करते दिख रहे हैं। वहीं शेर अपने परिवार तो भालू अपने साथियों के साथ बड़े मजे से इस मौसम का लुत्फ ले रहे हैं। पंच पर्वतीय वनक्षेत्र श्रृंखला की गोद में वाइल्ड लाइफ सेंचुरी राजगीर स्थित जू सफारी जैव विविधता संरक्षण का केंद्र बन रहा है। जहां जनन-प्रजनन, रेस्क्यू प्रक्रिया सह अनुकूलन वातावरण से सफारी में जंगली जानवरों की संख्या में वृद्धि हो रही है। पिछले वर्ष 2024 जनवरी में ब्लैक बक (काला हिरण) के शावक, तो वर्ष 2025 को नए मेहमानों में तेंदुआ शावक के रूप में दो शावकों को वाइल्ड लाइफ जू सफारी इनक्लोजर में छोड़ा गया है। इसी प्रकार से विभिन्न प्रजातियों के हिरणों में जारी प्रजनन से इन हिरणों की संख्या भी तेजी बढ़ रही है। जिसमें वाइल्ड लाइफ जू सफारी प्रबंधन द्वारा अनुकूलन वातावरण सह संरक्षण की अहम भूमिका है। इस अनुकूल वातावरण में इन दिनों धूप सेंकते हिरणों के झुंड का विहंगम दृश्य सफारी भ्रमण को नयनाभिराम बना रही है। बता दें कि बीते वर्ष 2023 के 04 सितंबर को बेतिया नामक मादा तेंदुए ने दो में से एक नर तो दूसरा मादा शावकों को जन्म दिया था। जन्म के वर्ष भर बाद इन दोनों शावकों को जू सफारी के इनक्लोजर में उतारा गया है। जहां इन दोनों की मासूमियत भरी अठखेलियां पर्यटकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। अब जू सफारी के कार्निवरस (मांसाहारी) तथा हार्बीवरस (शाकाहारी) सफारी में जंगली जानवरों में प्रजनन से राजगीर वन्य प्राणी आश्रयणी सह अभयारण्य में बायोडायवर्सिटी यानी जैव विविधता प्रणाली बेहद मजबूत हो रहा है। बता दें कि सफारी के पांच विभिन्न जंगली जानवरों में बियर सफारी में भालुओं की संख्या अभी 10 है। इन स्लॉथ प्रजाति के भालुओं को तमाशे वाले मदारी से रेस्क्यू कर तथा पटना जू से यहां लाया गया है। जिसमें भालूओं में भोला, पवन, ब्रज, बुद्धन नामक नर तथा सुंदरी, पवनी, नूर व बुद्धनी नामक मादा भालूओं को जोड़कर इनकी संख्या कुल 10 हो गई है। जबकि लेपर्ड सफारी में विराट, लैला व सुल्तान नामक तीन वयस्क तेंदुआ व दो शावको से तेंदुआ सफारी में इनकी संख्या पांच हो गई है। जबकि टाईगर सफारी में बाघ, बघीरा व अर्जुन नामक नर तथा स्वर्णा एवं देवी नामक मादा बाघ से इनकी संख्या पांच है। वहीं लायन सफारी में विशाल नामक नर तथा एल-वन, एल-टू तथा एल-फाइव नामक तीन मादा शेरनियां और दो शावकों को मिलाकर शेर नौ की संख्या में हैं।

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले पुलिस की गाड़ी लेकर भागा शराबी

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक रात पहले पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव उस वक्त फूल गए, जब सुरक्षा में लगी एक सरकारी गाड़ी चोरी हो गई। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस पुलिस पर जिले की सुरक्षा का जिम्मा था, एक शराबी युवक उनकी आंखों के सामने से ही सरकारी टाटा सूमो लेकर फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-709बी के वंदना चौक पर ट्रैफिक पुलिस की गाड़ी खड़ी थी। तभी एक नशे में धुत युवक वहां पहुंचा और मौका पाकर ड्राइवर की सीट पर बैठ गया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह गाड़ी स्टार्ट कर रफूचक्कर हो गया। अपने सामने ही सरकारी गाड़ी को चोरी होते देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत हाईवे पर फिल्मी अंदाज में पीछा शुरू हुआ। शराबी युवक गाड़ी को मेरठ-बागपत हाईवे की तरफ तेज रफ्तार में दौड़ाता रहा। पुलिस की टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी, लेकिन कुछ दूरी पर जाकर युवक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित टाटा सूमो सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का अगला हिस्सा और सरकारी गाड़ी दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद युवक घायल होकर बेहोश हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और राहत की सांस ली। डिप्टी सीएम के संवेदनशील दौरे से पहले हुई इस चूक ने विभाग के भीतर खलबली मचा दी है।

पान मसाला विज्ञापन को लेकर सलमान कोर्ट में नहीं हुए पेश, अगली सुनवाई 5 को

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड के भाईजान और सुपरस्टार सलमान खान के खिलाफ पान मसाला का विज्ञापन को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप लगाए थे और कहा था सलमान खान और पान मसाला कंपनी जनता को

गुमराह कर रही है, क्योंकि 5 रुपए के पाउच में असली केसर का इस्तेमाल मुमकिन नहीं है। वहीं, इस मामले में मंगलवार को कोटा कंज्यूमर कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन सलमान खान अदालत में पेश नहीं हुए। अब अगली सुनवाई 5 फरवरी को तय की है और शिकायतकर्ता ने एक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए जाने की गुहार लगाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला बीजेपी नेता इंद्र मोहन सिंह हनी द्वारा दायर किया गया है। वकिल रिपु दमन सिंह ने बताया कि कोर्ट ने 26 दिसंबर को आदेश दिया था कि सलमान खान 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश हों, लेकिन वे नहीं आए। परिवादी पक्ष ने कोर्ट को बताया कि इसी तरह के एक मामले में 15 जनवरी को जयपुर उपभोक्ता आयोग ने भी सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। बता दें अब न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी तय की है। साथ ही पहले फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हस्ताक्षरों की रसीद भी अगली तारीख पर पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सोशल मीडिया पर वजन घटाने का उपाय... 24 घंटे में चली गई 19 साल की लड़की की जान

मदुरै (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर वजन घटाने के उपाय लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन हाल ही में ऐसा ही एक उपाय एक छात्रा की जान का कारण बन गया। 19 वर्षीय कलैयारसी, जो सेलूर के मीनाम्बलपुरम की रहने वाली थी और नरिमेडु स्थित एक निजी महिला कॉलेज में स्नातक की प्रथम वर्ष की छात्रा थी, ने वजन कम करने के लिए इंटरनेट पर एक यूट्यूब वीडियो में बताए गए तरीके का सहारा लिया। वीडियो में 'वेंकारम' (बोरेक्स) के सेवन से वजन घटाने की सलाह दी गई थी। पुलिस के अनुसार, कलैयारसी ने 16 जनवरी को लोकल दवा की दुकान से यह पदार्थ खरीदा और अगले दिन वीडियो के अनुसार इसका सेवन किया। इसके तुरंत बाद युवती को उल्टी और दस्त शुरू हो गए। उसकी मां ने निजी अस्पताल ले जाया, जहां उपचार के बाद लड़की को घर भेज दिया गया। शाम को लक्षण फिर उभरे और पास के एक अन्य अस्पताल में इलाज के बाद घर लौटने पर तेज पेट दर्द और मल में खून आने की शिकायत हुई। इसके बाद रात करीब 11 बजे उसकी हालत गंभीर हो गई। पड़ोसियों की मदद से सरकारी राजाजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेताया है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट पर वजन घटाने के लिए साझा किए जाने वाले उपाय अक्सर खतरनाक हो सकते हैं और किसी भी दवा या पदार्थ का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। इस दुखद घटना ने लोगों के लिए एक गंभीर संदेश छोड़ा है कि स्वास्थ्य संबंधी सलाह केवल प्रमाणित स्रोतों से ही ली जानी चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी, सुरक्षा को बढ़ाया गया

पुरी(एजेंसी)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी मिलने के बाद मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑनलाइन पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि फेसबुक संदेश में बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सदस्य सुभाषीश खुंटिया और तीर्थ नगरी पुरी के एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर हमले की धमकी भी दी गई थी। अधिकारी के अनुसार, जिस महिला के अकाउंट से पोस्ट की गई थी, उस महिला ने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इंकार कर दावा किया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी यूजर आईडी बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की होगी। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए पकड़ा है।

होली के त्यौहार के मौके पर महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी रेखा सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्यौहार के मौके पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। होली और दीपावली के मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराना, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा था।

अंतरिक्ष यात्री विलियम्स ने की कल्पना चावला की मां से मुलाकात तो भर आईं आंखें

-दोनों ने एक-दूसरे के गले लगकर स्वागत किया और पुरानी यादें की ताजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के परिवार से मुलाकात की। यह मुलाकात दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि यादों और साझा विरासतों का एक भावुक संगम था। सुनीता दिल्ली में कल्पना चावला की 90 साल की मां, संजोगता खरबंदा और उनकी बहन दीपा से मिलीं। जैसे ही सुनीता ने कल्पना की मां को गले लगाया, कमरे में सन्नाटा छा गया और आंखें नम हो गईं। दोनों ने एक-दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी।

बता दें दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया। सुनीता विलियम्स (60) ने मंगलवार को दिल्ली स्थित 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' नामक एक संवाद सत्र में भाग लिया था। करीब एक घंटे के इस कार्यक्रम के खत्म होते ही विलियम्स मंच से नीचे उतरीं और सभागार में पहली पंक्ति में बैठी कल्पना चावला की मां संयोगिता चावला की ओर बढ़ीं तथा उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। विलियम्स इस दौरान अपने चिरपरिचित अंतरिक्ष यात्री के लिबास में थीं।

उन्होंने कल्पना चावला की बहन दीपा से भी मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आई थीं। विलियम्स वर्तमान में भारत यात्रा पर हैं। वह 22 जनवरी से शुरू होने वाले केरल साहित्य महोत्सव के नौवें संस्करण में भाग लेने वाली हैं। आयोजकों ने दिसंबर के अंत में इसकी घोषणा की थी।

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कप्तान सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनियाई थीं। अपने संबोधन में सुनीता ने यह भी कहा कि भारत आने पर घर वापसी जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। बाद में चावला की मां ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह (विलियम्स) परिवार के सदस्य की तरह हैं। कल्पना चावला की मां ने कहा कि कोलंबिया हादसे के बाद ''वह तीन महीने तक हमारे घर आती रहीं। नियमित रूप से सुबह से रात तक रुकती थीं और ''शोक में डूबे हमारे परिवार'' को सांत्वना देती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि विलियम्स और चावला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर एक-दूसरे को अपने साझा पेशे में और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया करती थीं।

अपनी बेटी के जीवन को याद करते हुए कल्पना की मां ने कहा कि वह अपने साथ अनमोल खजाना लेकर आई थी। उसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हम क्या कह सकते हैं? संयोगिता चावला ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कल्पना अक्सर कहा करती थी कि मानवता ही एकमात्र धर्म है और उसने कभी कोई दूसरा नाम नहीं लिया। जब हम उससे पूछते थे, तुम्हारा धर्म क्या है? तो वह कहती थी, 'मेरा धर्म कर्म है'।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, 10 दिन में पांचवीं घटना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मंगलवार देर रात एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। ड्रोन दिखते ही भारतीय सेना ने तुरंत अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान पकड़ा गया। जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। बीते 10 दिनों में सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास ड्रोन देखे जाने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले 17 जनवरी को रामगढ़ सेक्टर में, 15 जनवरी को एक बार फिर रामगढ़ में, 13 जनवरी को राजौरी जिले में दो बार और 11 जनवरी को नौशेरा, धरमसाल, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एक साथ पांच ड्रोन देखे गए थे। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं को देखते हुए एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और चौकसी बढ़ा दी गई है। सेना और खुफिया एजेंसियां ड्रोन गतिविधियों के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

लिव-इन पर कोर्ट ने की अहम टिप्पणी: महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी का दर्जा मिले

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, कि ऐसे रिश्तों में रहने वाली महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा तभी मिल सकती है, जब उन्हें पत्नी के समान दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने माना कि मौजूदा कानूनी ढांचे में लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है, ऐसे में अदालत की जिम्मेदारी बनती है कि वह महिलाओं को संरक्षण प्रदान करे।

यह टिप्पणी जस्टिस एस. श्रीमथी ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। आरोपी पर आरोप था कि वह एक महिला के साथ पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहा और बाद में शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब रिश्ते में तनाव बढ़ा तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में पुरुषों की मानसिकता पर भी सख्त टिप्पणी की। जस्टिस श्रीमथी ने कहा कि कई पुरुष खुद को ÷मॉडर्न÷ दिखाने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं, लेकिन जब रिश्ता टूटता है तो वही पुरुष महिला के चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर स्पष्ट नियमों और सुरक्षा प्रावधानों का अभाव है।

अदालत ने यह भी कहा कि भारत में भले ही लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक तौर पर पूरी तरह स्वीकार नहीं किया गया हो, लेकिन यह अब एक आम वास्तविकता बन चुकी है। रिश्ते के दौरान पुरुष आधुनिक सोच का दावा करते हैं, लेकिन जब हालात बिगड़ते हैं तो महिलाओं को दोषी ठहराने और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने से पीछे नहीं हटते।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जो धोखे से शारीरिक संबंध बनाने से जुड़ी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा सर्वोपरि है।

पीठासीन अधिकारी का व्यवहार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सदन का समय बहुत कीमती होता है। ऐसे में जरूरी है कि सदन में संवाद हो। सहमति-असहमति हो पर गतिरोध नहीं होना चाहिए। सदन के अंदर सभी राजनीतिक दलों से इस बात की चर्चा होनी चाहिए कि कभी गतिरोध ना आए। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी के रूप में हमें निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को उप्र की राजधानी लखनऊ के विधान भवन में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि राज्य की विधानसभा ही है जिसके द्वारा अंतिम व्यक्ति की आवाज सदन में और सरकार तक पहुंचती है। जैसे न्यायालय के अंदर लोगों का विश्वास रहता है उसी तरह राज्य विधानमंडल में भी अगर सकारात्मक दृष्टिकोण से जनप्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे तो इन विधानसभाओं के माध्यम से परिणाम भी आएंगे। यह लोकतंत्र वही व्यवस्था है जिसमें सभा में होने वाली चर्चाओं से ठोस परिणाम निकलते हैं। इन्हीं संवादों और विमर्शों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाएं निरंतर सुदृढ़ होती हैं और समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करती हैं। आज जब हम यह संकल्प लेते हैं तो यह केवल एक विधायी संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में हम अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों के माध्यम से ÷विकसित भारत÷ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सभी माननीय सदस्य चर्चा, संवाद और विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी करें।

उन्होंने कहा कि विकास के लिए हमें यह विचार करना होगा कि संवाद और विमर्श के माध्यम से राज्य को किस प्रकार दिशा और आधार दिया जा सकता है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त बन सके। समाज की भूमिका इसमें मार्गदर्शक की होनी चाहिए और समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना और अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने लगातार यह प्रयास किया है कि लोकतांत्रिक सरकारें अधिक जवाबदेह बनें और शासन-प्रशासन से जुड़ी चुनौतियों को विधायी स्तर पर उठाया जाए। कई बार विधायी प्रक्रियाओं और विपक्ष की भूमिका को सशक्त करने के प्रयास किए गए हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। आने वाले समय में हम यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि राज्य की विधानसभा की न्यूनतम 30 दिन बैठकें हों, जिनमें सहमति और असहमति दोनों के माध्यम से जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हो।

उन्होंने कहा कि विधानसभा वह मंच है जहां आम नागरिक की आवाज लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से स्थापित होती है। मतदाता मतदान करने के बाद यह अपेक्षा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसकी समस्याओं और चुनौतियों को उठाएगा तथा उनके समाधान के लिए प्रयास करेगा। जिस प्रकार जनता का विश्वास न्यायालयों में है उसी प्रकार राज्य विधानमंडल पर भी जनता का अटूट विश्वास होना चाहिए कि उसकी बात यहां अवश्य सुनी जाएगी। हमने विधानसभा को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग बढ़ाया है। एआई और नवीन तकनीकों के माध्यम से पुरानी बहसों, चर्चाओं और निर्णयों को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाओं के बीच आपसी संवाद, विधायी सूचकांक, भागीदारी, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। नए नियम, नई प्रक्रियाएं और प्रभावी संसदीय समितियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाती हैं। संविधान के अधीन कार्य करते हुए यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनउत्तरदायित्व को सर्वोच्च स्थान दें।

एकनाथ शिंदे को एमएनएस के समर्थन पर बोले संजय राउत- यह राज ठाकरे का फैसला नहीं

मुंबई (एजेंसी)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दिए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस मुद्दे पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि यह फैसला एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे का नहीं, बल्कि पार्टी के स्थानीय नेताओं का है।

सांसद संजय राउत ने बुधवार 21 जनवरी को मीडिया से बातचीत में दावा किया कि राज ठाकरे इस घटनाक्रम से बेहद नाराज और व्यथित हैं। उन्होंने कहा, राज ठाकरे बहुत व्यथित हैं जिस तरह से स्थानीय नेताओं ने यह फैसला लिया है। उनका साफ कहना है कि इस फैसले में उनकी भूमिका नहीं है और न ही पार्टी की आधिकारिक भूमिका है। संजय राउत के मुताबिक, राज ठाकरे का मानना है कि यदि स्थानीय नेताओं ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर निर्णय लिया है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

संजय राउत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 पार्षद बीजेपी के साथ चले गए थे और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था, उसी तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में भी जो पार्टी के खिलाफ काम करता है, उसे बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कल्याण-डोंबिवली के घटनाक्रम को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्ता के लिए महाराष्ट्र के साथ बेईमानी करने वालों के साथ जो भी खड़ा होता है, जनता उसे भी बेईमान मानती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां के लोगों ने बहुत बड़ी गलती की है और इसका राजनीतिक खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में बहुमत के लिए 62 पार्षदों की जरूरत है। यहां शिवसेना के पास 52 और बीजेपी के पास 51 पार्षद हैं, जबकि एमएनएस के 5 पार्षद निर्णायक स्थिति में हैं। इसी कारण एमएनएस के समर्थन को सत्ता गठन के लिए अहम माना जा रहा है।

श्रीकांत बोले- महायुति की सत्ता बनेगी

वहीं, शिंदे गुट की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि एमएनएस ने महायुति को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी, शिवसेना, एमएनएस और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यहां महायुति की सत्ता बनेगी और विकास के लिए जो भी साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर नई बहस और हलचल पैदा कर दी है।

स्टालिन का बयान हेट स्पीच की श्रेणी वाला, मद्रास हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर चल रही राजनीतिक और कानूनी बहस के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने बुधवार को कहा कि मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला है और यह हेट स्पीच की श्रेणी में आती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के शब्दों का अर्थ जनसंहार की ओर इशारा करता है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म संबंधी बयान पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि मंत्री की टिप्पणी सनातन धर्म को मानने वालों के खिलाफ 'जनसंहार' का आह्वान करती है। हालांकि, उदयनिधि स्टालिन ने अपने बचाव में कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका आशय किसी समुदाय या धर्म के अनुयायियों को आहत या नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

मद्रास हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा, यदि यह कहा जाए कि सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों का अस्तित्व नहीं होना चाहिए, तो इसके लिए सही शब्द 'जनसंहार' है। अगर सनातन धर्म को एक धर्म माना जाए, तो यह 'रिलिजिसाइड' यानी धर्म के विनाश की श्रेणी में आएगा। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसी भाषा लोगों के उन्मूलन की ओर संकेत करती है, चाहे वह किसी भी तरीके से हो, जिसमें इकोसाइड, फैक्टोसाइड और कल्चरसाइड जैसे रूप शामिल हो सकते हैं।

कोर्ट ने तमिल भाषा में प्रयुक्त शब्द 'सनातन ओझिप्पु' की व्याख्या करते हुए कहा कि इसका सीधा अर्थ सांस्कृतिक उन्मूलन या संस्कृति के नाश से जुड़ा है। इसी आधार पर अदालत ने माना कि मंत्री के बयान पर सवाल उठाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को हेट स्पीच नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज हो गई है।

बीजेपी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को अब राज्यसभा लाने पर विचार कर रही पार्टी

-झारखंड से जून 2026 में खाली हो रही सीट वहां से किया जा सकता है नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को जल्द ही राज्यसभा में प्रवेश मिलेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस साल कई राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं और पार्टी उन्हें राज्यसभा में लाने पर विचार कर रही है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन कर रही है। 45 साल के नितिन नबीन बिहार के पांच बार के विधायक हैं। वह बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने गए हैं। उनका जन्म रांची (झारखंड) में हुआ था। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भी वरिष्ठ बीजेपी नेता थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की कमान संभाली, जहां पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मोदी ने उन्हें मिलेनियल बॉस कहकर संबोधित किया और पार्टी में नई ऊर्जा का संकेत दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नितिन नबीन को उनकी नई जिम्मेदारी के अनुरूप संसद में लाया जाएगा। बिहार से राज्यसभा की कोई सीट अभी खाली नहीं है, लेकिन पड़ोसी राज्य झारखंड से एक विकल्प उपलब्ध है। झारखंड से बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल जून 2026 में खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन का जन्म रांची में होने के कारण उन्हें वहां से नामांकित किया जा सकता है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व किसी भी राज्य से उन्हें भेज सकती है, जहां उपयुक्त सीट उपलब्ध हो। इस साल कुल 71 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनमें से 30 बीजेपी के हैं। इनमें यूपी से 8, गुजरात से 3, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा और हरियाणा से दो-दो सीटें शामिल हैं। झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर से एक-एक सीट खाली हो रही है। बीजेपी के दो प्रमुख सदस्यों- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की यूपी से सीटें भी खाली होंगी।

नितिन नबीन के राज्यसभा में आने से पार्टी को युवा और संगठनात्मक रूप से मजबूत चेहरा मिलेगा, जो संसद में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्हें हाल ही में लुटियंस दिल्ली में आधिकारिक आवास भी आवंटित किया गया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद नबीन का पहला बड़ा कार्यक्रम 21 जनवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक है, जिसमें पीएम मोदी और संसदीय बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसके बाद 27 जनवरी को बजट सत्र से पहले संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता भी वे करेंगे।

आईसीसी बैठक में बांग्लादेश की टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर रखे जाने की मांग खारिज

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कांउंसिल (आईसीसी) ने यहां हुई एक बैठक के बाद बांग्लादेश की टी20 विश्वकप के लिए मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी है। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इंकार करते हुए कहा था कि उसके मैचों को श्रीलंका में रख दिया जाये। आईसीसी ने इस मामले में आंखिरकार अंतिम फैसला सुना दिया है। आईसीसी ने बीसीबी की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने खेलने की मांग को ठुकरा दिया है। इसे लेकर वोटिंग की गई और 14-2 के बहुमत के बाद बांग्लादेश की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग को खारिज किया गया। इसी के साथ ही अब यदि बांग्लादेश टीम भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ी रहती है तो उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। उन्हें अपने पहले तीन मैच 7, 9 और 14 फरवरी को कोलकाता में और आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में खेलना है।

आईसीसी की बैठक इसके चेयरमैन जय शाह के साथ बीसीबी प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम, बीसीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया, श्रीलंका बोर्ड के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, सीए चेयरमैन माइक बेयर्ड सहित सभी बोर्ड प्रमुख शामिल थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग की थी। अब अगर बीसीबी आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी स्कॉटलैंड को सीधे ग्रुप सी में शामिल कर लेगा।

इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरुआत, श्रीकांत भी अगले दौर में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर में जापान की मनामी सुइजू को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। 53 मिनट तक चले इस मैच का पहला गेम जीतकर सिंधु ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने ये सिलसिला बनाये रखा। दूसरे दौर में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफील्ड और चीनी की हान कियासी के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में श्रीकांत को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। श्रीकांत ने जापान के कोकी वतनाबे (जापान) को 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। यह मुकाबला 1 से अधिक समय तक चला। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला हुआ पर अंत में श्रीकांत ने बाजी मार ली। अब श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा। तिएन ने एक अन्य मुकाबले में आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से पराजित किया।

भारत के ही किरण जॉर्ज पुरुष एकल के पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 21-17, 21-14 से हार गये। इसके अलावा महिला सिंगल्स में आकार्शी कश्यप को डेनमार्क की जूली डावॉल जैकबसेन ने 8-21, 22-20, 21-17 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भी भारतीय खिलाड़ी असफल रहे। ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन माओ और लिया पालेर्मो की जोड़ी ने 21-23, 22-20, 21-6 से पराजित किया। इसके अलावा रोहन कपूर और रुथविका की जोड़ी को फ्रांस की थॉम गिकेल और डेल्फिन डेलरू के हाथों 21-9, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे कयोंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

अंडर-19 यूथ विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक ने 51 गेंदों ही शतक लगाकर वैभव का रिकार्ड तोड़ा

विंडहॉक (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल मलाजचुक ने अंडर-19 विश्वकप में जापान के खिलाफ मुकाबले में 51 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब विल अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के समीर मिन्हास के नाम था। मिन्हास ने केवल 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अपनी इस पारी से विल ने भारत के वैभव सूर्यवंशी का रिकार्ड जरुर तोड़ दिया वैभव ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। इस मैच में विल की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने जापान को आठ विकेट से हराकर ग्रुप-ए में लगातार दूसरी जीत हासिल की है।

इस मैच में जापानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। सबसे अधिक 79 रन ह्यूगो केली ने बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से नादेन कूराय ने तीन जबकि विल बायरम ने दो विकेट लिए। इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धमाकेदार रही। विल मलाजचुक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये और 51 गेंदों में शतक लगा दिया।। इसके साथ ही वह विश्कप में सबसे तेज शतक लगाने वो दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का रिकार्ड पाकिस्तान के समीयर मिन्हास के नाम है। मिन्हास ने 42 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं भारत के वैभव 52 गेंदों में शतक के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। मलाजचुक इस मैच में 12 चौके और पांच छक्के लगाकर 102 रन बनाये जबकि सैमुअल ने 60 रन बनाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जापान को हरा दिया।

पर्थ स्कॉर्चर्स बीबीएल लीग के फाइनल में पहुंची

पर्थ। पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। स्कॉर्चर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स को 48 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सिडनी सिक्सर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी ओर से फिन एलेन ने 30 गेंद पर सबसे अधिक 49 रन बनाये। वहीं कप्तान एश्टन टर्नर ने 29 जबकि झे रिचर्डसन ने 20 रन बनाये। सिडनी सिक्सर्स की ओर से मिचेल स्टार्क, बेन ड्वारशुईस और जैक एडवॉर्ड्स ने 2-2 विकेट लिए जबकिजोएल डेविस और बेंजामिन मानेंटी को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 148 रन रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज असफल रहे और टीम 15 ओवर में केवल 99 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे 48 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 24 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज पर्थ के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बाबर आजम फिर फ्लॉप रहे और 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं स्कॉर्चर्स की ओर से महली बियर्डमैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि कूपर कोनोली और डेविड पायने को 2-2 विकेट मिले। झे रिचर्डसन और आरोन हार्डी ने 1-1 खिलाड़ी को आउट किया। लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को खेला जाएगा।

एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फ्रैंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। विनिसियस जूनियर ने गोलकर स्कोर 5-0 किया और जूड बेलिंघम ने छठा गोल किया। वहीं मोनाको के लिए एकमात्र गोल जोडर्न तेजे ने किया।

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

चेन्नई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये। अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ एस20 लीग में पूरी गंभीरता से खेलना होगा : स्टब्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। (ईएमएस)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले एसए20 लीग के पहले क्वालीफायर में उनकी टीम को पूरी गंभीरता से खेलना होगा। स्टब्स के अनुसार ये मुकाबला आसान नीं रहेगा। इसलिए हमें जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने टीम को अतिआत्मविश्वास से बचने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है पर लीग चरण में शीर्ष पर होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए बुधवार को होने वाले मैच में उन्हें अच्छी शुरुआत करनी होगी। गौरतलब है कि पहली बार स्टब्स की कप्तानी में खेलते हुए सनराइजर्स की टीम ने 10 मैच में से पांच मैच जीतकर तालिका में 28 अंक के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया है।

स्टब्स ने कहा, ' लीग में नंबर एक होना जीत की गारंटी नहीं है। यह अच्छा है कि हमने पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्ले ऑफ से पहले हमें पता है कि आप हर मैच में शून्य से शुरुआत करते हैं। प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं है।' गत उप विजेता सनराइजर्स ने अब तक चारों सत्र में प्ले ऑफ में जगह बनाई है और उन्होंने कहा कि पुराने अनुभवों से भी टीम को लाभ होगा।

स्टब्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर मुझे तो ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी इन मुकाबलों में खेल चुके हैं और जानते हैं कि इसे जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से मदद मिलती है लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, यह अब भी क्रिकेट का खेल है।।'

स्टब्स ने अपनी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की सराहना की जिन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक की मदद से 328 रन बनाये हैं। कप्तान ने कहा, 'डिकॉक ने हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर आगे बढ़कर अगुआई की है वह युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे रहे हैं।' स्टब्स ने क्रिस ग्रीन की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने एमआई केपटाउन के खिलाफ खेलते हुए 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

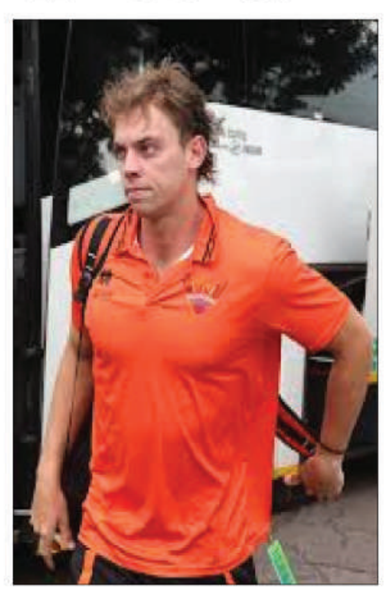

ऑस्ट्रेलियन ओपन : डेनियल मेदवेदेव शुरुआती मुश्किलों से बचकर तीसरे राउंड में पहुंचे

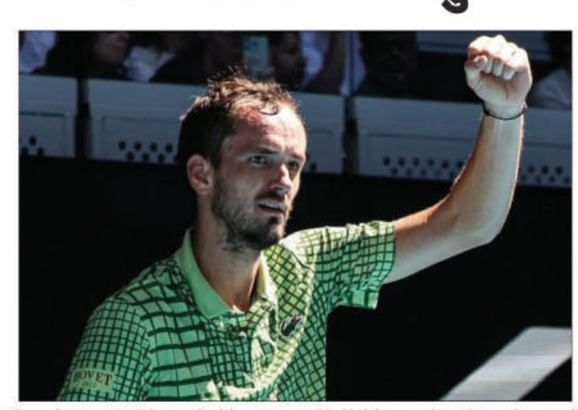

मेलबर्न। रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए। रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला। फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए ज़ोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूँ, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई।

रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा, 'हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा।'

अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा, 'खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा।'

भारतीय ओपनर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ये लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है; हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है।'

टीम में एकजुटता और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये खिलाड़ी लगभग 2 साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है।'

रोहित ने कहा, 'एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं। वैसे, मुझे लगता है कि औसत उम्र शायद 25 के आस-पास है, जो हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि जब आप वर्ल्ड कप में जा रहे होते हैं, तो आपको बहुत सारी बातचीत, खुलकर बातचीत और कुछ मुश्किल बातचीत भी करनी पड़ती है, क्योंकि एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना होता है। इसके लिए, अगर आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे आपके साथ खेलने वाले किसी खिलाड़ी, यहाँ तक कि किसी करीबी दोस्त को भी बुरा लग सकता है, तो भी ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के बीच इस तरह का रिश्ता बनाना बहुत जरूरी है।'

टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया 2022 टीम और उससे पहले एशिया कप से श्रेयस अय्यर को बाहर रखने पर उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड कप से पहले ऐसे मुश्किल फैसले लेने के कई मौके आए हैं। मुझे 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान श्रेयस अय्यर की बात याद आती है। मुझे आज भी याद है कि हम वेस्टइंडीज में खेल रहे थे। राहुल भाई और मुझे हमेशा लगता था कि अगर आप ऐसे फैसले ले रहे हैं, तो यह जरूरी है कि उस खिलाड़ी को पता चले कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे याद है कि हमने श्रेयस को पूल के पास बुलाया, और राहुल भाई और मैंने दोनों ने उससे बात की कि वह उस एशिया कप और उसके बाद होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा क्यों नहीं होगा।'

उथप्पा बोले, हर प्रारुप के लिए अलग-अलग कोच रखा जाये

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच बनाये जाने चाहिये। उथप्पा के अनुसार एक ही कोच के लिए हर सीरीज के बाद अपने माइंडसेट को बदलाना आसन नहीं होता है। साथ ही कहा कि आजकल इतना क्रिकेट हो रहा है कि एक कोच मानसिक रुप से थक जाता है। कोच को हर प्रारुप के अनुसारन रणनीति बदलनी पड़ी है और ये काफी कठिन काम होता है। जिस प्रकार से भारतीय टीम उन्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हारी है। माना जा रहा है कि उसी को उसको देखते हुए उथप्पा ने ये बयान दिया है। टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठते है। उनके कोच रहते भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी हारी है। यह पहली बार था जब न्यूीलैंड टीम भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। ऐसे में उथप्पा के बयान के बाद गंभीर पर दबाव बढ़ना तय है। उथप्पा का मानना है कि एक ही कोच पर सभी प्रारुपों का बोझ डालना सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, मैं अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच रखने के विचार के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलता है। एक प्रारुप से दूसरे में जाते वक्त दिमाग भी थक जाता है। उन्होंने साथ ही कहा कि जब कोई कोच एक एक प्रारुप में लीन रहता है तो दूसरे की तैयारी करना कठिन हो जाता है। ऐसे में नये माइंडसेट और उर्जा की जरुरत होती है। एसे में अलग-अलग कोच रहना फायदेमंद रहेगा। उथप्पा ने हालांकि ये भी माना है कि कि अलग-अलग कोच रखने का फैसला करना आसान फैसला नहीं होगा। इसमें सभी कोचों को एक-दूसरे के साथ तालमेल रखते हुए काम करना होगा।

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले पुलिस की गाड़ी लेकर भागा शराबी

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक रात पहले पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव उस वक्त फूल गए, जब सुरक्षा में लगी एक सरकारी गाड़ी चोरी हो गई। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस पुलिस पर जिले की सुरक्षा का जिम्मा था, एक शराबी युवक उनकी आंखों के सामने से ही सरकारी टाटा सूमो लेकर फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-709बी के वंदना चौक पर ट्रैफिक पुलिस की गाड़ी खड़ी थी। तभी एक नशे में धुत युवक वहां पहुंचा और मौका पाकर ड्राइवर की सीट पर बैठ गया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह गाड़ी स्टार्ट कर रफूचक्कर हो गया। अपने सामने ही सरकारी गाड़ी को चोरी होते देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत हाईवे पर फिल्मी अंदाज में पीछा शुरू हुआ। शराबी युवक गाड़ी को मेरठ-बागपत हाईवे की तरफ तेज रफ्तार में दौड़ाता रहा। पुलिस की टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी, लेकिन कुछ दूरी पर जाकर युवक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित टाटा सूमो सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का अगला हिस्सा और सरकारी गाड़ी दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद युवक घायल होकर बेहोश हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और राहत की सांस ली। डिप्टी सीएम के संवेदनशील दौरे से पहले हुई इस चूक ने विभाग के भीतर खलबली मचा दी है।

पान मसाला विज्ञापन को लेकर सलमान कोर्ट में नहीं हुए पेश, अगली सुनवाई 5 को

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड के भाईजान और सुपरस्टार सलमान खान के खिलाफ पान मसाला का विज्ञापन को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप लगाए थे और कहा था सलमान खान और पान मसाला कंपनी जनता को

गुमराह कर रही है, क्योंकि 5 रुपए के पाउच में असली केसर का इस्तेमाल मुमकिन नहीं है। वहीं, इस मामले में मंगलवार को कोटा कंज्यूमर कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन सलमान खान अदालत में पेश नहीं हुए। अब अगली सुनवाई 5 फरवरी को तय की है और शिकायतकर्ता ने एक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए जाने की गुहार लगाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला बीजेपी नेता इंद्र मोहन सिंह हनी द्वारा दायर किया गया है। वकिल रिपु दमन सिंह ने बताया कि कोर्ट ने 26 दिसंबर को आदेश दिया था कि सलमान खान 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश हों, लेकिन वे नहीं आए। परिवादी पक्ष ने कोर्ट को बताया कि इसी तरह के एक मामले में 15 जनवरी को जयपुर उपभोक्ता आयोग ने भी सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। बता दें अब न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी तय की है। साथ ही पहले फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हस्ताक्षरों की रसीद भी अगली तारीख पर पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सोशल मीडिया पर वजन घटाने का उपाय... 24 घंटे में चली गई 19 साल की लड़की की जान

मदुरै (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर वजन घटाने के उपाय लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन हाल ही में ऐसा ही एक उपाय एक छात्रा की जान का कारण बन गया। 19 वर्षीय कलैयारसी, जो सेलूर के मीनाम्बलपुरम की रहने वाली थी और नरिमेडु स्थित एक निजी महिला कॉलेज में स्नातक की प्रथम वर्ष की छात्रा थी, ने वजन कम करने के लिए इंटरनेट पर एक यूट्यूब वीडियो में बताए गए तरीके का सहारा लिया। वीडियो में 'वेंकारम' (बोरेक्स) के सेवन से वजन घटाने की सलाह दी गई थी। पुलिस के अनुसार, कलैयारसी ने 16 जनवरी को लोकल दवा की दुकान से यह पदार्थ खरीदा और अगले दिन वीडियो के अनुसार इसका सेवन किया। इसके तुरंत बाद युवती को उल्टी और दस्त शुरू हो गए। उसकी मां ने निजी अस्पताल ले जाया, जहां उपचार के बाद लड़की को घर भेज दिया गया। शाम को लक्षण फिर उभरे और पास के एक अन्य अस्पताल में इलाज के बाद घर लौटने पर तेज पेट दर्द और मल में खून आने की शिकायत हुई। इसके बाद रात करीब 11 बजे उसकी हालत गंभीर हो गई। पड़ोसियों की मदद से सरकारी राजाजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेताया है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट पर वजन घटाने के लिए साझा किए जाने वाले उपाय अक्सर खतरनाक हो सकते हैं और किसी भी दवा या पदार्थ का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। इस दुखद घटना ने लोगों के लिए एक गंभीर संदेश छोड़ा है कि स्वास्थ्य संबंधी सलाह केवल प्रमाणित स्रोतों से ही ली जानी चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी, सुरक्षा को बढ़ाया गया

पुरी(एजेंसी)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी मिलने के बाद मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑनलाइन पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि फेसबुक संदेश में बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सदस्य सुभाषीश खुंटिया और तीर्थ नगरी पुरी के एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर हमले की धमकी भी दी गई थी। अधिकारी के अनुसार, जिस महिला के अकाउंट से पोस्ट की गई थी, उस महिला ने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इंकार कर दावा किया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी यूजर आईडी बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की होगी। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए पकड़ा है।

होली के त्यौहार के मौके पर महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी रेखा सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्यौहार के मौके पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। होली और दीपावली के मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराना, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा था।

अंतरिक्ष यात्री विलियम्स ने की कल्पना चावला की मां से मुलाकात तो भर आईं आंखें

-दोनों ने एक-दूसरे के गले लगकर स्वागत किया और पुरानी यादें की ताजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के परिवार से मुलाकात की। यह मुलाकात दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि यादों और साझा विरासतों का एक भावुक संगम था। सुनीता दिल्ली में कल्पना चावला की 90 साल की मां, संजोगता खरबंदा और उनकी बहन दीपा से मिलीं। जैसे ही सुनीता ने कल्पना की मां को गले लगाया, कमरे में सन्नाटा छा गया और आंखें नम हो गईं। दोनों ने एक-दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी।

बता दें दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया। सुनीता विलियम्स (60) ने मंगलवार को दिल्ली स्थित 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' नामक एक संवाद सत्र में भाग लिया था। करीब एक घंटे के इस कार्यक्रम के खत्म होते ही विलियम्स मंच से नीचे उतरीं और सभागार में पहली पंक्ति में बैठी कल्पना चावला की मां संयोगिता चावला की ओर बढ़ीं तथा उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। विलियम्स इस दौरान अपने चिरपरिचित अंतरिक्ष यात्री के लिबास में थीं।

उन्होंने कल्पना चावला की बहन दीपा से भी मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आई थीं। विलियम्स वर्तमान में भारत यात्रा पर हैं। वह 22 जनवरी से शुरू होने वाले केरल साहित्य महोत्सव के नौवें संस्करण में भाग लेने वाली हैं। आयोजकों ने दिसंबर के अंत में इसकी घोषणा की थी।

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कप्तान सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनियाई थीं। अपने संबोधन में सुनीता ने यह भी कहा कि भारत आने पर घर वापसी जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। बाद में चावला की मां ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह (विलियम्स) परिवार के सदस्य की तरह हैं। कल्पना चावला की मां ने कहा कि कोलंबिया हादसे के बाद ''वह तीन महीने तक हमारे घर आती रहीं। नियमित रूप से सुबह से रात तक रुकती थीं और ''शोक में डूबे हमारे परिवार'' को सांत्वना देती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि विलियम्स और चावला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर एक-दूसरे को अपने साझा पेशे में और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया करती थीं।

अपनी बेटी के जीवन को याद करते हुए कल्पना की मां ने कहा कि वह अपने साथ अनमोल खजाना लेकर आई थी। उसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हम क्या कह सकते हैं? संयोगिता चावला ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कल्पना अक्सर कहा करती थी कि मानवता ही एकमात्र धर्म है और उसने कभी कोई दूसरा नाम नहीं लिया। जब हम उससे पूछते थे, तुम्हारा धर्म क्या है? तो वह कहती थी, 'मेरा धर्म कर्म है'।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, 10 दिन में पांचवीं घटना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मंगलवार देर रात एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। ड्रोन दिखते ही भारतीय सेना ने तुरंत अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान पकड़ा गया। जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। बीते 10 दिनों में सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास ड्रोन देखे जाने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले 17 जनवरी को रामगढ़ सेक्टर में, 15 जनवरी को एक बार फिर रामगढ़ में, 13 जनवरी को राजौरी जिले में दो बार और 11 जनवरी को नौशेरा, धरमसाल, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एक साथ पांच ड्रोन देखे गए थे। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं को देखते हुए एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और चौकसी बढ़ा दी गई है। सेना और खुफिया एजेंसियां ड्रोन गतिविधियों के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

लिव-इन पर कोर्ट ने की अहम टिप्पणी: महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी का दर्जा मिले

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, कि ऐसे रिश्तों में रहने वाली महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा तभी मिल सकती है, जब उन्हें पत्नी के समान दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने माना कि मौजूदा कानूनी ढांचे में लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है, ऐसे में अदालत की जिम्मेदारी बनती है कि वह महिलाओं को संरक्षण प्रदान करे।

यह टिप्पणी जस्टिस एस. श्रीमथी ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। आरोपी पर आरोप था कि वह एक महिला के साथ पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहा और बाद में शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब रिश्ते में तनाव बढ़ा तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में पुरुषों की मानसिकता पर भी सख्त टिप्पणी की। जस्टिस श्रीमथी ने कहा कि कई पुरुष खुद को ÷मॉडर्न÷ दिखाने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं, लेकिन जब रिश्ता टूटता है तो वही पुरुष महिला के चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर स्पष्ट नियमों और सुरक्षा प्रावधानों का अभाव है।

अदालत ने यह भी कहा कि भारत में भले ही लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक तौर पर पूरी तरह स्वीकार नहीं किया गया हो, लेकिन यह अब एक आम वास्तविकता बन चुकी है। रिश्ते के दौरान पुरुष आधुनिक सोच का दावा करते हैं, लेकिन जब हालात बिगड़ते हैं तो महिलाओं को दोषी ठहराने और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने से पीछे नहीं हटते।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जो धोखे से शारीरिक संबंध बनाने से जुड़ी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा सर्वोपरि है।

पीठासीन अधिकारी का व्यवहार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सदन का समय बहुत कीमती होता है। ऐसे में जरूरी है कि सदन में संवाद हो। सहमति-असहमति हो पर गतिरोध नहीं होना चाहिए। सदन के अंदर सभी राजनीतिक दलों से इस बात की चर्चा होनी चाहिए कि कभी गतिरोध ना आए। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी के रूप में हमें निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को उप्र की राजधानी लखनऊ के विधान भवन में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि राज्य की विधानसभा ही है जिसके द्वारा अंतिम व्यक्ति की आवाज सदन में और सरकार तक पहुंचती है। जैसे न्यायालय के अंदर लोगों का विश्वास रहता है उसी तरह राज्य विधानमंडल में भी अगर सकारात्मक दृष्टिकोण से जनप्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे तो इन विधानसभाओं के माध्यम से परिणाम भी आएंगे। यह लोकतंत्र वही व्यवस्था है जिसमें सभा में होने वाली चर्चाओं से ठोस परिणाम निकलते हैं। इन्हीं संवादों और विमर्शों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाएं निरंतर सुदृढ़ होती हैं और समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करती हैं। आज जब हम यह संकल्प लेते हैं तो यह केवल एक विधायी संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में हम अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों के माध्यम से ÷विकसित भारत÷ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सभी माननीय सदस्य चर्चा, संवाद और विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी करें।

उन्होंने कहा कि विकास के लिए हमें यह विचार करना होगा कि संवाद और विमर्श के माध्यम से राज्य को किस प्रकार दिशा और आधार दिया जा सकता है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त बन सके। समाज की भूमिका इसमें मार्गदर्शक की होनी चाहिए और समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना और अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने लगातार यह प्रयास किया है कि लोकतांत्रिक सरकारें अधिक जवाबदेह बनें और शासन-प्रशासन से जुड़ी चुनौतियों को विधायी स्तर पर उठाया जाए। कई बार विधायी प्रक्रियाओं और विपक्ष की भूमिका को सशक्त करने के प्रयास किए गए हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। आने वाले समय में हम यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि राज्य की विधानसभा की न्यूनतम 30 दिन बैठकें हों, जिनमें सहमति और असहमति दोनों के माध्यम से जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हो।

उन्होंने कहा कि विधानसभा वह मंच है जहां आम नागरिक की आवाज लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से स्थापित होती है। मतदाता मतदान करने के बाद यह अपेक्षा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसकी समस्याओं और चुनौतियों को उठाएगा तथा उनके समाधान के लिए प्रयास करेगा। जिस प्रकार जनता का विश्वास न्यायालयों में है उसी प्रकार राज्य विधानमंडल पर भी जनता का अटूट विश्वास होना चाहिए कि उसकी बात यहां अवश्य सुनी जाएगी। हमने विधानसभा को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग बढ़ाया है। एआई और नवीन तकनीकों के माध्यम से पुरानी बहसों, चर्चाओं और निर्णयों को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाओं के बीच आपसी संवाद, विधायी सूचकांक, भागीदारी, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। नए नियम, नई प्रक्रियाएं और प्रभावी संसदीय समितियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाती हैं। संविधान के अधीन कार्य करते हुए यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनउत्तरदायित्व को सर्वोच्च स्थान दें।

एकनाथ शिंदे को एमएनएस के समर्थन पर बोले संजय राउत- यह राज ठाकरे का फैसला नहीं

मुंबई (एजेंसी)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दिए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस मुद्दे पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि यह फैसला एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे का नहीं, बल्कि पार्टी के स्थानीय नेताओं का है।

सांसद संजय राउत ने बुधवार 21 जनवरी को मीडिया से बातचीत में दावा किया कि राज ठाकरे इस घटनाक्रम से बेहद नाराज और व्यथित हैं। उन्होंने कहा, राज ठाकरे बहुत व्यथित हैं जिस तरह से स्थानीय नेताओं ने यह फैसला लिया है। उनका साफ कहना है कि इस फैसले में उनकी भूमिका नहीं है और न ही पार्टी की आधिकारिक भूमिका है। संजय राउत के मुताबिक, राज ठाकरे का मानना है कि यदि स्थानीय नेताओं ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर निर्णय लिया है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

संजय राउत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 पार्षद बीजेपी के साथ चले गए थे और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था, उसी तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में भी जो पार्टी के खिलाफ काम करता है, उसे बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कल्याण-डोंबिवली के घटनाक्रम को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्ता के लिए महाराष्ट्र के साथ बेईमानी करने वालों के साथ जो भी खड़ा होता है, जनता उसे भी बेईमान मानती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां के लोगों ने बहुत बड़ी गलती की है और इसका राजनीतिक खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में बहुमत के लिए 62 पार्षदों की जरूरत है। यहां शिवसेना के पास 52 और बीजेपी के पास 51 पार्षद हैं, जबकि एमएनएस के 5 पार्षद निर्णायक स्थिति में हैं। इसी कारण एमएनएस के समर्थन को सत्ता गठन के लिए अहम माना जा रहा है।

श्रीकांत बोले- महायुति की सत्ता बनेगी

वहीं, शिंदे गुट की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि एमएनएस ने महायुति को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी, शिवसेना, एमएनएस और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यहां महायुति की सत्ता बनेगी और विकास के लिए जो भी साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर नई बहस और हलचल पैदा कर दी है।

स्टालिन का बयान हेट स्पीच की श्रेणी वाला, मद्रास हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर चल रही राजनीतिक और कानूनी बहस के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने बुधवार को कहा कि मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला है और यह हेट स्पीच की श्रेणी में आती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के शब्दों का अर्थ जनसंहार की ओर इशारा करता है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म संबंधी बयान पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि मंत्री की टिप्पणी सनातन धर्म को मानने वालों के खिलाफ 'जनसंहार' का आह्वान करती है। हालांकि, उदयनिधि स्टालिन ने अपने बचाव में कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका आशय किसी समुदाय या धर्म के अनुयायियों को आहत या नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

मद्रास हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा, यदि यह कहा जाए कि सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों का अस्तित्व नहीं होना चाहिए, तो इसके लिए सही शब्द 'जनसंहार' है। अगर सनातन धर्म को एक धर्म माना जाए, तो यह 'रिलिजिसाइड' यानी धर्म के विनाश की श्रेणी में आएगा। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसी भाषा लोगों के उन्मूलन की ओर संकेत करती है, चाहे वह किसी भी तरीके से हो, जिसमें इकोसाइड, फैक्टोसाइड और कल्चरसाइड जैसे रूप शामिल हो सकते हैं।

कोर्ट ने तमिल भाषा में प्रयुक्त शब्द 'सनातन ओझिप्पु' की व्याख्या करते हुए कहा कि इसका सीधा अर्थ सांस्कृतिक उन्मूलन या संस्कृति के नाश से जुड़ा है। इसी आधार पर अदालत ने माना कि मंत्री के बयान पर सवाल उठाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को हेट स्पीच नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज हो गई है।

बीजेपी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को अब राज्यसभा लाने पर विचार कर रही पार्टी

-झारखंड से जून 2026 में खाली हो रही सीट वहां से किया जा सकता है नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को जल्द ही राज्यसभा में प्रवेश मिलेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस साल कई राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं और पार्टी उन्हें राज्यसभा में लाने पर विचार कर रही है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन कर रही है। 45 साल के नितिन नबीन बिहार के पांच बार के विधायक हैं। वह बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने गए हैं। उनका जन्म रांची (झारखंड) में हुआ था। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भी वरिष्ठ बीजेपी नेता थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की कमान संभाली, जहां पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मोदी ने उन्हें मिलेनियल बॉस कहकर संबोधित किया और पार्टी में नई ऊर्जा का संकेत दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नितिन नबीन को उनकी नई जिम्मेदारी के अनुरूप संसद में लाया जाएगा। बिहार से राज्यसभा की कोई सीट अभी खाली नहीं है, लेकिन पड़ोसी राज्य झारखंड से एक विकल्प उपलब्ध है। झारखंड से बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल जून 2026 में खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन का जन्म रांची में होने के कारण उन्हें वहां से नामांकित किया जा सकता है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व किसी भी राज्य से उन्हें भेज सकती है, जहां उपयुक्त सीट उपलब्ध हो। इस साल कुल 71 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनमें से 30 बीजेपी के हैं। इनमें यूपी से 8, गुजरात से 3, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा और हरियाणा से दो-दो सीटें शामिल हैं। झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर से एक-एक सीट खाली हो रही है। बीजेपी के दो प्रमुख सदस्यों- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की यूपी से सीटें भी खाली होंगी।

नितिन नबीन के राज्यसभा में आने से पार्टी को युवा और संगठनात्मक रूप से मजबूत चेहरा मिलेगा, जो संसद में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्हें हाल ही में लुटियंस दिल्ली में आधिकारिक आवास भी आवंटित किया गया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद नबीन का पहला बड़ा कार्यक्रम 21 जनवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक है, जिसमें पीएम मोदी और संसदीय बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसके बाद 27 जनवरी को बजट सत्र से पहले संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता भी वे करेंगे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**